* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

13 जून, 2023
आषाढ़, कृष्ण पक्ष, दशमी
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
मंगलवार, वर्ष 08, अंक 233

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

नौ साल में पूरी करनी होगी एमबीबीएस एनएमसी ने जारी किये नये नियम

रांची में सेना जमीन घोटाला मामले में बड़ी कार्रवाई : इडी ने चार्जशीट दाखिल की

छवि रंजन समेत 10 के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

74.39 करोड़ की संपत्ति अस्थायी रूप से अटैच

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने रांची में सेना जमीन घोटाला मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए रांची के पूर्व उपायुक्त निलंबित आइएएस छवि रंजन समेत 10 आरोपियों के खिलाफ सोमवार को चार्जशीट दाखिल किया। आरोपियों पर सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ भूमि के मूल दस्तावेज में छेड़छाड़ कर फर्जी दस्तावेज के आधार पर जमाबंदी कराने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा इडी ने सेना के कब्जे वाली जमीन और बजरा मौजा की जमीन से संबंधित 74.39 करोड़ की संपत्ति अस्थायी रूप से अटैच किया।

इन 10 आरोपियों पर चार्जशीट

इडी ने भूमि घोटाला में अब तक 10 लोगों को आरोपी बनाया है। इनमें निलंबित आइएएस छवि रंजन के अलावा कोलकाता के कारोबारी अमित अग्रवाल, जगतबंधु टी इस्टेट के मालिक दिलीप घोष, बड़गाईं सीआइ भानु प्रताप प्रसाद, जमीन दलाल प्रदीप बागची, रिम्स का निलंबित कर्मी अफसर अली, इम्तियाज खान, फैयाज खान, तलहा खान और मोहम्मद सद्दाम शामिल हैं।

13 अप्रैल को छापामारी : गौरतलब है कि इडी ने 13 अप्रैल को छवि रंजन सहित 18 लोगों के 22 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इसके बाद 14 अप्रैल को फर्जी रैयत प्रदीप बागची, बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था। रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन से दो बार पूछताछ हुई। उनके जवाब से संतुष्ट नहीं होने के बाद इडी ने सात मई को छवि रंजन को गिरफ्तार कर लिया था।

आयुक्त की जांच में हुआ था खुलासा : सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की खरीद-बिक्री मामले में फर्जीवाड़ा का खुलासा सबसे पहले आयुक्त की जांच रिपोर्ट में हुआ था। उक्त रिपोर्ट में यह बात सामने आयी थी कि प्रदीप बागची नामक व्यक्ति ने फर्जी रैयत बनकर जगतबंधु टी इस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक दिलीप कुमार घोष को जमीन बेची। जमीन की खरीद-बिक्री के लिए रजिस्ट्री में प्रदीप बागची ने जिन होल्डिंग नंबर से संबंधित दो अलग-अलग कागजातों को लगाया था, वे जांच में फर्जी मिले थे।

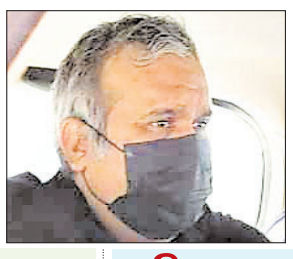

इडी ने अस्थायी रूप से संपत्ति अटैच की

रांची। इडी ने सोमवार को सेना के कब्जे वाली बरियातू स्थित जमीन और हेहल अंजल के बजरा मौजा की जमीन को अस्थायी रूप से अटैच कर ली है। सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ और हेहल अंचल के बजरा मौजा की 7.16 एकड़ जमीन को अटैच किया गया है। इस जमीन की कीमत 74.39 करोड़ रुपये आंकी गयी है। इडी ने कहा है कि इन दोनों भूखंडों को भू-राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से भू-माफियाओं के नाम फर्जी तरीके से म्यूटेशन किया गया है।

अमित अग्रवाल और दिलीप घोष की रिमांड खत्म, गये जेल

रांची। सेना जमीन घोटाला मामले में गिरफ्तार कारोबारी अमित अग्रवाल और जगतबंधु टी इस्टेट के मालिक दिलीप घोष को सोमवार को जेल भेज दिया गया। इडी ने उन्हें तीन दिन की रिमांड पर लिया था। सोमवार को दोनों की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद इडी ने स्पेशल कोर्ट में पेश किया। सुनवाई के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया। गौरतलब है कि सेना जमीन घोटाला में सात जून को दोनों को इडी ने गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ के लिए कोर्ट ने इडी को तीन दिन की मंजूरी दी थी। सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए हैं, जिन पर इडी आगे बढ़ेगी।

इडी ने 41 सर्च और पांच सर्वे किये

इडी ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करने के बाद कहा है कि सेना के कब्जे वाली जमीन के फर्जीवाड़ा मामले में 41 सर्च और पांच सर्वे किये गये। इसमें बरियातू स्थित 4.55 एकड़ जमीन और बजरा में 7.16 एकड़ जमीन भू-राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से भू-माफियाओं के नाम फर्जी तरीके से म्यूटेशन करने के सबूत मिले। इडी ने मनी लांड्रिंग के तहत जांच शुरू की थी, जिसमें भू-माफिया का रैकेट सामने आया, जिनका कोलकाता से तार जुड़ने का सबूत मिले। छापेमारी में भू-राजस्व विभाग का जाली मुहर, भूमि के जाली दस्तावेज, रुपयों के लेन-देन समेत कई साक्ष्य मिले। इडी ने बताया कि इन दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच भी करायी गयी, जिसमें जालसाजी सामने आयी। इडी ने कहा है कि सभी आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं। जांच अभी जारी है।

वंदे भारत एक्सप्रेस: पटना-रांची के बीच हुआ ट्रायल रन

- सांसद जयंत सिन्हा के सफर पर विवाद बढ़ा
- ट्रायल रन में 20 मिनट पहले रांची पहुंची ट्रेन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/पटना। पटना से रांची के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस का सोमवार को ट्रायल रन शुरू हो गया। पटना से सोमवार सुबह 6.55 पर यह ट्रेन रांची के लिए रवाना हुई। इस दौरान स्टेशन पर लोगों की भीड़ दिखी। लोग ट्रेन के साथ सेल्फी लेते नजर आये। ट्रेन को दोपहर एक बजे रांची पहुंचना था, लेकिन वह निर्धारित समय से 20 मिनट पहले पहुंची। उधर, ट्रायल रन के साथ ही विवाद भी शुरू हो गया है। भाजपा सांसद जयंत सिन्हा ने इस ट्रेन में सफर किया। ट्रायल रन के दौरान सांसद के सफर पर सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गये हैं।

ट्रायल रन रहा सफल

वंदे भारत ट्रेन का पहले दिन ट्रायल रन सफल रहा। पटना से रांची के बीच छह स्टेशन पर ट्रेन रुकी। इनमें जहानाबाद, गया, कोडरमा, हजारीबाग, बरकाकाना और मेसरा शामिल हैं। ट्रेन 12.33 बजे रांची स्टेशन पर पहुंची। यहां आरपीएफ ने रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा बढ़ा दी थी। लोगों को अंदर जाने से रोका जा रहा था। यह ट्रेन फिर दोपहर 2.20 में रांची से पटना के लिए रवाना हुई। पटना से रांची के बीच इस नयी ट्रेन की नियमित शुरुआत किस दिन होगी, इसके लिए तारीख का ऐलान अभी रेलवे की तरफ से नहीं हुआ है।

सांसद ने बरकाकाना तक किया सफर

सांसद जयंत सिन्हा ने कोडरमा से बरकाकाना स्टेशन तक वंदे भारत में सफर किया। इसका वीडियो भी सामने आया है। इसके बाद इस मुद्दे पर विवाद शुरू हो गया। विपक्ष के लोग सांसद द्वारा इसे सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का प्रयास बता रहे हैं।

उधर, ट्रायल रन के दौरान सांसद के सफर करने को रेल अधिकारियों ने भी गलत बताया है। रेल अधिकारियों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा कि कोई भी ट्रायल रन के दौरान ट्रेन में सफर नहीं कर सकता।

यह सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला है। पहले ही यह दिशा-निर्देश दिया गया था कि ट्रेन में चालक दल के सदस्य और तकनीकी जानकार सवार होंगे। इसमें ट्रेन की गति, पटरियों की मजबूती, तकनीकी दक्षता सहित अन्य पहलुओं को देखा परखा जायेगा। इसमें खासतौर पर हिदायत दी गयी थी कि किसी भी व्यक्ति को यात्रा करने की इजाजत नहीं दी जायेगी।

ट्रायल में किसी प्रकार की गड़बड़ी भी हो सकती है, जो स्वयं सांसद की सुरक्षा के लिए भी चिंताजनक है।

ट्रायल रन के दौरान हादसे से बची वंदे भारत

कोडरमा (आजाद सिपाही)। ट्रायल रन के दौरान वंदे भारत एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बच गयी। ट्रेन कोडरमा के पास ट्रैक पर मौजूद जानवरों से टकराने से बची। चालक के सतर्क रहने की वजह से बड़ा हादसा टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोडरमा के पास अचानक ट्रैक पर नीलगाय और गाय दिखी। जानवरों को देखकर चालक के सतर्क रहने और ब्रेक लगा देने की वजह से हादसा टल गया। ट्रेन रांची से पटना लौट रही थी। हालांकि अभी आधिकारिक रूप से इस बारे में कुछ भी नहीं बताया जा रहा है।

विदेश में देश को बदनाम करने पर माफी मांगें राहुल : जेपी नड्डा

- भाजपा अध्यक्ष का आरोप, कांग्रेस ने खोल रखा है नफरत का 'मेगा शॉपिंग मॉल'

आजाद सिपाही संवाददाता

धर्मशाला। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि विदेशी धरती पर देश को बदनाम करने वाले अपने बयानों के लिए कांग्रेस के युवराज को जनता से माफी मांगनी चाहिए। अधिकतर राज्यों में राजनीतिक दल परिवारों की पार्टियां बन गयी हैं। कांग्रेस तो मां, बेटा और बेटी की पार्टी बन गयी है। कांग्रेस सरकार के समय जमकर भ्रष्टाचार हुआ। हम स्कैम से निकल कर स्कीम में आये। नड्डा सोमवार को कांगड़ा जिला में भाजपा के संगठनात्मक जिला कार्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विश्व भर में भारत के नाम का डंका बज रहा है, वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी विदेशी धरती पर जाकर देश का प्रजातंत्र खतरे में होने की दुहाई देकर देश का अपमान कर रहे हैं। नड्डा ने तंज कसते हुए कहा कि देश को जोड़ने की बातें करने वालों ने आज दिन तक देश को तोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कांग्रेस ने नफरत का 'मेगा शापिंग मॉल' खोल रहा है। नड्डा ने कहा कि आज भाजपा को अगर विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल होने का गौरव हासिल हुआ है, तो इसके पीछे की वजह वैचारिक निष्ठा भी है। चाहे अनुच्छेद 370 की बात हो या राम मंदिर के निर्माण या फिर भारत को परमाणु शक्ति बनाने का मुद्दा रहा हो, पार्टी का हमेशा से ही अपने एजेंडे पर स्टैंड रहा है। जबकि आज के दौर में अन्य दलों में परिवारवाद हावी होने के साथ-साथ वैचारिक शून्यता आ गयी है।

दस रुपये मांगने पर पुत्र की गला दबा कर हत्या, गिरफ्तार

चतरा (आजाद सिपाही)। चतरा जिले के वशिष्ठनगर थाना क्षेत्र में सोमवार को 10 रुपये मांगने पर 48 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपने 12 वर्षीय बेटे की कथित तौर पर गला दबाकर हत्या कर दी। बशिष्ठनगर थाना क्षेत्र के करैलीबार गांव में हुई। बशिष्ठनगर के थाना प्रभारी गुलाम सरवर ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि लड़के को उसके पिता ने गला घोंट कर मार डाला। उन्होंने कहा कि हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चला है कि लड़के ने 10 रुपये क्यों मांगे थे। पुलिस ने बताया कि घटना करीब सुबह नौ बजे के आसपास हुई। आरोपी पिता बिलेश भुइयां नशे की हालत में था और अपनी पत्नी से झगड़ा कर रहा था, इस दौरान बेटा पप्पू वहां आ गया, उसने पिता से दस रुपये मांगे। इसके बाद वह अपने बेटे पर भड़क गया और उसकी हत्या कर दी। घटना का पता तब चला जब मृतक की 15 वर्षीय बहन ईंट भट्ठे में काम कर घर लौटी तो उसने शोर मचाया। उन्होंने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पौधरोपण के साथ हाइकोर्ट के नये भवन में न्यायिक कार्य शुरू

चीफ जस्टिस ने कहा, कैंपस को स्वच्छ रखना सबकी जिम्मेदारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट के नये भवन में सोमवार से न्यायिक कार्यों की शुरुआत हो गयी। गर्मी छुट्टी के बाद कोर्ट में नियमित रूप से मुकदमों की सुनवाई हुई। नये भवन में न्यायिक कार्यों की शुरुआत से पहले चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र ने हाइकोर्ट के अन्य न्यायाधीशों के साथ पौधरोपण किया। इस दौरान हाइकोर्ट के न्यायिक पदाधिकारी, महाधिवक्ता, वरीय अधिवक्ता और एसोसिएशन के पदाधिकारी भी मौजदू रहे।

अधिवक्ताओं को किया गया सम्मानित

हाइकोर्ट में वरीय अधिवक्ताओं को पहले दिन सम्मानित किया गया। वरीय अधिवक्ता अनिल कुमार सिन्हा, एके कश्यप, अजीत कुमार, आरएन सहाय, वीपी सिंह, ए अल्लाम समेत 25 वरीय अधिवक्ताओं को सम्मानित कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

बायोमीट्रिक सिस्टम जल्द लागू होगा

इस मौके पर चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र ने अधिवक्ताओं से हाइकोर्ट परिसर को स्वच्छ रखने और प्लास्टिक मुक्त रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोर्ट परिसर स्वच्छ करने की सबकी जिम्मेदारी है। इसमें सबकी भूमिका होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि नया हाइकोर्ट का परिसर काफी बड़ा है। यहां की सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए जल्द ही बायोमीट्रिक सिस्टम लागू किया जायेगा, जो सभी पर लागू होगा।

पहले दिन जेट मामले में हुई सुनवाई

रांची। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस झारखंड उच्च न्यायालय के नवनिर्मित भवन परिसर में कामकाज शुरू हो गया। पहले दिन झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (जेट) से जुड़े मामले में दोपहर 2 बजे से सुवाई हुई। इसके बाद कई अन्य मामलों की सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यों की पीठ में जेट मामले की सुनवाई की। इस पर अगली सुनवाई 21 जून को निर्धारित की गयी।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
188100 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा

सोना (बिक्री)	56,800 रु./10 ग्राम
चांदी	76,000 रु./प्रति किलो

इतना हिंसक क्यों हो गया पश्चिम बंगाल का माहौल

■ चुनाव हो या कोई धार्मिक-सामाजिक आयोजन, हिंसा की आशंका बन जाती है

■ सियासत की जहरीली चालों ने 'भद्रलोक के प्रदेश' को बना दिया है असहिष्णु

■ बड़ा सवाल : इस माहौल को खत्म करने के लिए कितना इंतजार करना होगा

पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही राजनीतिक तापमान बढ़ गया है। यह स्वाभाविक है, लेकिन सबसे चिंता की बात यह है कि राजनीतिक तापमान बढ़ने के साथ सामाजिक तनाव भी हिंसक रूप लेने लगा है। राज्य के कई इलाकों में राजनीतिक हिंसा की खबरें आने लगी हैं। इससे पहले अप्रैल के अंत में रामनवमी और हनुमान जयंती के मौके पर निकाली गयी शोभायात्रा पर कथित पथराव के बाद दो गुटों के बीच भड़की हिंसा की आग अब भी सुलग रही है। लोकतंत्र में हिंसा, चाहे वह राजनीतिक हो या धार्मिक या फिर सांप्रदायिक, का कोई स्थान नहीं होता। इस पुरानी मान्यता के बीच बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर 'भद्रलोक का प्रदेश' बंगाल इतना तनावपूर्ण कैसे हो गया है। क्यों बार-बार राज्य में हिंसा भड़क उठती है। चाहे चुनाव हो या फिर कोई धार्मिक आयोजन, राजनीतिक आंदोलन हो या फिर सामाजिक कार्यक्रम, हर वक्त बंगाल में हिंसा की आशंका बनी रहती है। जानकारों का मानना है कि यह सब कानून-व्यवस्था का मामला कतई नहीं है, बल्कि इसके पीछे जहरीली सियासत की वे चालें हैं, जिनके माध्यम से वोट बैंक तैयार किये जाते हैं। दूसरे शब्दों में इसे तुष्टिकरण भी कह सकते हैं। बंगाल को भारत का सांस्कृतिक और बौद्धिक केंद्र कहा जाता है, लेकिन हाल के दिनों में देखा गया है कि यह प्रदेश छोटी-छोटी बातों पर ही जल उठता है। बंगाल का इतना ज्वलनशील होना देश की सेहत के लिए अच्छा नहीं है, क्योंकि इसका असर देश के दूसरे हिस्सों से लेकर सीमा पार तक होता है। चिंता की बात तो यह भी है कि इन हिंसक वारदातों की जांच होती है, राज्य खुफिया विभाग से लेकर सीबीआइ तक को जांच का जिम्मा दिया जाता है, लेकिन उस जांच का परिणाम क्या होता है, यह किसी को पता ही नहीं चलता। इस तमाम पृष्ठभूमि में बंगाल की स्थिति का आकलन कर रहे हैं आजाद सिपाही के **विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह

पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही एक बार फिर राज्य के विभिन्न इलाकों से हिंसा की खबरें सामने आने लगी हैं। तीन दिन पहले नामांकन पत्र दाखिल करने की शुरुआत हुई और उसी दिन मुर्शिदाबाद जिले में कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की हत्या कर दी गयी। राज्य के दूसरे हिस्सों में भी तनाव बढ़ने की खबरें आने लगी हैं। इसके बाद एक बार फिर यह सवाल उठने लगा है कि आखिर बंगाल में चुनावों के दौरान हिंसा क्यों भड़क उठती है। केवल चुनाव ही नहीं, किसी भी धार्मिक या सामाजिक कार्यक्रम या राजनीतिक आयोजन में हिंसा की आशंका बन जाती है। यह बड़ा सवाल है कि आखिर पश्चिम बंगाल, जिसे भारत का सांस्कृतिक-बौद्धिक केंद्र कहा जाता है, इतना असहिष्णु क्यों होता जा रहा है।

ऐसा नहीं है कि बंगाल ऐसा अकेला राज्य है, जहां चुनावों से पहले और इसके दौरान हिंसा की घटनाएं होती हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार में जहां चुनावों से पहले बाहुबली गतिविधियां बढ़ जाती हैं, वहीं इन राज्यों के साथ साथ महाराष्ट्र, राजस्थान, त्रिपुरा और असम जैसे पूर्वोत्तर राज्य से चुनावी हिंसा की खबरें आती रही हैं। यहां तक कि गुजरात और केरल जैसे आमतौर पर शांत राज्यों से भी बीते वर्षों में चुनावी हिंसा की खबरें आती रही हैं। लेकिन बंगाल की बात ही कुछ अलग है। यहां कब, कहां और किस बात को लेकर हिंसा भड़क जाये, कहा नहीं जा सकता है।

क्या कहते हैं बंगाल की चुनावी हिंसा के आंकड़े

अगर पिछले सालों के आंकड़ों और चुनावी हिंसा के लंबे इतिहास को ध्यान में रखें, तो पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति को समझने में काफी हद तक मदद मिलती है। इन आंकड़ों को जानने के बाद यह कहना ज्यादा सही होगा कि बंगाल में हिंसा अब चुनावी संस्कृति का हिस्सा बन गयी है। यहां साल 2018 के पंचायत चुनावों के बाद, उसके अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान काफी हिंसा देखने को मिली थी। खासकर विधानसभा चुनाव के बाद बड़े पैमाने पर हुई हिंसा और राजनीतिक हत्याओं की घटनाओं ने तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरी थीं।

राजनीतिक हत्याओं के आंकड़े

एनसीआरबी ने 2021-22 की अपनी रिपोर्ट में कहा है कि पूरे साल के दौरान देश में होने वाली 76 राजनीतिक हत्याओं के मामलों में से 41 बंगाल से जुड़े थे। लेकिन उसी साल केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को जो एडवाइजरी भेजी थी, उसमें कहा गया था कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा में 96 हत्याएं हुई हैं और लगातार होने वाली हिंसा गंभीर चिंता का विषय है। उसके बाद एनसीआरबी ने सफाई दी थी कि उसे पश्चिम बंगाल समेत कुछ राज्यों से आंकड़ों पर स्पष्टीकरण नहीं मिला है। इसलिए उसके आंकड़ों को फाइनल नहीं माना जाना चाहिए। उस रिपोर्ट में कहा गया था कि वर्ष 1999 से 2016 के बीच पश्चिम बंगाल में हर साल औसतन 20 राजनीतिक हत्याएं हुई हैं। इनमें सबसे ज्यादा 50 हत्याएं 2009 में हुईं। उस साल अगस्त में माकपा ने एक पर्चा जारी कर दावा किया था कि दो मार्च से 21 जुलाई के बीच तृणमूल कांग्रेस ने उसके 62 कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी है।

वर्ष 1980 और 1990 के दशक में, जब बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा को कोई वजूद नहीं था, वाम मोर्चा और कांग्रेस के बीच अक्सर हिंसा होती रहती थी। 1989 में तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु की ओर विधानसभा में पेश आंकड़ों में कहा गया था कि 1988-89 के दौरान राजनीतिक हिंसा में 86 राजनीतिक कार्यकर्ताओं की मौत हो गयी है। इनमें से 34 माकपा के थे और 19 कांग्रेस के। बाकियों में वाम मोर्चा के घटक दलों के कार्यकर्ता शामिल थे।

जहां तक 2018 में हुए पंचायत चुनाव के दौरान हिंसा का सवाल है, तो केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक उस वर्ष 23 राजनीतिक हत्याएं हुई थी। एनसीआरबी ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि वर्ष 2010 से 2019 के बीच राज्य में 161 राजनीतिक हत्याएं हुईं और बंगाल इस मामले में देश भर में पहले स्थान पर रहा।

सिद्धार्थ शंकर रे से शुरू हुआ हिंसक दौर

भले ही दुनिया भर में बांग्ला समाज की छवि भले भद्रलोक वाली रही हो, चुनावों के समय यह गड्डमड्ड हो जाती है। यह राज्य देश विभाजन के बाद से ही हिंसा के लंबे दौर का गवाह रहा है। 1979 में सुंदरबन इलाके में बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों के नरसंहार को आज भी राज्य के इतिहास के सबसे काले अध्याय के तौर पर याद किया जाता है। 60 के दशक में उत्तर बंगाल के नक्सलबाड़ी से शुरू हुए नक्सल आंदोलन ने राजनीतिक हिंसा को एक नया आयाम दिया था। किसानों के शोषण के विरोध में नक्सलबाड़ी से उठने वाली आवाजों ने उस दौरान पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोरी थीं। वर्ष 1971 में सिद्धार्थ शंकर रे के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद तो राजनीतिक हत्याओं का जो दौर शुरू हुआ, उसने पहले की तमाम हिंसा को पीछे छोड़ दिया। 1977 के विधानसभा चुनावों में यही उसके पतन की भी वजह बनी। 70 के दशक में भी वोटरों को आतंकित कर अपने पाले में करने और माकपा की पकड़ मजबूत करने के लिए बंगाल में हिंसा होती रही है। वर्ष 1998 में ममता बनर्जी की ओर से टीएमसी के गठन के बाद वर्चस्व की लड़ाई ने हिंसा का नया दौर शुरू किया। उसी साल हुए पंचायत चुनावों के दौरान कई इलाकों में भारी हिंसा हुई।

माना जाता है कि बंगाल में सत्ता की राह ग्रामीण इलाकों से ही निकलती है। यही वजह है कि देश के कई राज्यों के विधानसभा चुनावों के मुकाबले पश्चिम बंगाल में होने वाले पंचायत चुनावों को ज्यादा सुर्खियां और अहमियत मिलती रही है। बंगाल में ग्रामीण इलाके शुरू से ही सत्ता की चाबी रहे हैं। वाम मोर्चा ने भूमि सुधारों और पंचायत व्यवस्था की सहायता से सत्ता के विकेंद्रीकरण के जरिये ग्रामीण इलाकों में अपनी जो पकड़ बनायी थी, उसी ने उसे यहां कोई 34 साल तक सत्ता में बनाये रखा था। 2008 के पंचायत चुनावों में ग्रामीण इलाकों में पैरों तले की जमीन खिसकते ही वर्ष 2011 में यहां वाम मोर्चा का लाल किला ढह गया था। तृणमूल कांग्रेस ने उन चुनावों में तमाम राजनीतिक पंडितों के आकलन को गलत साबित करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया था। इसके अलावा राज्य के विभिन्न इलाकों में बालू, पत्थर और कोयले के अवैध खनन और कारोबार पर वर्चस्व भी पंचायत चुनाव में होने वाली हिंसा की एक प्रमुख वजह है। यह तमाम कारोबार पंचायतों के जरिये ही नियंत्रित होते हैं। ऐसे में 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' की तर्ज पर पंचायतों पर काबू पाने के लिए तमाम राजनीतिक पार्टियां अपनी पूरी ताकत झोंक देती हैं।

जांच एजेंसियों की कार्यशैली भी कटघरे में

यदि बंगाल में हिंसा जमीनी हकीकत है, तो यहां की जांच एजेंसियों की कार्यशैली भी कम संदिग्ध नहीं है। हर हिंसा के बाद उसकी जांच की घोषणा होती है। राज्य पुलिस से लेकर खुफिया विभाग और सीबीआइ तक और यहां तक कि कई मामलों में न्यायिक और प्रशासनिक आयोग भी हिंसक वारदातों की जांच करता है, लेकिन आज तक शायद ही किसी की जांच रिपोर्ट सामने आयी है। हर जांच बीच रास्ते में कहां गुम हो जाती है, यह किसी को पता नहीं चलता है। इसका परिणाम यह होता है कि अगली वारदात और भी गंभीर रूप से सामने आती है। उदाहरण के लिए विधानसभा के पिछले चुनाव के बाद जो बड़े पैमाने पर हिंसा हुई, उसकी सीबीआइ जांच कहां तक पहुंची है, किसी को पता नहीं है।

ऐसे में अब पश्चिम बंगाल के असहिष्णु हो गये माहौल को बदलने के लिए चौतरफा प्रयास जरूरी हो गया है। कहा जाता है कि बंगाल जो आज सोचता है, बाकी देश वह कल सोचता है, तो फिर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के बौद्धिक केंद्र का इतना असहिष्णु हो जाना पूरे देश की सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकता है।

डीजीपी ने आला अधिकारियों के साथ की बैठक, कहा-

असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के डीजीपी ने सोमवार को आला अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखें और उनके खिलाफ सख्त से सख्त कदम उठायें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जो भी लंबित मामले हैं, उनका जल्द से जल्द निष्पादन हो। बैठक में सर्वप्रथम अपराध अनुसंधान विभाग, झारखंड द्वारा राज्य के वर्तमान अपराधिक परिदृश्य जिसमें राज्य में लंबित वारंट कुर्की की अद्यतन स्थिति, पुराने लंवित कांडों की अद्यतन स्थिति, पोक्सो एक्ट, हत्या, मानव तस्करी, साइबर अपराध, अवैध मादक पदार्थ, अवैध शराब अवैध उत्खनन और अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत दर्ज कांडों के संबंध में प्रस्तुति दी गयी। बैठक में डीजीपी ने झारखंड राज्य में लंवित वारंट और कुर्की के त्वरित निष्पादन करते हुए अपराध नियंत्रण के लिए संगठित

अपराधिक गिरोहों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा संगठित अपराधिक गिरोह के फरार अपराधकर्मियों को गिरफ्तार करने और उसपर अपराध नियंत्रण अधिनियम के प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।

उन्होंने पुराने लंबित कांडों और राज्य में महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराध यथा बलात्कार, पोक्सो और महिला उत्पीड़न के कांडों का त्वरित गति से निष्पादन करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में डायन प्रथा जैसे कुरूतियों को दूर करने के लिए ग्रामीणों के बीच जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। उन्होंने सर्टिफिकेट केस में निर्गत वारंट का तामिला करने, राज्य में अवैध उत्खनन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए गठित टास्क फोर्स द्वारा लगातार छापामारी करने तथा एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रतिवेदित कांडों की संख्या अफीम की खेती के विनष्टीकरण और तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई पर चर्चा की। बैठक के दौरान महानिदेशक के द्वारा साइबर अपराध पर लगाम लगाने पर चर्चा की गयी, जिसमें डायल 1930 को सुदृढ़ करने तथा उस पर आने वाले कॉल पर त्वरित कार्रवाई करने पर जोर दिया गया।

वेतन-भत्ता रोकने पर फंसे पशुपालन पदाधिकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। खूंटी जिले के पशुचिकित्सकों एवं कर्मचारियों का वेतन भत्ता रोकने व अवैध वसूली के आरोप में खूंटी के तत्कालीन अवर प्रमंडल पशुपालन पदाधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह से स्पष्टीकरण पूछा गया है। जितेंद्र सिंह अभी निलंबित हैं, उनके ऊपर जिला पशुपालन पदाधिकारी खूंटी व क्षेत्रीय निदेशक पशुपालन दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र से कार्रवाई की अनुशंसा की गयी है। चार-चार माह तक का वेतन रोकने का आरोप इन पर लगा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्हें पहले ही निलंबित किया गया है और पूरे मामले पर कृषि और पशुपालन विभाग द्वारा जांच करायी जा रही है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी। बताते चलें कि जितेंद्र कुमार सिंह पर वेतन भुगतान के लिए पशुचिकित्सकों और कर्मचारियों से अवैध राशि की वसूली करने, वित्तीय शक्ति का दुरुपयोग करते हुए पशुचिकित्सकों और कर्मचारियों के वेतन भुगतान पर रोक लगाने का आरोप है।

रोड रोलर में अपराधियों ने आगजनी की

रांची (आजाद सिपाही)। रांची-मुरी सड़क निर्माण कार्य में लगी जय माता दी कंस्ट्रक्शन कंपनी के रोड रोलर को अज्ञात अपराधियों ने जला दिया। यह मामला जिले के अनगड़ा थाना क्षेत्र के जोन्हा के जरवाडीह गांव का है। रोड रोलर के अलावा गांव की पेयजल टंकी, सोलर प्लेट और बिजली के तार भी पूरी तरह से जल गये, जिसकी वजह से जरवाडीह गांव में पेयजल और बिजली आपूर्ति ठप हो गयी है। ग्रामीणों के एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बताया जाता है कि सोमवार की सुबह सोसो गांव की ओर से एक बाइक पर सवार होकर दो युवक कंपनी के साइट पर पहुंचे। रोड रोलर को स्टार्ट कर आगे पीछे किया। इसके बाद डीजल डाल कर आग लगा दी। घटना की जानकारी मिलते ही अनगड़ा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की।

चंदवा में शीघ्र अंचलाधिकारी की पोस्टिंग हो: प्रतुल शाहदेव

पोस्टिंग नहीं हुई तो क्रमबद्ध आंदोलन की शुरुआत होगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने चंदवा में अविलंब अंचलाधिकारी की पोस्टिंग की मांग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की है। प्रतुल ने ट्वीट कर मुख्यमंत्री को याद दिलाया कि चंदवा में पिछले पौने दो वर्षों से अंचलाधिकारी की पोस्टिंग नहीं हुई है। यहां दो नये बड़े कोल ब्लॉक को खोलना है। मुआवजे की राशि का भी भुगतान होना है। दर्जनों जगह पर बड़े भूमि विवाद हैं। प्रतुल ने अपने 2 अप्रैल के

ट्वीट को रिट्वीट करते मुख्यमंत्री को याद दिलाया कि यह मांग उन्होंने पहले भी की थी। प्रतुल ने कहा कि चंदवा की जनता भी चाहती है कि अविलंब पूर्णकालिक अंचलाधिकारी की पोस्टिंग हो। प्रतुल ने कहा कि यदि अति शीघ्र अंचलाधिकारी की पोस्टिंग चंदवा में नहीं हुई तो क्रमबद्ध आंदोलन की शुरुआत होगी। सबसे पहले अंचल कार्यालय, चंदवा के सामने धरना फिर डीसी कार्यालय, लातेहार का घेराव। उसके बाद प्रोजेक्ट बिल्डिंग, रांची के सामने भी प्रदर्शन होगा।

प्रतुल ने बताया कि तिथियों की घोषणा जनता के साथ गहन-विचार विमर्श करके शीघ्र किया जायेगा। प्रतुल ने मुख्यमंत्री से पुनः आग्रह किया कि अगर चंदवा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में पूर्णकालिक अंचलाधिकारी की पोस्टिंग नहीं होती है तो सरकार को एक और प्रजातांत्रिक आंदोलन को झेलने के लिए तैयार रहना होगा।

झारखंड ने पहले मैच में ही गोवा को 18-0 से दी मात

रांची (आजाद सिपाही)। 13वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप का आयोजन सोमवार 12 जून से ओड़िशा के राउरकेला में शुरू हो गया है। चैंपियनशिप के पहले दिन झारखंड और गोवा के बीच मुकाबला हुआ। झारखंड ने अपने पहले ही मैच में गोवा को 18-0 से पराजित कर दिया। झारखंड टीम से दीपक सोरेंग ने 4 गोल, आतिश डोडराय और जोसेफ टोपनो 3-3 गोल, शेट टोपनो और सुखनाथ गुड़िया ने 2-2 गोल और सिमोन बोदरा, नवीन केरकेट्टा, अभिषेक तिग्गा और जय मसीह तुडी ने 1-1 गोल किये। इस मैच में झारखंड टीम के जोसेफ टोपनो को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No.1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	39.4 °C	28.0 °C
सूर्यास्त (आज)	:	18.35 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.03 बजे

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 13 जून, 2023
www.azadsipahi.in

महाजनसंपर्क अभियान : लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र में सम्मेलन

केंद्र की योजनाओं का लाभ लोगों को मिले यही भाजपा का मुख्य उद्देश्य है : बाबूलाल

लिट्टीपाड़ा में 217 करोड़ की पेयजल योजना झामुमो की सरकार में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी

कार्तिक कुमार

पाकुड़ (आजाद सिपाही)। भाजपा के महाजनसंपर्क अभियान के तहत सोमवार को लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के संयुक्त मोर्चा सम्मेलन में भाग लेने भाजपा विधानसभा के विरोधी दल के नेता सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी लिट्टीपाड़ा पहुंचे। लिट्टीपाड़ा के गोंडा गांव में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री मरांडी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नौ वर्ष का विकास का काम आम जनता तक पहुंचाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत का विकास तेजी से हो रहा है। केंद्र सरकार देश के गरीबों की गरीबी को दूर करने के लिए लगातार काम कर रही है और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को लाभ दिलाना भाजपा का मूल कर्तव्य है। वहीं उन्होंने कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार में लिट्टीपाड़ा के ग्रामीणों को घर-घर तक नल-जल योजना के तहत 217 करोड़ की योजना की शुरूआत की गयी थी। लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा के सरकार बनते ही यह महत्वाकांक्षी योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयी। चार साल बीतने के बाद भी यह पेय जल योजना लोगों तक नहीं पहुंच पायी। यहां अवैध कोयला, बालू, पत्थर और जमीन की लूट की जा रही है। अब तक कई लुटेरे जेल जा चुके हैं और कई जेल जाने की कतार में हैं।

वहीं बाबूलाल ने कहा कि झामुमो राज्य में अपराधियों को संरक्षण दे रही है आज राज्य के अंदर हर दिन हत्या, लूट, अपहरण जैसी कई घटनाएं घट रही हैं। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं से आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित कराने के लिए दमखम से जमीनी स्तर पर काम करने की अपील की।

कार्यक्रम में राजमहल के विधायक अनंत ओझा, राजमहल लोकसभा प्रभारी बबलू भगत, भाजपा नेता दानियल किस्कू, सत्य शिक्षानंद मुर्मू, जिला अध्यक्ष अमृत पांडे, अनिता मुर्मू, किस्टू सोरेन, जयंत मंडल सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

सीसीएल अध्यक्ष ने सीएम से की मुलाकात

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सोमवार को रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक पीएम प्रसाद ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को द अन्र्ड लाइफ पुस्तक भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पीएम प्रसाद को कोल इंडिया का चेयरमैन नियुक्त किये जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

झारखंड में गोधन न्याय योजना शुरू

किसानों से दो रुपये किलो गोबर खरीदेगी हेमंत सरकार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कृषि मंत्री बादल ने सोमवार को हेसाग स्थित पशुपालन विभाग के सभागार में राज्य गोधन न्याय योजना का लोकार्पण किया। उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों से आये प्रगतिशील किसानों और दुग्ध उत्पादकों को संबोधित किया। कहा कि राज्य में गोवंश के गोबर से हम जैविक कृषि के क्षेत्र में झारखंड की पहचान बना सकते हैं। आज हम केमिकल फर्टिलाइजर पर आश्रित हैं, जो हमारे स्वास्थ्य पर गहरा असर छोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के पांच जिलों से गोधन न्याय योजना की शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हो रही है। इस प्रोजेक्ट की सफलता की समीक्षा के उपरांत पूरे राज्य में इसे चलाने की योजना बनायेंगे। बादल ने कहा कि राज्य में ज्यादा से ज्यादा जैविक खाद का उपयोग हो, हमारे उत्पादों को जैविक की मान्यता मिले, इसके लिए एजेंसी और सेंटर बनाने की तैयारी सरकार कर रही है।

वर्मी कंपोस्ट के लिए 10 करोड़ के बजट का प्रावधान किया है। अगर यह सफल रहा, तो 100 करोड़ की योजना भी बनायी जायेगी। इस योजना के तहत राज्य के किसानों को आठ रुपये किलो वर्मी कंपोस्ट उनके इलाके में ही उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही गोपालकों से दो रुपये किलो गोबर सरकार लेगी और प्रसंस्करण के बाद किसानों को वर्मी कंपोस्ट के रूप में उपलब्ध करायेगी। इस योजना का उद्देश्य झारखंड राज्य में उपलब्ध गोवंश के द्वारा उत्सर्जित गोबर का उपयोग वर्मी कंपोस्ट तैयार करते हुए कृषक की रासायनिक खादों पर निर्भरता को कम करने और कृषकों की आय में वृद्धि करना है। इस अवसर पर मुख्य रूप से कृषि निदेशक चंदन कुमार, उद्यान निदेशक, सीइओ ओफाज महालिंगा शिवाजी, निदेशक हॉर्टिकल्चर नेसार अहमद, संयुक्त निदेशक शशिभूषण अग्रवाल, रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी भविष्यानंद जी सहित जिला कृषि पदाधिकारी समेत बड़ी संख्या में कृषक और कृषक मित्र उपस्थित थे।

रेल राज्यमंत्री राव साहेब पाटिल दानवे पाकुड़ पहुंचे

राजमहल लोकसभा सीट पर भाजपा की जीत के लिए कार्यकर्ताओं को दिये टिप्स

आजाद सिपाही संवाददाता

पाकुड़। रेल राज्यमंत्री राव साहेब पाटिल अपनी सैलून से सुबह 6 बजे पाकुड़ रेलवे स्टेशन पहुंचे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें पहुंचने पर बुके और फूल माला से स्वागत किया।

भाजपा नेता बबलू भगत, हिसाबी राय, राणा शुक्ला, मिट्ठू भगत, जिला अध्यक्ष अमृत पांडे, शर्मिला रजक सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने मंत्री का स्वागत कर उन्हें पाकुड़ परिसदन में लेकर आये। परिसदन में कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात के बाद रेल राज्यमंत्री राव साहेब पाकुड़ के स्थानीय होटल में कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आगामी लोकसभा के चुनाव में राजमहल सीट पर भाजपा की जीत सुनिश्चित कराने के लिए कार्यकर्ताओं को टिप्स दी और साथ ही कहा कि भाजपा इस बार राजमहल लोकसभा सीट पर जीत हासिल करेगी और हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की जिम्मेवारी दी जायेगी।

उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां एकजुट होने का नाटक कर रही हैं, लेकिन भाजपा के आगे कोई नहीं टिकेगा। कार्यकर्ताओं को राजमहल के विधायक अनंत ओझा ने लोकसभा के चुनाव में अभी से ही तैयारी में जुट जाने का आह्वान किया। कार्यकर्ताओं को कहा कि जी तोड़ मेहनत कर इस बार भाजपा का परचम राजमहल लोकसभा सीट पर दिखेगा। बैठक में राजमहल लोकसभा प्रभारी बबलू भगत, कार्यसमिति सदस्य पाकुड़ विधानसभा संयोजिका मीरा प्रवीण सिंह, प्रदेश मंत्री शर्मिला रजक, शीला रानी हेंब्रम, किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश शुक्ला और अनंत तिवारी, अनुग्रहित साह, कमल भगत, विवेकानंद तिवारी, हिसाबी रॉय, मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह सहित सभी मंडल अध्यक्ष मौजूद थे। वहीं मंच का संचालन दिलीप सिंह और धन्यवाद ज्ञापन नगर अध्यक्ष पंकज कुमार साह ने किया।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष दैनिक कार्य अव्यवस्थित रहेगा, नौकरी-व्यापार में अवरोध, विविध उलझनों का सामना होगा।

वृष रोजी-रोजगार में सफलता मिलेगी, किसी खास व्यक्ति के सहयोग से महत्वपूर्ण काम बनेगा।

मिथुन परिस्थिति में सुधार होगा, बकाये रकम की प्राप्ति होगी, वस्त्र-आभूषण की प्राप्ति होगी।

कर्क कर्मक्षेत्र में यशस्वी कार्य करने का अवसर मिलेगा, महत्वकांक्षा पूरी होगी।

सिंह रुका हुआ काम पूरा होगा, हर्षदायक समाचारों की प्राप्ति होगी, दुर्घटना की आशंका।

कन्या महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा, आर्थिक लाभ, घर-गृहस्थी में सुख-शांति का वातावरण रहेगा।

तुला परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होगा, स्वजन-मित्रों का सहयोग।

वृश्चिक संतान पक्ष से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी, व्यवसाय की स्थिति में सुधार।

धनु इच्छित कार्य सफल होगा, महत्वपूर्ण समाचारों की प्राप्ति होगी, विरोधियों पर विजय।

मकर आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, घर-गृहस्थी में सुख-शांति का वातावरण बनेगा।

कुंभ स्वास्थ्य बाधा, दिमागी तनाव, परिश्रम-प्रयत्न से आवश्यक काम पूरा होगा।

मीन आयु-आरोग्य की रक्षा होगी, श्रेष्ठजनों के सहयोग से रोजी-रोजगार में उन्नति होगी।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.com

रांची सिविल कोर्ट में विशेष मध्यस्थता अभियान, पहले दिन 41 मामले निष्पादित

रांची। झालसा के निर्देश पर रांची सिविल कोर्ट में पारिवारिक मामलों के निष्पादन के लिए विशेष मध्यस्थता अभियान की शुरुआत की गयी। यह अभियान 16 जून तक चलेगा। सोमवार को अभियान की शुरुआत फैमिली कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ऋषिकेश कुमार ने की। इस दौरान सिविल कोर्ट के अन्य न्यायिक पदाधिकारी और बार के अध्यक्ष शंभू अग्रवाल और महासचिव संजय विद्रोही भी मौजूद रहे। फैमिली कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ऋषिकेश कुमार ने मध्यस्थों और अधिवक्ताओं से कहा कि आपसी तालमेल व मध्यस्थता के माध्यम से अधिक से अधिक वादों को सुलझायें, ताकि न्यायालय में लंबित वादों को कम किया जा सके। पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान के पहले दिन कुल 41 मामलों को सफलतापूर्वक निपटाते हुए निष्पादित कर दिया गया।

राजभवन में विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव के साथ समीक्षा बैठक

विश्वविद्यालयों को विजन, मिशन और लक्ष्य के साथ कार्य करना चाहिए: सीपी राधाकृष्णन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल सह कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को कहा कि सिर्फ डिग्री प्रदान करने से कुछ नहीं होगा, विश्वविद्यालयों को विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए सोचना होगा। उन्हें अध्ययन के बाद कैसे रोजगार प्राप्त हो, इस दिशा में कार्य करना होगा। विश्वविद्यालयों के पास सही कार्ययोजना होनी चाहिए। विश्वविद्यालयों को विजन, मिशन और लक्ष्य के साथ कार्य करना चाहिए। हमें वक्त की माग को समझना चाहिए।

राज्यपाल राजभवन में राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव के साथ विश्वविद्यालय शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी, राज्यपाल के शैक्षणिक सलाहकार प्री- ई बालागुरुस्वामी समेत राज्य में स्थित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव उपस्थित थे। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय को व्यावहारिक रूप से प्रगति करने की दिशा में प्रयास करना चाहिए, उन्हें बेहतर पाठ्यक्रम को अपनाना चाहिए, साथ ही रोजगारपरक पाठ्यक्रम को प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रयास करने की दिशा में ध्यान देने के लिए कहा। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय एक नये मिशन के साथ कार्य करें, विश्वविद्यालयों में जीरो भ्रष्टाचार, जीरो ड्रग्स और जीरो रिकोमेंडेशन होना चाहिए। उनका प्रदर्शन उत्कृष्ट होना चाहिए, उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में अनुशासन का वातावरण होना चाहिए। कहा कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम है। सभी विश्वविद्यालयों को बेहतर मानक को अपनाना चाहिए। विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान होना चाहिए तथा उनके प्लेसमेंट पर ध्यान दिया जाये। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय को खेलकूद समेत विभिन्न गतिविधियों के अवसर पर उपायुक्त, आरक्षी अधीक्षक को आमंत्रित करना चाहिए। उन्हें जिला प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करना चाहिए। साथ ही विश्वविद्यालय ऐसे सफल उद्योगपतियों और प्रख्यात हस्तियों को आमंत्रित करें, जिससे विद्यार्थियों में प्रेरणा का संचार हो और उनसे हमारे विद्यार्थियों को लाभ हो। उन्होंने कहा कि हमें विश्वविद्यालय को ऊपर उठाने का प्रयास करना चाहिए। आप सफलता हासिल करते हैं तो विद्यार्थी सफलता हासिल करते हैं। उन्होंने समीक्षा के क्रम में झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बहुत कम कैंपस सेलेक्शन पर नाराजगी प्रकट की। उन्होंने चिकित्सा महाविद्यालय के संदर्भ में चर्चा करते हुए इनकी आधारभूत संरचना विकसित करने और अन्य आवश्यताओं की दिशा में ध्यान देने की बात कही, ताकि सीटों की संख्या में वृद्धि हो सके। बैठक में विश्वविद्यालय में काउंसिलिंग सेंटर स्थापना के संदर्भ में चर्चा की गयी, ताकि शिक्षण संस्थानों में पढ़नेवाले विद्यार्थी अपनी भावनाओं से अवगत करा सकें।

भारत सरकार के प्रतिनिधिमंडल के साथ संजय सेठ ब्राजील गये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रविवार को भारत सरकार के प्रतिनिधिमंडल के साथ सांसद संजय सेठ ब्राजील गये। संसदीय कार्य मंत्री पहलाद जोशी के नेतृत्व में देश भर से 10 सांसदों और अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल ब्राजील और उरूग्वे पहुंचा है। यहां कई बैठकें होंगी। वहीं इस दौरान भारत ब्राजील और उरुग्वे के बीच

व्यावसायिक संबंध, राजनयिक संबंध सहित कई ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर भारत का प्रतिनिधि मंडल बातचीत करेगा।

आरपीएफ को बैग में मिले 3.52 लाख रुपये, उसके मालिक को लौटाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

हटिया रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ को पैसों से भरा एक बैग मिला था

रांची। हटिया रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ को ऑपरेशन अमानत के तहत पैसों से भरा एक बैग लावारिस हालत में मिला। जिसकी जांच करने पर 3,52,000 कैश, कलाई घड़ी, दस्तावेज आदि थे। जिसका कुल मूल्य करीब 3,58,000 रुपये थे, उसे उसके सही मालिक के हवाले कर दिया गया। इस पहल के बाद आरपीएफ की ईमानदारी व कार्यप्रणाली को लेकर सराहना की जा रही है। टीम में जिन्हें बैग मिला उनमें एएसआइ एसके जयसवाल, एलसी सोमा हलधर, एलसी कजली विश्वास शामिल हैं। आरपीएफ के अनुसार रविवार को करीब दिन के दो बजे डीएससीएनएल रांची के माध्यम से ट्रेन संख्या 17321 (वास्को द गामा-जसीडीह) एक्सप्रेस के एक यात्री का बैग छूटा था। सूचना मिलने पर यात्री से मोबाइल नंबर पर पूछताछ की गयी तो पता चला कि उसका बैग उक्त कोच में छूट गया है और बैग का असली मालिक वही है। जिसका नाम व पता मो. गफ्फार खान, पुत्र मो सुल्तान, निवासी रामपुर जिला-सुंदरगढ़ (ओड़िशा) बताया गया। गफ्फार खान वास्को-द-गामा से राउरकेला जा रहे थे और हटिया रेलवे स्टेशन में खड़ी ट्रेन में ही बैग छूटा पाया गया।

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 13 जून, 2023
www.azadsipahi.in
04

कोडरमा-हजारीबाग और बरकाकाना में हुआ 'वंदे भारत एक्सप्रेस' का इस्तकबाल

आजाद सिपाही टीम

कोडरमा/हजारीबाग/बरकाकाना। भारतीय रेल का गौरव और सेमी हाइ स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस का पटना-रांची के बीच ट्रायल रन सोमवार को सफलतापूर्वक पूरा हो गया। सुबह 6.55 बजे पटना जंक्शन से रवाना हुई अत्याधुनिक सुविधाओं और तकनीक से लैस इस ट्रेन का झारखंड के विभिन्न स्टेशनों पर करतल ध्वनि से स्वागत किया गया। बिहार में गया के बाद यह ट्रेन झारखंड में कोडरमा, हजारीबाग और बरकाकाना स्टेशनों से गुजरी। वंदे भारत का यह ट्रायल रन नियमित परिचालन के पूर्व संरक्षा जांच आदि के लिए पूर्णतया परिचालनिक प्रायोगिक उद्देश्य से किया गया।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश लगातार प्रगति कर रहा है : जयंत सिन्हा

इस ट्रेन से हजारीबाग पहुंचे सांसद जयंत सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार प्रगति के पथ पर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने इस ट्रेन की यात्रा को बेहद सुखद बताया। पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय ने कहा कि इस ट्रेन के चलने से लोगों को काफी सुविधा होगी। यह भाजपा और केंद्र सरकार की दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है। विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि अब जल्द ही इस ट्रेन का नियमित संचालन भी होगा।

सरकार की संयुक्त सहभागिता का परिणाम है रेल परियोजना: अंबा

लंबे समय से आम लोगों की मांग पर पटना-रांची-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस का सफल ट्रायल रन झारखंड राज्य के लिए ऐतिहासिक पल है। यह बात बरकाकाना जंक्शन पर वंदे भारत एक्सप्रेस के पहुंचने पर बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद ने कही।

ट्रायल रन के दौरान रास्ते में एक झलक पाने को उमड़े लोग

सुबह 9.25 बजे पहुंची कोडरमा

पटना से रवाना हुई वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 9.25 बजे कोडरमा पहुंची। वहां पांच मिनट रुकने के बाद साढ़े नौ बजे आगे के सफर पर रवाना हुई। कोडरमा स्टेशन पर हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा भी मौजूद थे, जो उसी ट्रेन से रांची चले गये। ट्रेन में आम यात्रियों को प्रवेश की अनुमति नहीं थी। इस ट्रेन को देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था।

एक घंटे बाद 10.30 बजे पहुंची हजारीबाग

कोडरमा से रवाना होने के महज एक घंटे बाद वंदे भारत एक्सप्रेस हजारीबाग स्टेशन पहुंची, जहां पहले से मौजूद लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ इसका स्वागत किया। कुल आठ बोगियों वाली सफेद रंग की इस ट्रेन की एक झलक पाने के लिए हजारों की भीड़ स्टेशन पर उमड़ पड़ी थी। ट्रेन पहुंचने के साथ ही 'भारत माता की जय' और 'नरेंद्र मोदी जिंदाबाद' के नारों से स्टेशन गूंज उठा।

कुजू रेलवे स्टेशन से गुजरी वंदे भारत

पटना-रांची वंदे भारत ट्रेन अपने ट्रायल रन के क्रम में सुबह 11 बजकर 13 मिनट पर कुजू रेलवे स्टेशन से गुजरी। कुजू रेलवे स्टेशन प्रबंधक शैलेंद्र कुमार ने हरी झंडी दिखायी। इस बहुप्रतीक्षित दृश्य को देखने के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग प्लेटफॉर्म पर मौजूद रहे। वहां लोगों ने कुजू में इस ट्रेन के ठहराव की मांग की। वापसी यात्रा के क्रम में यह ट्रेन दोपहर 3.48 बजे कुजू स्टेशन से गुजरी।

11.30 बजे पहुंची बरकाकाना

हजारीबाग से रवाना होने के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस 11.30 बजे बरकाकाना स्टेशन पहुंची। वहां विधायक अंबा प्रसाद और रेलकर्मियों के साथ बड़ी संख्या में आम लोग ट्रेन का स्वागत करने खड़े थे। करीब पांच मिनट रुकने के बाद ट्रेन आगे के सफर पर रवाना हो गयी। प्लेटफॉर्म पर मौजूद लोग इस नयी ट्रेन के साथ सेल्फी ले रहे थे, तो कुछ लोग इसके अंदर जाने की कोशिश करते दिखे। सुरक्षा बलों ने किसी को भी ट्रेन के अंदर जाने की इजाजत नही दी।

कोडरमा-रांची नयी रेल लाइन से घटेगी दूरी, लोगों को होगा लाभ

कोडरमा (आजाद सिपाही)। धनबाद रेल मंडल अब रांची रेल मंडल से सीधे जुड़ रहा है। अभी कोडरमा से रांची की दूरी 240 किलोमीटर है। कोडरमा से पारसनाथ, गोमो, चंदपुरा, मुरी होते हुए रांची जाना पड़ता है, लेकिन अब कोडरमा, हजारीबाग टाउन, बरकाकाना रेल लाइन से दो सौ किलोमीटर की दूरी होगी। अभी बरकाकाना से रांची 120 किलोमीटर है। नयी रेल लाइन बनने के बाद इसकी दूरी लगभग 63 किलोमीटर कम हो गयी है। रांची जाने का यह चौथा विकल्प होगा। यह जानकारी पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर के सीपीआरओ के बिरेंद्र कुमार ने दी। कोडरमा-रांची रेल मार्ग चौथा विकल्प होगा। उन्होंने बताया कि यह मार्ग यात्रियों के लिए खास होगा। नयी रेल लाइन अन्य अवसर भी प्रदान करेगा। यह घाटियों से होकर गुजरेगी और आसपास का जंगल पर्यटकों के लिए खास होगा।

उन्होंने ट्रेन पर सवार हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा को मिठाई खिलाकर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह महत्वाकांक्षी रेल परियोजना राज्य और केंद्र सरकार की सहभागिता से पूरा किया गया है। राज्य सरकार ने रेल परियोजना के निर्माण में केंद्र से ज्यादा पैसा लगाया है। साथ ही कानून व्यवस्था, भूमि अधिग्रहण तथा वन क्षेत्र के एनओसी आदि में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। मौके पर सांसद प्रतिनिधि रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबा, राजू चतुर्वेदी, अमरेश सिंह, जगतार सिंह, भोला सिंह कुशवाहा, संतन सिंह, सागर दांगी, पंचम महतो, विधायक प्रतिनिधि कृष्णा सिंह, अंजन प्रसाद सहित दर्जनों भाजपाई और कांग्रेसी मौजूद थे।

राज्यपाल मंगलवार को मरकच्चो के ओरकोसा आयेंगे

मरकच्चो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के स्वालम्बी ग्राम ओरकोसा पुनर्वास में राज्यपाल का कार्यक्रम मंगलवार को है जिसकी तैयारी तैयारी जोरों पर है। मंगलवार को मरकच्चो प्रखंड के उत्तरी पंचायत स्थित ग्राम ओरकोसा पुनर्वास में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के आगमन को लेकर सोमवार को उपायुक्त कोडरमा आदित्य रंजन व पुलिस कप्तान कुमार गौरव ने अधिकारियों के साथ स्वालम्बी ग्राम पुनर्वास का जायजा लिया। साथ ही कार्यक्रम को लेकर मन्त्रणा भी की। राज्यपाल के कार्यक्रम को देखते हुए जिला प्रशासन व प्रखण्ड प्रशासन के द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई है। राज्यपाल स्वावलंबी गांव ग्राम ओरकोसा पहुंचकर पंचखेरो जलाशय का जायजा लेंगे साथ ही स्वावलंबी ग्राम ओरकोसा पुनर्वास के ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद भी करेंगे।

भीषण गर्मी से तप रही जमीन

कोडरमा (आजाद सिपाही)। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी से जमीन तप रही है। वहीं लू चलने के कारण आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। सोमवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री व न्यूनतम तापमान 30 डिग्री रहा। फिलहाल मौसम में कोई बदलाव होने की संभावना नहीं है। दो-चार दिनों में और भी भीषण गर्मी पड़ने की उम्मीद है। भीषण गर्मी के कारण लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। गर्म हवा व तेज धूप के बीच दोपहर बाद बाजार व सड़कों पर वीराना छा जाता है और अधिकांश लोग घरों में ही दुबके रहने को मजबूर हैं। प्रचंड गर्मी के कारण मजदूर व व्यवसायी के साथ-साथ दैनिक मजदूरों के समक्ष तीखी धूप व गर्म हवा कहर बनकर सता रही है। कड़ी धूप के कारण दोपहर में शहर के अलावा विभिन्न मार्गों का दृश्य सुनसान जैसा दिखता है। भीषण गर्मी में लोग बिना जरूरी काम के बाजार नहीं निकल रहे हैं। जिनको बहुत ज्यादा आवश्यकता है वही घर से दोपहर में निकलना पसंद करते हैं। जबकि सुबह 9 बजे के बाद से लोग घरों में ही रहना जायदा बेहतर समझ रहे हैं। दोपहर में चल रहीं गर्म हवा व लू के कारण लोगों का मुंह व गला सूख रहा हैं, जिसे तरल करने के लिए गन्ना, लस्सी व तरल पदार्थ का सेवन करते लोग देखे जा रहे हैं। गर्मी से राहत लेने के लिए लोग का गन्ना, सत्तू, लस्सी की दुकानों में भीड़ रहती है। वही आइसक्रीम व ठंडे पेयजल पदार्थों से भी गर्मी से लोग राहत पाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रचंड गर्मी से बचने के लिए लोग छाता व तौलिया सहित अन्य कपड़ों से सर व मुंह ढक कर सड़क पर चल रहे हैं। लोड सेडिंग व विद्युत कार्य के लिए घंटों विद्युत आपूर्ति बाधित रहने से भी लोगों को गर्मी में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।तापमान 42 डिग्री के बीच जाने से एसी व कूलर भी बेहतर ढंग से काम नहीं कर रहा है। कूलर व पंखे से निकल रही गर्म हवा से लोगों का जीना मुहाल हो गया है।

रोटरी की जोनल मीटिंग में राष्ट्र निर्माण पर बल

झुमरीतिलैया (आजाद सिपाही)। रामेश्वरम होटल में रोटरी क्लब ऑफ कोडरमा के द्वारा एक जोनल मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें जोन 12 से झारखंड, बिहार के रोटरी के पदाधिकारी अध्यक्ष सेक्रेटरी सदस्य शामिल हुए। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन एसपी बगड़िया ज्वाइंट सेक्रेट्री पीयूष मुसद्दी गिरिडीह मौजूद थे। मंच संचालन रोटेरियन कुमार पुजारा ने किया। बाहर से आए सभी रोटेरियन को कोडरमा रोटरी के पदाधिकारी सदस्यों ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मंडल अध्यक्ष एसपी बगड़िया ने कहा कि रोटरी राष्ट्र निर्माण और जरूरतमंदों की सेवा के लिए हमेशा कार्य करती है। रोटेरियन कुमार पुजारा ने कहा कि हमें रोटेरियन होने पर गर्व है। समाज सेवा में अधिक से अधिक कार्य सभी रोटेरियन करें इसलिए ही यह जोनल मीटिंग बुलाई गई है। धन्यवाद ज्ञापन अजय अग्रवाल ने दिया। मौके पर नवादा, बिहारशरीफ, तथागत, नालंदा, शेखपुरा, राजगीर, गिरिडीह, कोडरमा रोटरी के अध्यक्ष, सेक्रेटरी सदस्यों ने शिरकत किया।

फुरुका में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

इचाक (आजाद सिपाही)। विश्व बाल श्रम उन्मूलन दिवस के अवसर पर महिला मुक्ति संस्था द्वारा फुरुका विद्यालय प्रांगन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंगुरा पंचायत की मुखिया मीना देवी ने कहा की बाल श्रम बच्चो से मजदूरी व बंधुआ मजदूरी करवाना कानूनन अपराध है। हम सभी समाज के लोगों का और सरकार की जिम्मेवारी है की बच्चे खुशहाल रहे और अभिभावक उनसे मजदूरी नहीं कराकर उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरित करें और शिक्षित बनायें। विश्व बाल श्रम उन्मूलन के अवसर पर एम आर सी कार्यक्रम की जन साथी फेसिलिटेटर जरीना खातून ने बाल श्रम के विभिन्न कानूनों की जानकारी दिया। साथ ही सभी को शपथ दिलाया की हम बच्चो की शिक्षा को प्राथमिकता देगे। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे आसपास के सभी बच्चे स्कूल जा पाये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फील्ड ऑफिसर सत्येंद्र यादव ने उपस्थित बच्चों और अभिभावक से कहा कि खाना आधा खाएं लेकिन बच्चों को जरुर पढ़ायें। इस अवसर बच्चो के द्वारा कइ श्रम कानून से जुड़े खेल के माध्यम से जागरूक किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एम आर सी कार्यक्रम से प्रेमा कुजूर, रोहित कुमार, गिरजा देवी, सुषमा देवी, पार्वती देवी, और महेश वैद्य शामिल रहे ।

पर्याप्त मात्रा में पेयजल और बिजली आपूर्ति करें : हफीजुल हसन

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। सोमवार को समाहरणालय सभागार में अल्पसंख्यक कल्याण व निबंधन मंत्री हफीजुल हसन की अध्यक्षता में बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक हुई। बैठक में मंत्री ने विभिन्न विभागों में संचालित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने मनरेगा अंतर्गत संचालित योजनाएं टीसीबी, डोभा, फील्ड बंड आदि योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने पथ व ग्रामीण कार्य विभाग अंतर्गत योजनाओं यथा सड़क निर्माण कार्य की जानकारी ली और कहा कि योजनाओं को यथाशीघ्र पूरा करें। इस शिकायत पर

कि जिले में योजनाओं का उद्घाटन शिलान्यास अधिकारी खुद कर रहे हैं, मंत्री ने जनप्रतिनिधियों द्वारा ही योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने का निर्देश दिया। साथ ही कल्याण विभाग को कब्रिस्तान के चारदीवारी के साथ साथ सौंदर्यीकरण की योजनाओं को लेने को कहा। उन्होंने कहा कि इस भीषण गर्मी में पेयजल आपूर्ति पर्याप्त से हो, ख़्याल रखेंगे। साथ ही बिजली संकट को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। मंत्री ने खनन विभाग की समीक्षा करते हुए कोडरमा जिला में लीजधारक की जानकारी ली। उन्होंने चालान काटने से संबंधित आवश्यक दिशानिर्देश दिये। पर्यटन से संबंधित विकास को लेकर प्रस्ताव देने का बात कही। आउटसोर्सिंग के तहत बहाली को लेकर 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देने की बात कही। बैठक में विधायक अमित यादव, विधायक उमाशंकर अकेला यादव, विधायक कोडरमा डॉ नीरा यादव, उपायुक्त आदित्य रंजन, वन प्रमंडल पदाधिकारी सूरज कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त ऋतुराज, अपर समाहर्ता अनिल तिर्की, सभी जिला बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के सदस्य समेत जिला स्तरीय पदाधिकारी व अन्य मौजूद रहे।

मुखिया ने 25 चापाकलों की मरम्मत करायी

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव मध्य पंचायत मे पानी की समस्या को दूर करने के लिए 25 चापाकलों मुखिया फंड से मुखिया मोहम्मद तकरीमुला खान, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि संजय कुमार रवि के नेतृत्व में खराब चापाकलो की मरम्मत करायी। मुखिया तकरीमूलाह खान ने बताया कि बड़कागांव का मध्य पंचायत में पानी की समस्या के कारण लोगों को खाना बनाने में स्नान करने में कपड़ा धोने मे परेशानी हो रही थी। जिसमें से आदर्श मध्य विद्यालय में 2 चापाकल, अंबेडकर मोहल्ला में दशरथ राम के घर के पास एक चापाकल, टिकन भुइया के घर के पास एक चापाकल, ठाकुर मोहल्ला में महावीर मंदिर के पास

एक चापाकल, कुलदीप ठाकुर के घर के पास एक चापाकल, आंगनबाड़ी केंद्र के पास दो चापाकल, पीपल नदी के पास एक चापाकल, पीपल नदी के किनारे आंगनबाड़ी केंद्र के पास एक चापाकल, राय मोहल्ला मे कल्लू खलीफा के घर के पास एक चापाकल, रोशन ठाकुर के घर के पास दो चापाकल, संदीप ठाकुर के घर के पास एक चापाकल, चंद्र देव ठाकुर के घर के पास एक चापाकल, ठाकुर मोहल्ला के भुइया टोली मे मंडप के सामने एक चापाकल, भुइया टोली स्कूल के पास एक चापाकल, तारा देवी के घर के पास एक चापाकल, संतोष हर घर के पास एक चापाकल, मुस्लिम मोहल्ला में मो जिलानी के घर के पास एक चापाकल,राणा मोहल्ला में राजू राणा के घर के पास एक चापाकल, अंसारी मोहल्ला में निजाम मियां के घर के पास एक चप्पल, मस्जिद टोला में लाल देव पासवान के घर के पास एक चापाकल, पंचायत भवन के पीछे तुलसी राणा के घर के पास एक चापाकल, रंजीत ठाकुर के घर के पास एक चापाकल मरम्मती की गयी है। बाकी खराब पड़े चापाकलको भी बनाया जायेगा।

जर्जर सड़क को लेकर सांसद को सौंपा आवेदन

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। हजारीबाग सांसद सह अध्यक्ष वित्त संबंधी संसदीय स्थाई समिति जयंत सिन्हा के रविवार को तलसवार पंचायत में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में भाजपा मंडल कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद कुमार उर्फ ज्ञानी, मुखिया प्रतिनिधि संजय महतो, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि मिथलेश साव, पुर्व मुखिया शुक्ला तुरी के नेतृत्व में ग्रामीणों के द्वारा सोमवार बाजार परेवातरी से आंगो उरेज तक जर्जर सड़क को मरम्मत कराने को लेकर आवेदन सौंपा गया, और यथाशीघ्र बरसात के पहले सड़क निर्माण की मांग की।

बारिश होने के कारण गर्मी से राहत

चरही (आजाद सिपाही)। झमाझम बारिश से चरही कोयलांचल व बारह गांव में भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली है मौसम अनुसार 12 जून से बारिश होने की संभावना जतायी गयी थी जो सच साबित हुआ ऐसे भी 15 जून और असड महीना में मानसून के साथ बारिश होना चालू हो जाता है लेकिन इस वर्ष प्रचंड गर्मी से हाल बेहाल हो गया है दुकान और मकान में रहना दुर्लभ हो गया है रोड में एक्का दुक्का आदमी नजर आएगा कुलर पंखा की हवा आग की हवा दे रहा है साथ ही इस गर्मी में कुआं तलाब का पानी खत्म हो गया है जनप्रतिनिधियों का इस पर कोई ख्याल नहीं है पशु पंछी के लिए खतरा सा हो गया है पानी के बिना पशू पंछी को जान जाने का भी खतरा बढ़ गया है सरकार को चहिये की योजना शिवकूर्त कर जगह जगह पनी रख रखाव से तमाम जिओ को राहत मिल सकती है।

बिहार कोलियरी कामगार यूनियन की बैठक

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बिहार कोलियरी कामगार यूनियन (सीटू) की बैठक चमगडा बड़कागांव मो. हसन में अध्यक्षता में किया गया। एनटीपीसी कोल परियोजना की सहायक कंपनी त्रिवेणी सैनिक में कार्यरत कर्मियों का तीन साल का बोनस भुगतान नही हुआ है। जिससे मजदूरों में शेष बढ़ रहा है। श्रम कानूनों और ट्रेड यूनियन अधिनियम को लागू नहीं किया जाता है। सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ कर्मियों और ग्रामीणों को नहीं दिया जाता है। श्रम विभाग भी इसके प्रति उदासीन है। बैठक में निर्णय लिया गया कि बोनस सहित अन्य ज्वलंत मांगों को लेकर धरना का कार्यक्रम किया जायेगा। बैठक में मुख्य रूप से धनेश्वर तुरी, मो. हसन, हीरा लाल साहू, सहीद अंसारी, विशेश्वर ठाकुर, सुरेश बेदीया, रमाकांत साहू, राम महतो, प्रमोद, दिलीप, सतीश कुमार, कामेश्वर आदि उपिस्तिथ थे।

जिप अध्यक्ष ने किया बरकट्ठा विधान सभा क्षेत्र का दौरा

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। जीप चेयरमैन सह कार्यक्रम के संयोजक उमेश प्रसाद मेहता ने सोमवार को बरकट्ठा विधान सभा का दौरा किया। इस दौरान इचाक, बरकट्ठा, जयनगर, चलकुसा प्रखंड में जाकर लोगों से मुलाकात की। साथ ही सभी भाजपा मंडल अध्यक्षों से मुलाकात की। आगामी 15 जून को बगोदर में आहूत महा जनसंपर्क अभियान के उपरांत महासम्मेलन और 16 जून को इचाक के बुढ़िया माता मंदिर प्रांगण में आहूत भाजपा युवा मोर्चा के तत्वधान में संयुक्त मोर्चा सम्मेलन में भाग लेने का आग्रह किया। इस दौरान जीप चेयरमैन ने बताया की आने वाले लोक सभा और विधान सभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी के कार्यकर्ता जोर शोर से लगे है। संगठन को और मजबूती मिले इसके लिए पार्टी काम कर रही है। हमलोग पार्टी के कार्यकर्ता है और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 9 वर्ष में किए गए जनहित के कार्यों को लोगों तक पहुंचा रहे हैं। मौके पर सह संयोजक कुमकुम देवी, प्रदेश किसान मोर्चा सदस्य सुनील मेहता समेत अन्य उपस्थित थे।

जयनगर में बिजली और पानी के लिए हाहाकार

विनोद कुमार बर्णवाल

जयनगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड में सुबह के सात बजते ही सूर्य की किरण आग उगलने लगती है। जिस प्रकार मौसम की स्थिति है उससे ऐसा प्रतीत होता है कि आने वाले 4 से 5 दिनों तक हालात और बद से बदतर हो जायेंगे। एक और जहां भीषण गर्मी का दौर जारी है जिसके कारण लोगों का जीना बेहाल है। वहीं दूसरी ओर लोड सेडिंग का बहाना कर विद्युत की कटौती से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। हालत यह है कि सुबह से ही बिजली की आंख मिचौनी शुरू हो जाती है जो दिन भर चलते रहता है। दिन में विद्युत की कटौती से जहां ग्रामीण परेशान हैं वही शाम होते हैं अंधेरा छा जाता है। प्रतिदिन रात के समय में विद्युत की कटौती से लोगों की नींद हराम हो रही है। विद्युत कटौती के चलते घरों और दुकानों के कूलर, पंखे, फ्रीज महज शोभा की वस्तु बन गए हैं। लेकिन

विद्युत विभाग के पदाधिकारी, कर्मचारी व्यवस्था सुधारने में रुचि नहीं ले रहे हैं। वहीं बार-बार बिजली गुल होने घरों में लगे मोटर पंप भी प्रभावित हो रही है। जिससे लोगों को पीने के पानी के लिए भी परेशानी होना पड़ रहा है। विधुत विभाग की मनमानी से उपभोक्ता परेशान हो गए हैं। बता दें कि जब भी उपभोक्ता बिजली विभाग से संपर्क करते हैं तो उपभोक्ताओं को डीवीसी और लोड सेडिंग का बहाना बता अपने पल्ला झाड़ लेते हैं। जिससे बिजली विभाग को लेकर लोगों का गुस्सा दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मालूम हो कि जयनगर प्रखंड के विभिन्न इलाकों में नियमित रूप से बिजली नहीं रहने के कारण छात्र-छात्राओं को पढ़ाई लिखाई करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जिसके कारण विद्यार्थियों का जीवन अंधेरे में हो गया है। वही इस भीषण गर्मी में प्रत्येक दिन 24 घंटे में लगभग 7- 8 घंटे बिजली दिया जा रहा है जिसके कारण उपभोक्ताओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रुपायडीह पंचायत मुखिया गणपत यादव, उप मुखिया चंदन बर्णवाल, तेतरौन पंचायत मुखिया आशा देवी, उप मुखिया सलीम अंसारी, बेको पंचायत मुखिया रूपाली कुमारी, उप मुखिया देवन सिंह पीपचो मुखिया रामेश्वर यादव, पूर्व पंचायत समिति सदस्य अजय यादव, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि भोला यादव, समाजसेवी रविंद्र कुमार रवि, सचिन गुप्ता, अरविंद यादव सहित कई लोगों ने अति शीघ्र बिजली सुधार करने की मांग की है ताकि लोगों को गर्मी से राहत मिल सके। पेयजल संकट का सामना कर रहे लोग जलापूर्ति के लिए जयनगर में तीन जल मीनार है। तीनों जल मीनार से 1 दिन बाद पानी आपूर्ति करने का दावा संबंधित अधिकारी कर रहे हैं। हालांकि वैसा नहीं हो रहा है। कई ऐसे मोहल्ले हैं जहां पर पिछले महीना से पानी सप्लाई बाधित है, वहीं परसाबाद, जल मीनार से पानी पूर्ण रूप से ठप है। जयनगर मुख्यालय में पानी तीन - चार दिनों से बंद है। पीपचो जल मीनार से कुछ लोगों को ही जलापूर्ति मिल रहा है।

जेएसएलपीएस ने महिला समूह को दिया प्रशिक्षण

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के बैनर तले जेएसएलपीएस के द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन बड़कागांव सूर्य मंदिर सभागार भवन किया गया। प्रशिक्षण के उपरांत वीओ कार्यालय का उद्घाटन मुख्य अतिथि सीआइ अनोज कुमार और मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि रंजीत कुमार ने कहा कि जेएसएलपीएस के द्वारा जो प्रशिक्षण दिया गया उसे लेकर आप अपने संगठन को अच्छी तरह से चलाएं और आगे चलकर आप लोग दूसरी महिलाओं के लिए प्रेरणा बने। मौके पर मुख्य रूप से सीआइ अनोज कुमार, मुखिया संघ के अध्यक्ष रंजीत कुमार, बड़कागांव मध्य पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर, पीआरपी धीरंजन रजवार, सीसी कोसर नियाजी, सीआरपी बैसाखी देवी, आरती देवी, ग्राम संगठन के अध्यक्ष पूजा कुमारी, सचिव बेबी कुमारी, कोषाध्यक्ष निशा देवी, लेखापाल रूपाली देवी, प्रतिमा कुमारी, एकम रूपाली कुमारी, बैंक शक्ति निशा कुमारी, प्रमिला कुमारी, सुलेखा कुमारी, मनिता देवी, सुमित्रा कुमारी के अलावा दर्जनों महिला सदस्य उपस्थित थे।

गोला में बालू लदे दो ट्रैक्टर जब्त

गोला (आजाद सिपाही)। उपायुक्त माधवी मिश्रा द्वारा गठित टीम ने सोमवार की सुबह छापामार कर गोला थाना क्षेत्र के हेसापोड़ा घाट से दो अवैध बालू लदा ट्रेक्टर को जब्त कर पुलिस को सौप दिया है। मौके पर दल ने दो ट्रेक्टर में बालू लोड करते पकड़ लिया। इससे पूर्व पुलिस को आते देख दोनों ट्रेक्टर के चालक गाड़ी छोड़कर भाग निकले। दोनों ट्रेक्टर को पकड़ने के बाद एसडीएम ने गोला थाना प्रभारी सिद्धांत को पुलिस बल के साथ घाट में बुलाया। साथ ही एसडीएम ने इस बात पर सवाल उठाया कि जिस घाट में दर्जनों वाहनों में बालू लोड किया जाता हैं। वहां पर मात्र दो ट्रेक्टर का पकड़ा जाना एक गंभीर बात है। उन्होंने छापेमारी की सूचना लीक होने पर अपनी नाराजगी जाहिर की। इधर टीम के द्वारा की गयी कार्रवाई के बाद इस धंधे से जुड़े लोगों में दहशत का माहौल है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई कर रही हैं।

दो दिवसीय झारखंड बंद के दौरान हंगामे को लेकर पुलिस प्रशासन गंभीर

150 बंद समर्थकों पर रामगढ़ में केस

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। 60-40 नियोजन नीति के खिलाफ झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय बंदी के कारण सड़क पर चलने वाली यात्रियों से भरी बस सहित अन्य वाहनों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसे लेकर रामगढ़ थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर जितेंद्र टुडू ने बंद समर्थकों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। दर्ज मामले में कहा गया है कि 11 जून को 60-40 नियोजन नीति के विरोध में बंद टायर मोड़ के पास 50 से 60 की संख्या में स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा बेरिकेटिंग कर वाहनों को आवागमन पूरी तरह से बाधित कर दिया गया था, जिससे के कारण लोग परेशान थे। वही, बंद समर्थक राहगीरों के साथ अभद्र व्यवहार करते देखे गए। जबकि कोठार ओवर ब्रिज और कोठार चौक के पास 100 से अधिक संख्या में बंद समर्थकों ने सड़क को जाम कर दिया, जिसके कारण वाहनों की लंबी कतार लग गई। इस दौरान बंद समर्थक हिंसा के लिए उतारू थे और वाहनों को रोककर तोड़फोड़ करने की धमकी दे रहे थे। साथ ही टायर जलाकर सड़क पर नारेबाजी कर रहे थे। गर्मी के कारण आम लोग परेशान दिखे।

राहगीरों के साथ की अभद्र व्यवहार : रामगढ़ थाना में दर्ज मामले में कहा गया है कि बंद के दौरान बंद समर्थकों ने एचडीओ, एसडीपीओ, सीओ, थाना प्रभारी सहित पुलिसकर्मियों के अलावा राहगीरों के साथ बंद समर्थकों ने की अभद्र भरा आचरण किया। साथ ही ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों को यहां से चले जाने को कह रहे थे। वहीं राहगीरों के साथ बंद समर्थकों ने गाली गलौज व अभद्रता करते देखे गए।

लोगों पर मामला दर्ज : रामगढ़ थाना में कैथा निवासी पनेश्वर महतो पिता सोमनाथ महतो, काकेबार निवासी देवानंद महतो पिता सुरेश महतो, अंकित महतो पिता झलकदेव महतो, गंडके निवासी मायाराम महतो पिता लक्कू महतो, उसरा कोरचे रजरप्पा निवासी आनंद कुमार उर्फ कटियार पिता जलेश्वर महतो की पहचान की गयी। जबकि 100 से 150 की संख्या में अज्ञात महिला पुरुष शामिल थे। इन लोगों के खिलाफ रामगढ़ थाना कांड संख्या 145/23 धारा 143/ 149/ 188/ 283/ 341/ 504 आईपीसी के तहत मामला दर्ज कर ली गयी है।

विद्यालय में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। सौंदा बस्ती मध्य विद्यालय में सोमवार को सीसीएल बरका सयाल सीएसआर द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। जिसमें भुरकुंडा अस्पताल के डॉ नदीम अनवर और डॉ रिया कुमारी द्वारा 100 से अधिक मरीजों का बीपी, शुगर, दमा, गठिया आदि से पीड़ित लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया। जिसमें कई मरीजों में दमा सहित कइ बीमारियां पायी गयी। शिविर में पाये गए मरीजों के बीच निशुल्क दवा का भी वितरण किया गया। साथ ही डॉक्टर द्वारा उचित परामर्श भी दिया गया। मौके पर चेतन सांडिल्य, मुन्नी कुमारी, कमलेश कुमार, मिथलेश मोहन, गणेश साव सहित सीसीएल अस्पताल के कई लोग उपस्थित थे।

नगर परिषद की लापरवाही से मवेशी मरा

बरकाकाना (आजाद सिपाही)। रामगढ़ पतरातू मुख्य मार्ग घुटुवा थाना चौक के समीप नगर परिषद रामगढ द्वारा निर्मित शौचालय के खुले चैंबर में गिरने से मवेशी की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार घुटुवा थाना चौक में निर्मित शौचालय में नगर परिषद की लापरवाही उजागर हुआ है। शौचालय के चैंबर का ढक्कन खुला रहने के कारण चैंबर में मवेशी गिर गया, जिसके कारण मवेशी की मौत हो गई। घटना स्थल पर मौजूद सेवानिवृत्त सीसीएल कर्मचारी रामेश्वर बेदिया, सामाजिक कार्यकर्ता बिल्लू खान और आदिवासी छात्र संघ के केंद्रीय प्रवक्ता पंचम करमाली ने नप की लापरवाही पर खूब बरसे। उन्होंने नप के पदाधिकारियों व वार्ड पार्षद के कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा कि नप द्वारा किये गए कार्यों की उचित जांच पड़ताल की जाय तो कई वार्ड पार्षद सहित नप पदाधिकारी नपेंगे। बताते चलें कि पूर्व के दिनों में सीसीएल आवसीय कॉलोनी तारा संघ मैदान में सीसीएल प्रबंधन की लापरवाही के कारण शौच चैंबर में गिरने से मासूम की मौत हो गयी थी। मासूम की मौत के बाद भी नगर परिषद रामगढ एवम सीसीएल प्रबंधन ने अपने लापरवाही पर विराम लगाने में असमर्थ दिख रहा है।

राज्यपाल का चतरा में जनसंवाद कार्यक्रम आज

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। झारखंड के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन 13 जून को जिले के मयुरहंड प्रखंड में करमा पंचायत भवन में जनता के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल होगें। वे सुबह सड़क मार्ग से 11 बजे कार्यकम में शामिल होगें और इसके पश्चात कोडरमा के लिए प्रस्थान करेगें। राज्यपाल के कार्यक्रम की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। उपायुक्त अबु इमरान तथा पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने कार्यक्रम स्थल का मुआयना किया तथा सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी लिया तथा कई आवष्यक दिशा-निर्देश दिया। कार्यक्रम स्थल के आसपास सुरक्षा के चाक-चैबंद व्यवस्था की गयी है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है। आने-जाने वाले राहगीरों पर कडी नजर रखी जा रही है तथा उनकी गहन तलाषी ली जा रही है। पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। मंगलवार को लगने वाला साप्ताहिक हाट को एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है। बैंक के पीछे मैदान में तथा अग्रवाल नर्सिंग होम के पीछे वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गयी है। जानकारी के अनुसार राज्यपाल जनता के साथ सीधा संवाद, महिला सशक्तिकरण, पर चर्चा करेगें। इस मौके पर जेएसपीएलएस के महिला समूहों के बीच परिसंपति का वितरण तथा नियुक्ति पत्र का वितरण करेगें।

बिजली बिल माफी योजना के लिए शिविर का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। उपायुक्त अबु इमरान के निर्देश पर 12 जून को सुबह 10 बजे से 4 बजे तक जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों में बिजली बिल माफी योजना, एकमुश्त समाधान योजना का लाभ दिलाने के लिए शिविर लगाया गया।

इस योजना के तहत 31 दिसंबर 2022 तक के बकाये बिजली बिल का एकमुश्त भुगतान करने पर व्याज माफ किया जायेगा, बिजली बिल का भुगतान पांच किष्तों में करने की भी सुविधा दी जा रही है। घरेलु श्रेणी और कृषि व सिंचाई, निजी श्रेणी के उपभोक्ताओं को भी इसका लाभ मिलेगा। यह योजना 1 अप्रैल से 30 जून तक लागू है। बिल के बकाया होने के कारण जिसका कनेक्षन काट दिया गया है या जिन उपभोक्ताओं पर सर्टिफिकेट केस चल रहा है, वैसे उपभोक्ता भी इस योजना का लाभ ले सकते हैं। इसके अलावे आम जनता इस योजना का लाभ लेने के लिए बिजली विभाग से भी संपर्क कर सकते हैं।

डीएमएफटी की न्यास परिषद की बैठक में डीसी ने दिये कई निर्देश

योजनाओं को समय पर पूरा करें, कोताही बर्दाश्त नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। जिला समाहरणालय के सभागार में सोमवार को डीसी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में डीएमएफटी के न्यास परिषद की बैठक संपन्न हुई। इस दौरान राज्यसभा सदस्य डॉ महुआ माजी, विधायक सुनीता चौधरी, विधायक अंबा प्रसाद, एसपी पीयूष पांडे, जिप अध्यक्ष सुधा देवी सहित अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित हुए। वहीं विभिन्न पंचायतों के मुखिया व अन्य जनप्रतिनिधि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे। इस दौरान बैठक में जिला योजना पदाधिकारी ने न्यास परिषद से अनुमोदन के लिए विभिन्न योजनाओं के संबंध में राज्यसभा सदस्य, विधायक, डीसी सहित अन्य को विस्तार से जानकारी दी।

योजनाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश

बैठक के दौरान राज्यसभा सदस्य, विधायक एवं डीसी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों द्वारा रामगढ़ जिले के विभिन्न प्रखंडों के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में चारदीवारी निर्माण योजना, सरकारी विद्यालयों में अतिरिक्त वर्ग कक्ष के निर्माण, विभिन्न सड़क योजनाओं, मोबाइल ब्लड कलेक्शन एंड ट्रांसपोर्टेशन वैन योजना, 586 विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना अंतर्गत बर्तनों की आपूर्ति, डीएमएफटी मद से रामगढ़ जिला अंतर्गत सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 10 वीं तथा 12 वीं के छात्र छात्राओं के लिए कैरियर गाइडेंस एंड काउंसलिंग योजना, डीएमएफटी मद से रामगढ़ जिला अंतर्गत सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 12 वीं के छात्र छात्राओं के लिए प्री रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग योजना, रामगढ़ जिला अंतर्गत कुल 113 विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना अंतर्गत किचन व स्टोर कक्ष निर्माण कार्य योजना, प्रखंड विकास पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न योजनाओं की अनुशंसा, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय रामगढ़ और मांडू में रसोईघर निर्माण योजना, पतरातू प्रखंड अंतर्गत टोकी में मगरदहा नदी पर पुल निर्माण योजना, माननीय जनप्रतिनिधियों से प्राप्त अनुशंसाओं सहित अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से चर्चा करने के उपरांत महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए वही, उनके द्वारा योजनाओं को लेकर आवश्यक निर्देश भी दिए गए।

बैठक में डीसी ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश: बैठक के दौरान डीसी माधवी मिश्रा ने सभी जनप्रतिनिधियों से डीएमएफटी के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका सहित सभी क्षेत्रों से योजनाओं को चुनने व अनुशंसा कर भेजने की अपील की। साथ ही बैठक के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े जिले के विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने योजनाओं व अन्य विकास कार्यों को बैठक में रखा। बैठक के दौरान उपरोक्त के अलावा वन प्रमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, विधायक प्रतिनिधियों सहित अन्य उपस्थित थे।

अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए चलाया गया जांच अभियान

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। रामगढ़ जिले में अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने व दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने तथा एनजीटी द्वारा 10 जून से 15 अक्टूबर तक बालू के उठाव पर रोक के मद्देनजर जारी निर्देश के अनुपालन को लेकर डीसी माधवी मिश्रा द्वारा अधिकारियों को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया गया है। इसी क्रम में सोमवार को अनुमंडल पदाधिकारी मो जावेद हुसैन के नेतृत्व में जिला स्तरीय टास्क फोर्स ने गोला, दुलमी, चितरपुर एवं पतरातू प्रखंड में औचक जांच अभियान चलाया गया। जांच अभियान के दौरान गोला प्रखंड अंतर्गत 2 ट्रैक्टर बालू, चितरपुर प्रखंड अंतर्गत स्टोन चिप्स लदा एक हाईवा एवं 1 ट्रैक्टर, पतरातू प्रखंड अंतर्गत टोकीसूद क्षेत्र से 1 ट्रैक्टर बालू एवं दुलमी प्रखंड अंतर्गत 2 दो-पहिया वाहनों को अवैध रूप से कोयले का परिवहन करने पर जब्त करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है। जांच अभियान के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संबंधित अंचल अधिकारियों, संबंधित थाना प्रभारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

दामोदर रेस्टुरेंट में छापामारी, बाल श्रमिक मिला

आजाद सिपाही संवाददाता

गोला। अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम विरोधी दिवस के मौके पर जिला के गठित धावा दल और अग्रगति ने जिला प्रशासन की सहायता से क्षेत्र के दामोदर रेस्टोरेंट से एक बाल मजदूर को मजदूरी करते हुए पकड़ा। यह बच्चा बंगाल हैं। संचालक बच्चा का उम्र साबित नही कर सका। बच्चा का उम्र 18 साल से कम की आशंका जताई गई। रेस्टोरेंट मालिक को रामगढ़ सी डब्लू सी के समक्ष बालक का उम्र संबंधित कागजात प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है। बताया गया कि संस्था इस साल जून महीने को बाल श्रम के खिलाफ एक्शन मंथ के रूप में मना रहा है। इसके तहत पूरे महीने बच्चों को बाल श्रम और दासता के चंगुल से मुक्त कराने के लिए छापामारी अभियान चला रही है।

इस मौके पर अग्रगति के परियोजना पदाधिकारी किरण शंकर दत्त ने कहा कि आज हमारे देश में बाल श्रम उन्मूलन के लिए कई प्रभावी नीतियां और कड़े कानून हैं। लेकिन जब तक इस बारे में लोगों के बीच जागरूकता नहीं होगी और पूरा समाज इसकी जिम्मेदारी लेकर अपना काम नहीं करेगा, तब तक यह एक चुनौती के रूप में बना रहेगा। हम सभी भारत को बाल श्रम मुक्त बनाने के साथ हर एक बच्चे को एक स्वस्थ, खुशहाल, सुरक्षित और आजाद बचपन देने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे है हम इस प्रयास में निश्चित रूप से सफल होंगे। बताया कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ) की रिपोर्ट-ह्यबाल श्रमः वैश्विक अनुमान 2020, रूझान और आगे की राहह्न के मुताबिक साल 2020 की शुरूआत में पूरी दुनिया में 16 करोड़ बच्चे बाल श्रम की चपेट में थे। इनमें 6.3 करोड़ लड़कियां और 9.7 करोड़ लड़के हैं। मौके पर बाल संरक्षण इकाई शांति बागे, लेबर इंस्पेक्टर बसंत महतो, सीडब्ल्यूसी के सदस्य और अग्रगति के सदस्य शामिल थे।

मारवाड़ी युवा मंच ने किया छाछ और चना का वितरण

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। मारवाड़ी युवा मंच के तत्वावधान में गोला रोड चट्टी बाजार स्थित मारवाड़ी धर्मशाला में शिविर लगाकर लोगों के बीच छांछ व चना का वितरण किया। इस दौरान चार सो से ज्यादा लोगों ने शिविर में छांछ व चना ग्रहण किया। इस संबंध में मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष नीलिंद अग्रवाल ने बताया कि इनदिनों रामगढ़ जिले में हीट वेव का प्रकोप चल रहा है। सूर्य की चिलचिलाती धूप व भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। लोगों को गर्मी से राहत दिलाने के उदेश्य से मंच के सदस्यों के सहयोग से राहगीरों के बीच छांछ व चना का वितरण किया गया है। मौके पर मारवाड़ी युवा मंच के सचिव आशीष अग्रवाल, आशीष जैन ,राहुल जैन ,अमित अग्रवाल, अमन बौंदिया , धीरज बंसल, संतोष गोकुलका, पंकज अग्रवाल, ऋषभ अग्रवाल, श्रृंजय मेवाड़ सहित मंच के कई सदस्य शामिल थे।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक

गोला (आजाद सिपाही)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी कार्यालय में किसान मजदूरों की जीबी बैठक अंचल मंत्री घनेनाथ चौधरी की अध्यक्षता में हुई। जिसमें मुख्य रूप से पार्टी के राज्य सचिव महेंद्र पाठक, राज्य परिषद के सदस्य नेमन यादव उपस्थित थे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि रामगढ़ में होने वाले तीन दिवसीय बैठक 16-17 और 18 जून को सफल बनाने का निर्णय लिया गया। इसको लेकर 17 जून को रामगढ़ के क्षत्रिय धर्मशाला में एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन में सैकड़ों मोटरसाइकिल की जुलूस बनाकर रामगढ़ पहुंचेंगे। महेंद्र पाठक ने कहा कि रामगढ़ शहीदों की धरती रहा है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी का आगमन हुआ था। इसी धरती से मजरुल हसन खान, किसानों मजदूरों की लड़ाई लड़ते हुए शहीद हुए। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने आधे दर्जन से अधिक सहादत किसानों के लिए दिया। आज उसी धरती पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कामरेड डी राजा, मजदूर नेता राष्ट्रीय सचिव डॉ भालचंद्र कांगो, अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय महासचिव सह राष्ट्रीय सचिव मंडल के सदस्य अतुल कुमार अंजान, कामरेड नारायणा, पूर्व सांसद नागेंद्र नाथ ओझा, संबोधित करेंगे। बैठक में कार्यालय सचिव विनोद नायक, तुलसी करमाली, अजीत उपाध्याय, कौशल महतो, लखन महतो, दिलीप महतो सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

जिले में चल रहे विकास कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा

विकास कार्यों को जल्द पूर्ण करें अधिकारीः डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। छत्तरमांडू स्थित जिला समाहरणालय के सभागार में सोमवार को जिले में चल रहे विकास कार्यों को लेकर सोमवार को डीसी माधवी मिश्रा ने समीक्षा की। इस दौरान ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत मनरेगा के तहत जिले में हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में डीसी ने प्रखंड वार प्रखंड विकास पदाधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों से लक्ष्य के विरुद्ध सृजित मानव दिवसों की जानकारी ली। जिसके उपरांत डीसी ने ज्यादा से ज्यादा मानव दिवस सृजित करते हुए योग्य व जरूरतमंद लोगों को मनरेगा से जोड़ने व उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही डीसी ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, मिशन अमृत सरोवर, पोटो हो खेल विकास योजना की समीक्षा करते हुए कार्य प्रगति का जायजा लिया और लक्ष्य पूर्ण करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

कार्यों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करें: प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न आवास योजनाओं की समीक्षा के क्रम में डीसी ने 2023-2024 के लिए प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध अब तक हुए कार्यों की प्रखंड वार समीक्षा की।

शेष बच्चों को छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने का निर्देश: मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत लाभुकों को लाभ देने के तहत हुए कार्यों की समीक्षा के क्रम में डीसी ने योजना के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लाभुकों को लाभान्वित करने का निर्देश दिया। वहीं, प्रीमैट्रिक और पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के संबंध में डीसी ने शेष बचे बच्चों को छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने के लिए कार्य करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

योग्य लाभुक पेंशन के लाभ से वंचित ना रहे दे ध्यान: विभिन्न पेंशन योजनाओं की समीक्षा के क्रम में डीसी ने सभी संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सर्वे कराकर यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई भी योग्य लाभुक पेंशन के लाभ से वंचित ना रहे।

ससमय पूर्ण करते हुए किसानों को लाभ देने का निर्देश: कृषि विभाग अंतर्गत विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के क्रम में डीसी ने झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के तहत सभी योग्य लाभुकों को लाभ सुनिश्चित करने हेतु शेष बचे हुए लाभुकों का ईकेवाईसी का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया।

अनिवार्य रूप से जलापूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश: जल जीवन मिशन के तहत पूरे कार्यों की समीक्षा के क्रम में डीसी ने कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता पर मंडल से वर्तमान में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में चल रहे कार्य जानकारी ली। वही डीसी ने कार्यपालक अभियंता पेयजल और स्वच्छता प्रमंडल को जिले के सभी सरकारी विद्यालयों व आंगनवाड़ी केंद्रों में अनिवार्य रूप से जलापूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

दिव्यांगों को आसानी से प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का निर्देश: दिव्यांगजनों को आसानी से दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के मद्देनजर डीसी ने सिविल सर्जन को विभिन्न स्तरों पर शिविर आयोजित करने एवं जिला जनसंपर्क पदाधिकारी के साथ समन्वय कर शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

भवन निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश: भवन निर्माण निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी लेने के क्रम में डीसी ने कार्यपालक अभियंता को जल्द से जल्द चितरपुर एवं दुलमी प्रखंड में निमार्णाधीन झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय का कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया।

सीसीएल कुजू जीएम ने दो फाग कैनन मशीन का किया उद्घाटन

कुजू (आजाद सिपाही)। सीसीएल कुजू जीएम नीरज कुमार सिन्हा ने सोमवार को सीसीएल कुजू न्यू रेलवे साइडिंग में प्रदूषण रोकथाम को लेकर लाये गए दो फाग कैनन मशीन का विधिवत उद्घाटन किया। मौके पर सिन्हा ने कहा कि कुजू न्यू रेलवे साइडिंग में कोयला लोडिंग-अनलोडिंग के दौरान फैलने वाले प्रदूषणों पर रोकथाम के लिए मशीन उपयोगी होगी। साथ ही, मौके पर जीएम आपरेशन बीपी गुप्ता, तोपा पीओ मनीष कुमार, खान प्रबंधक मनोज कुमार सिंह, पर्यावरणीय अधिकारी निखिल रंजन, अभिनव श्रीवास्तव, अभियंता आशुतोष कुमार, डिस्पैच अधिकारी नीलेश कुमार, साइडिंग प्रबंधक राजू रविदास, इएंडएम अधिकारी दान सिंह मीणा मौजूद रहे।

सीएन कॉलेज में इंटरमीडिएट की पढ़ाई 21 जून से

कुजू (आजाद सिपाही)। छोटानागपुर महाविद्यालय रामानगर (रामगढ़ कैंट) के प्रिंसिपल कैलाशपति पांडेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुये कहा है कि इंटरमीडिएट (सत्र 2023-25) प्रथमवर्ष में नामांकन कराने वाले सभी विद्यार्थियों को आगामी 21 जून से तीनों संकाय (कला, विज्ञान और वाणिज्य) की कक्षाएं प्रारंभ होगी। उन्होंने सभी नामांकित विद्यार्थियों से अपना परिचय पत्र कार्यालय से बनाने की बात कही।

एनसीपी में सुप्रिया को अहम जिम्मेदारी

एनसीपी चीफ शरद पवार ने आखिर पार्टी में दो नये कार्यकारी अध्यक्षों की घोषणा करके नयी पीढ़ी को नेतृत्व सौंपने की प्रक्रिया आगे बढ़ा दी। शनिवार को पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर उन्होंने बेटी सुप्रिया सुले को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाने के साथ महाराष्ट्र जैसे अहम राज्य का प्रभारी भी बनाया। कहने को प्रफुल्ल पटेल भी कार्यकारी अध्यक्ष बनाये गये हैं, जो पवार परिवार के नहीं हैं। लेकिन यहां दो बातें गौर करने लायक हैं। एक तो यह कि पटेल को गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों की जिम्मेदारी दी गयी है, जहां पार्टी की कोई मजबूत मौजूदगी नहीं है। दूसरी बात यह कि सुप्रिया सुले को पार्टी की सेंट्रल इलेक्शन अथॉरिटी की कमान भी दी गयी है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं रह गयी है कि शनिवार को लिये गये फैसलों के जरिए पार्टी अध्यक्ष शरद पवार ने सुप्रिया सुले को सबसे अहम भूमिका सौंपी है। इन्हीं फैसलों का दूसरा और उतना ही अहम पक्ष यह है कि पवार के भतीजे और हाल तक उनके उत्तराधिकारी के रूप में देखे जा रहे अजित पवार को कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी नहीं दी गयी है। हालांकि महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का महत्वपूर्ण पद उनके पास पहले से है और पार्टी के महाराष्ट्र से जुड़े मामलों में सबसे मजबूत आवाज भी उन्हीं की मानी जाती है। लेकिन अब सुप्रिया सुले के महाराष्ट्र प्रभारी बनने के बाद इन मामलों में भी उन्हें सुले को ही रिपोर्ट करना पड़ेगा। निश्चित रूप से यह उनके लिए कोई अच्छी स्थिति नहीं मानी जा सकती। पार्टी में जो नयी हायरार्की बनी है, उसमें सुप्रिया सुले का दर्जा स्पष्ट रूप से अजित पवार से ऊपर हो गया है। इसके बावजूद अजित पवार ने किसी तरह के असंतोष या नाराजगी के संकेत नहीं दिये हैं, जिससे ऐसा लगता है कि कम से कम तत्काल उनकी तरफ से इस फैसले को कोई चुनौती नहीं दी जाने वाली। इससे महीने भर पहले चली उस कवायद की भी सार्थकता साबित होती है, जो शरद पवार के इस्तीफे की घोषणा के रूप में सामने आयी और फिर नेताओं, कार्यकर्ताओं के दबाव में उसे वापस लेने के साथ समाप्त हुई थी। उस कवायद ने पार्टी पर सीनियर पवार की पकड़ को फिर से इतना मजबूत बना दिया कि वह बगैर किसी आशंका के इन बड़े फैसलों की घोषणा कर सके। हालांकि इसका मतलब यह नहीं माना जा सकता कि पार्टी में अजित पवार कमजोर पड़ गये हैं। राज्य में आज भी संगठन पर उनका दबदबा कायम है। पार्टी का भविष्य और महाराष्ट्र में काफी हद तक विपक्ष का प्रदर्शन भी इस बात पर निर्भर करेगा कि सुप्रिया सुले को पार्टी ने जो भूमिका सौंपी है, उसे वह कितनी कुशलता से अंजाम दे पाती हैं और इस क्रम में अजित पवार से उनका कितना और कैसा तालमेल बन पाता है।

कुल मिला कर देखा जाये तो इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं रह गयी है कि शनिवार को लिये गये फैसलों के जरिए पार्टी अध्यक्ष शरद पवार ने सुप्रिया सुले को सबसे अहम भूमिका सौंपी है।

अभिमत
आजाद सिपाही

बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों का प्रतीक, भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) सामरिक व्यापार वार्ता (आइयूएसएसटीडी) की पहली बैठक हाल ही में वाशिंगटन डीसी में हुई। वर्षों से संस्थापित, भारत की विदेश नीति में उल्लेखनीय बदलाव के कारण, अंततः दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण पड़ाव आया है। यह वार्ता दोनों देशों के बीच बढ़ते आपसी सहयोग को भी प्रदर्शित करती है।

नयी ऊंचाइयों पर पहुंचे भारत-अमेरिका संबंध

सतनाम सिंह संधू

भारत की नयी विदेश नीति को मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि करार दिया जा रहा है, क्योंकि इसने भारत को विभिन्न क्षेत्रों में नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। भारत-अमेरिका संबंधों के विषय पर बात करें तो भारत-अमेरिका अब अपरिहार्य भागीदार बन गये हैं।

भारत, विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का सजीव उदाहरण है, जिसकी प्रतिष्ठा पिछले 9 वर्षों में अंतरराष्ट्रीय मंच पर सर्वविदित है। संयुक्त राज्य अमरीका भी भारत की उपलब्धियों को स्वीकार करते हुए भारत से अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है। भारत एक सर्वोच्च शक्ति बन कर विश्व के मानचित्र पर अंकित हुआ है। विश्व के शीर्ष देश आज भारत के साथ संबंध स्थापित करने एवं विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भारत के विचारों को महत्व देते हैं।

बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों का प्रतीक, भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) सामरिक व्यापार वार्ता (आइयूएसएसटीडी) की पहली बैठक हाल ही में वाशिंगटन डीसी में हुई। वर्षों से संस्थापित, भारत की विदेश नीति में उल्लेखनीय बदलाव के कारण, अंततः दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण पड़ाव आया है। यह वार्ता दोनों देशों के बीच बढ़ते आपसी सहयोग को भी प्रदर्शित करती है।

इस बहुप्रतीक्षित वार्ता से भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध और अधिक गहरे एवं मजबूत होंगे, क्योंकि विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के अंत में अमेरिका का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी कांग्रेस को 2 बार संबोधित करने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री भी होंगे। सितंबर 2019 में, सारी दुनिया का ध्यान उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर आकर्षित हुआ, जब 50,000 से अधिक भारतीय अमेरिकियों और अनिवासी भारतीयों का हुजूम ह्यूस्टन सिटी के एनआरजी स्टेडियम में हाउदी, मोदी कार्यक्रम में एकत्रित हुआ। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति लोगों का आकर्षण अवर्णनीय था।

आज अमेरिका ने भी शांति और समृद्धि के लिए भारत के महत्व को महसूस किया है, विशेषकर उभरते चीन के सामने।

वाशिंगटन में हाल की व्यापार वार्ता से महत्वपूर्ण तथा उभरती हुई प्रौद्योगिकियों (आइसीइटी) और व्यापार को गति मिलने की उम्मीद है। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों का दायरा पिछले 9 वर्षों में न केवल व्यापक हुआ है, बल्कि एक रणनीतिक सांझेदारी के रूप में विकसित भी हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने नयी विदेश नीति के द्वारा विभिन्न देशों के साथ संबंधों के नये अध्याय का नेतृत्व किया है। उनकी विदेश नीति के परिणामस्वरूप आज भारत ने विश्व के शीर्ष देशों की श्रेणी में अपना स्थान बना लिया है।

मोदी ने विदेश नीति को राष्ट्रीय महत्व का एक साधन माना है, जिसके चलते भारत शांति, समृद्धि को बढ़ावा देने और संप्रभुता सुनिश्चित करने के साथ-साथ दुनिया के बाकी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाने में सक्षम रहा है। भारत की नयी विदेश नीति को मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि करार दिया जा रहा है, क्योंकि इसने भारत को विभिन्न क्षेत्रों में नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। भारत-अमेरिका संबंधों के विषय पर बात करें तो भारत-अमेरिका अब अपरिहार्य भागीदार बन गये हैं।

महत्वपूर्ण तथ्य यह कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में विकास हुआ है? हालांकि बहुत से लोग पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विश्व के सर्वोच्च देशों के साथ संबंध स्थापित करने की क्षमता पर विश्वास नहीं करते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को आज अमेरिका सहित दुनिया भर के नेताओं द्वारा सहर्ष स्वीकार किया जाता है। आज अमेरिका ने भी शांति और समृद्धि के लिए भारत के महत्व को महसूस किया है, विशेषकर उभरते चीन के सामने।

प्रधानमंत्री बनने के बाद, तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के निमंत्रण पर नरेंद्र मोदी ने एक हाई-प्रोफाइल अमेरिका यात्रा की और न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया। इसके बाद बराक ओबामा जनवरी 2015 में नयी दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने। सामरिक संबंधों का विस्तार : पिछले कुछ वर्षों में, द्विपक्षीय संबंध भी वैश्विक सांझेदारी में विस्तारित हुए हैं।

शिखर सम्मेलन के एजेंडे में अमेरिका और भारत के संबंधों को मजबूत करने के लिए साझा मुद्दों और रणनीतियों को शामिल किया गया है। अब तक 5 शिखर सम्मेलन आयोजित किये गये हैं, जिसके परिणाम भारत के लिए प्रशंसनीय रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है और उन कुछ देशों में से एक है, जिनके साथ भारत का 2021 और 2022 में व्यापार अधिशेष था।

भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2020-21 में 80.51 बिलियन यूएस डॉलर से बढ़ कर 2021-2022 में 119.42 बिलियन अमेरिकी डॉलर की रिकॉर्ड राशि का व्यापार किया। 2021-22 में, भारत का अमेरिका के साथ 32.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापार अधिशेष था। क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टैक्नोलॉजी (आइसीइटी) इसे बढ़ावा देने वाली है। अमेरिका की अपनी आगामी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संबंधों को और विस्तार देने के तरीकों और जलवायु परिवर्तन तथा सुरक्षा जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतियों पर चर्चा करने की उम्मीद है।

जमशेदपुर की खबरें

उत्कल बांधव समिति का रजो महोत्सव 14 जून को

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। उत्कल बांधव समिति कदमा में ओड़िशा के सबसे बड़े पर्व रजो को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। सोमवार को बैठक के दौरान सर्वसम्मति से 14 जून को रजो महोत्सव मनाने का निर्णय लिया गया। रजो महोत्सव का आयोजन बुधवार को शाम 6:30 से प्रारंभ होकर रात के 10:00 बजे तक चलेगा। उत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ रजो क्वीन और उड़िया के विभिन्न प्रकार के पीठा का खानपान किया जायेगा। जमशेदपुर के सभी उड़िया भाषा के लोगों को इस महोत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रण किया गया है। बैठक में सुप्रभा पंडा, मोनालिसा दास, स्निग्धा मंगराज, जयश्री दास, कुनमुन दास, सस्मिता दास, मिता महापात्रा, बंदना पटाायक सागरिका स्वांई, क्षमामयी मंहाती सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रही।

शादी की नीयत से नाबालिग को भगाने वाला युवक गिरफ्तार, गया जेल

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। आरआईटी पुलिस ने शादी की नीयत से नाबालिग को भगाने के मामले में प्रिंस शर्मा उर्फ प्रिंस कुमार को गिरफ्तार लिया। सोमवार को जांच के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एसडीपीओ हरविंदर सिंह ने बताया न्यू बस्ती मीरुडीह निवासी नाबालिग के पिता अरुण कुमार श्रीवास्तव ने 21 मई को अपनी बेटी की अपहरण करने की शिकायत दर्ज करायी थी। एसपी आनंद प्रकाश के निर्देश पर टीम गठित कर तकनीकी सहयोग से नाबालिग लड़की को बरामद किया गया। साथ ही शादी की नीयत से भगाने वाले युवक प्रिंस शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसके पास से एक ओप्पो मोबाइल फोन बरामद किया। सोमवार को जांच के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जमशेदपुर में भाजपा का महाजनसंपर्क अभियान जारी

मोदी सरकार के नौ वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियां आज गिनायेगी पार्टी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से महा जन संपर्क अभियान जारी है। मंगलवार को अभियान में महाराष्ट्र के विधान पार्षद प्रोफेसर राम शंकर शिंदे शामिल होंगे। महानगर अध्यक्ष गुंजन यादव ने कहा महा जनसंपर्क अभियान में जिला टोली, जुगसलाई और पश्चिम विधानसभा के कार्यकताओं के संग कमलपुर के ग्राम संसद

भवन में बैठक आयोजित होगी। वही पश्चिम विधानसभा के कदमा मंडल अंतर्गत ब्रह्मर्षि भवन में टिफिन बैठक की तैयारियों का व्यवस्था की गई। सोमवार को दोनो क्षेत्र का जायजा लिया गया। उन्होंने मंडल अध्यक्षों से कार्यक्रम के निमित्त जानकारी ली और कई सुझाव दिए। मौके पर अभियान के जिला संयोजक अनिल मोदी, सह संयोजक संजीव कुमार, संजीव सिन्हा, मनोज राम,जितेंद्र राय, प्रेम झा,ज्ञान प्रकाश, प्रदीप महतो, नीलू मछुआ, मुचिराम बाउरी,अजीत कालिंदी समेत कमलपुर मंडल अध्यक्ष प्रधान चंद्र महतो, शांतनु मुखर्जी, मंटू चरण दत्ता, कदमा मंडल अध्यक्ष राजेश सिंह समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधायक निधि से बनेगा ग्राम प्रधान संघ का भवन

आजाद सिपाही संवाददाता

पटमदा। जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के पटमदा बेलटांड़ बिरसा चौक स्थित जर्जर तहसील कचहरी भवन का विधायक मंगल कालिंदी ने निरीक्षण किया। सोमवार को निरीक्षण के दौरान जेई विजय भूषण के साथ जगह का मापी करवाया। मौके पर विधायक श्री कालिंदी ने बताया पटमदा में जर्जर भवन को तोड़कर भव्य ग्राम प्रधान संघ भवन का निर्माण विधायक निधि से किया जायेगा, जिसका विधिवत भूमि पूजन 19 जून को होगा। जानकारी देते हुए विधायक मंगल कालिंदी ने बताया कि ग्राम प्रधान संघ की बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा किया जा रहा है। भवन का निर्माण होने से ग्राम प्रधानों का बैठक और कई कार्यक्रम भवन में संपन्न हों सकेगा। विधायक ने बताया कि भवन निर्माण के लिए पटमदा सीओ चंद्रशेखर तिवारी के साथ मिलकर जगह का एनओसी लिया गया। वही जेई ने बताया भवन का लागत 15 लाख से कम होगा। मौके पर विधायक प्रतिनिधि चंद्रशेखर टुडू, सुभाष कर्मकार, ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष बृंदावन दास, सचिव मृत्युंजय महतो, सुधीर चंद्र माझी, शंभु नाथ हेम्ब्रम, टीकाराम माझी, किंकर महतो, सुभाष सिंह, अनिल महतो, काशीनाथ महतो व क्षेत्र के ग्रामीण मौजूद रहे।

पुलिस ने मोबाइल चोरी के मामलों का किया खुलासा

तीन गिरफ्तार, 20 मोबाइल हैंडसेट बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के बिरसानगर क्षेत्र में मोबाइल चोरी की शिकायत मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी। एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर 20 मोबाइल पुलिस ने बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों में बारीडीह बस्ती निवासी अजय रविदास उर्फ चौसठ, बिरसानगर जोन नंबर 8 निवासी अजय सिंह भूमिज उर्फ सुकू और शत्रुधन रविदास शामिल है। सोमवार को प्रभारी एएसपी सिटी सुमित कुमार ने बताया बिरसानगर और आस-पास के क्षेत्र में घरों में घुसकर मोबाइल चोरी की शिकायतें मिल रही थी। वरीय

पदाधिकारी के निर्देश पर टीम का गठन कर टेक्निकल तरीके से काम कर रहे चोरी की तीन मोबाइल के साथ अजय रविदास को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में रविदास ने बताया कि उसने चोरी की मोबाइल अपने साथी अजय सिंह और शत्रुधन को बेचने के लिए दिया है। पुलिस ने छापेमारी करते हुए दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एएसपी अग्रवाल ने बताया कि अजय रविदास और अजय सिंह पूर्व में भी जेल जा चुका है। पूछताछ में बताया वे बस्तियों में घूमकर, जिसका दरवाजा या खिड़की खुली होती थी वैसे घरों को निशाना बनाता था। मोबाइल चोरी कर अपने साथियों को बेचने के लिए दे देता था। दोनों साथी मोबाइल को फेरी वाले को बेच दिया करते थे। फिलहाल तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

एक्सएलआरआइ में नये सत्र की शुरुआत

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। एक्सएलआरआइ में शैक्षणिक वर्ष 2023-24 का उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। सोमवार को टाटा ऑडिटोरियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि डीन एडमिन फादर डोनाल्ड डिसिल्वा, डीन एकेडमिक प्रो. संजय पात्रो समेत सभी नवागंतुक छात्र-छात्राओं व शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित हुए। इस अवसर पर एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर प्रो. फादर एस. जॉर्ज ने ऑनलाइन मोड में सभी छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा एक्सएलआरआइ इस साल अपनी स्थापना के 75 साल मनाने जा रही है। सभी नवागंतुक छात्र इस खास मौके का गवाह बनेंगे। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को आपस में एकता बनाये रखने व यथार्थवादी बनने का अपील की। उन्होंने कहा जीवन के सफर में खुशी व समस्याएं दोनों आयेंगी। सफल वे हो पाते हैं जो दोनों को गले लगा कर आगे बढ़ते हैं। उन्होंने विषम परिस्थितियों में भी बेहतर तरीके से कार्य करने के लिए आग्रह किया। वहीं डीन एडमिन फादर डोनाल्ड डिसिल्वा ने मौके पर मौजुत सभी के साथ प्रार्थना की। उन्होंने संस्थान के सभी प्रोफेसरों से विद्यार्थियों को रूबरू कराया। इस अवसर पर डीन एडमिन प्रो. संजय पात्रो ने एक्सएलआरआइ से जुड़ी कई अहम बाते जानकारी दी।

महत्वपूर्ण न्यूज

प्रवचन के प्रथम दिन श्री जीयर स्वामी जी महाराज ने चातुर्मास व्रत की विस्तृत व्याख्या की

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। प्रवचन के प्रथम दिन सोमवार को श्री जीयर स्वामी जी महाराज ने चातुर्मास व्रत के संबंध में विस्तृत व्याख्या की। समाज कल्याण के लिए चातुर्मास व्रत से समााज व राष्ट्र का कल्याण होता है। आचार्य की व्याख्याा करते हुए कहा कि आचरण से संपन्न व्यक्ति ही आचार्य होता है। उदाहरण देते हुए कहा कि रावण के पास सब कुछ था पर आचरण नहीं था, जिसके कारण उसका समूल नाश हो गया। विभीषण के पास सभी चीजों का अभाव था, पर आचरण व संस्कार होने के कारण भगवत कृपा प्राप्त हुई। प्राचीन काल में ऋषि-मुनि व राजा समाज व राष्ट्र के कल्याण के लिए चातुर्मास व्रत करते थे। भक्तों को समझाते हुए कहा कि पत्नी, घर व परिवार छोड़ने वाले को हो सकता है कि कभी परिवार, घर व पत्नी पर मोह आ भी सकता है। पर अपने परिवार में रहते हुए परमात्मा से अपना जीवन जोड़ने वाले को कहीं भटकने की गुंजाइश नहीं रहती है। यही गृहस्थ के लिए सर्वश्रेष्ठ, सबसे सरल और सहज उपाय है। परिवार, पत्नी व बाल-बच्चे में अपने आप स्थित होते हुए घर में परमात्मा की सत्ता, कारण एवं आज्ञा मान कर-के उनके साथ रहें। स्वामी जी ने कहा कि परमात्मा की कथा श्रवण करने से चंचल मन भी गलत मार्ग पर नहीं जाता है। वह परमात्मा जो पूरे दुनिया में है, पूरे दुनिया की स्थिति में है, ऐसे को जान करके उनके नाम, गुण, लीला, धाम तथा उनके चरित्र को सुनिए। सबसे पहले सुनिए फिर कीर्तन व स्मरण करिए, तब उनके गुणों को अपने हृदय में उतारिए।

भंडरिया गांव में हुई आमसभा, सदस्यों की अनुपस्थिति के कारण सहायिका का चुनाव टला

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत राणाडीह पंचायत के भंडरिया गांव में सहायिका का चुनाव को लेकर ग्रामीणों के साथ आम सभा की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी सह सीडीपीओ मनोज तिवारी ने की। सहायिका चुनाव को लेकर ग्रामीणों की भीड़ जुटी लेकिन पदाधिकारी के द्वारा चुनाव स्थगित कर दिया गया। इधर चुनाव के बारे में जानकारी देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी सह सीडीपीओ मनोज तिवारी ने कहा कि चुनाव में अंचलाधिकारी, शिक्षक, एनएम एवं चुनाव दल के अन्य सदस्यों की उपस्थिति नहीं होने के कारण चुनाव को स्थगित किया गया। मौके पर पंचायत मुखिया ललित बैठा, पर्यवेक्षिका संध्या देवी, सेविका ललिता देवी, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि धनंजी सिंह, पंचम सिंह, गिरवर सिंह, अवधेश सिंह, रामयश सिंह, सीधी सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, सुबोध कुमार सिंह, विन्दलाल चौधरी, रविंद्र सिंह सहित अन्य कई ग्रामीण महिला एवं पुरुष उपस्थित थे।

बाल श्रम निषेध दिवस पर बच्चों और महिलाओं ने निकाली जागरूकता प्रभात फेरी

रंका (आजाद सिपाही)। अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर सोमवार को रंका प्रखंड अंतर्गत ग्राम तमगे कला में समाजसेवी अमरेंद्र कुमार के नेतृत्व में बच्चे एवं महिलाओं के द्वारा जागरूकता प्रभात फेरी निकाली गई। इस अवसर पर बच्चे एवं महिलाओं ने हाथ में नारे लिखे तख्ती लिए बाल मजदूरी बंद करो, बाल विवाह बंद करो, बेटा बेटी एक समान-सबको शिक्षा सबको मान आदि नारे लगा रहे थे। यह कार्यक्रम लोहरदगा ग्राम स्वराज संस्थान एक्सेस टू जस्टिस के तहत किया गया। साथ ही कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन के सहयोग से पूरे गढ़वा जिले में चलाया जा रहा है। जिसमें बाल मजदूरी रोकना, बाल विवाह रोकना तथा बाल यौन शोषण रोकने पर कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर तमगेकला पंचायत की मुखिया रिंकी देवी, उपमुखिया संगीता देवी, वार्ड सदस्य सुषमा देवी, आंगनबाड़ी सेविका द्रौपदी देवी, सहायिका अनिता देवी, स्वास्थ्य सहिया ललिता देवी, जल सहिया, एलजीएसएस के फील्ड फैसीलेटर पीतांबरी कुमारी, समाजसेवी अमरेंद्र कुमार ने शपथ दिलाकर इन बुराइयों को रोकने के लिए प्रेरित किया। मौके पर रविना देवी, किरण देवी, फूलकुमारी देवी, बसंती कुमारी, शंखा देवी, प्रमिला देवी, बासमती देवी सहित काफी संख्या में ग्रामीण महिला एवं बच्चे उपस्थित थे।

जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष की पत्नी के निधन पर जताया शोक

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जिला की प्रथम महिला अधिवक्ता सह प्रथम नोटरी पब्लिक, व्यवहार न्यायालय, गढ़वा रामा कुमारी (सिन्हा) ने स्व. राजेंद्र मिश्रा अधिवक्ता सह पूर्व अध्यक्ष, जिला अधिवक्ता संघ, गढ़वा की धर्मपत्नी स्व. कमला मिश्रा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। शोक व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा है कि मैं उनकी गोद में पली बढ़ी। उनका मातृत्व स्नेह मुझे हमेशा प्राप्त हुआ। मुझे और मेरे परिवार के लिए यह असहनीय दुख पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि आज मेरे माथे पर से मां का आंचल छीन गया। इस मौके पर उनके दोनों पुत्र अधिवक्ता कृष्ण राजन कुमार उर्फ राज, अधिवक्ता महेश रंजन श्रीवास्तव उर्फ राजा ने भी शोक प्रकट किया। उनकी दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

कार्यक्रम : अभाविप झारखंड प्रदेश का अभ्यास वर्ग संपन्न, प्रांत संगठन मंत्री ने कहा

कार्यकर्ताओं को जिम्मेवारी का एहसास कराता है अभ्यास वर्ग : राजीव रंजन

अभ्यास वर्ग के समापन पर विभिन्न नये दायित्वों की हुई घोषणा

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। अखिल भारतीय विद्यार्थी झारखंड प्रांत द्वारा 8 जून से एसआईएस प्रशिक्षण केंद्र बेलचांपा में शुरू हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड प्रदेश का अभ्यास वर्ग 11 जून को संपन्न हुआ। इस अभ्यास वर्ग में अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री गोविंद नायक, राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल, क्षेत्रीय संगठन मंत्री निखिल रंजन सहित संगठन के कई पदाधिकारियों का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं को प्राप्त हुआ। आज भी अभ्यास वर्ग के अंतिम दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ क्षेत्रीय संपर्क प्रमुख अनिल ठाकुर का उद्बोधन कार्यकर्ताओं के मध्य हुआ। उसके उपरांत अभ्यास वर्ग के निमित्त लगे स्थानीय कार्यकर्ताओं का परिचय प्रांत के प्रत्येक जिले से आए सभी प्रतिनिधियों के बीच हुआ। प्रतिनिधियों का परिचय कराते हुए व्यवस्था प्रमुख निशांत चतुर्वेदी ने कहा कि गढ़वा के लिए अत्यंत ही गर्व का विषय था कि प्रांत ने इतने बड़े कार्यक्रम के लिए हमारे जिले का चयन किया। जब कार्यक्रम की सूचना स्थानीय कार्यकर्ताओं को मिली तब से ही कार्यकर्ता उमंग और उत्साह के साथ इस कार्यक्रम को सफल और सार्थक बनाने में लगे हुए थे और उनके कठिन परिश्रम का ही परिणाम है कि चार दिनों तक चलने वाला अभ्यास वर्ग सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। इसके बाद प्रांत में विभिन्न नये दायित्व की घोषणा हुई।

इन्हें दिया गया नया दायित्व

विश्वविद्यालय संयोजक- मंजुल शुक्ला, विभाग प्रमुख- प्रा. सत्यदेव पांडे, विभाग संयोजक- गोविन्द मेहता, विभाग सह संयोजक- शशांक चौबे, विभाग छात्रा प्रमुख- सुश्री दीक्षा सिंह, पलामू जिला प्रमुख- प्रा. के.सी. झा, पलामू जिला संयोजक- सुमित पाठक, गढ़वा जिला प्रमुख- प्रा. मनीष तिवारी, गढ़वा जिला संयोजक- विकास चंद्रवंशी, गढ़वा जिला सह संयोजक- शुभम तिवारी, लातेहार जिला प्रमुख- प्रा. दशरथ साहू, लातेहार जिला संयोजक- उज्जवल शुक्ला, लातेहार जिला सहसंयोजक- ब्रजकिशोर टाना भगत।

समारोप सत्र में संबोधित करते हुए अभाविप झारखंड प्रांत संगठन मंत्री राजीव रंजन ने कहा कि परिषद का अभ्यास वर्ग कार्यकर्ताओं को समाज के प्रति उनकी जिम्मेवारी का एहसास कराता है क्योंकि विद्यार्थी परिषद छात्र हित और समाज हित के लिए कार्य करने वाला संगठन है। ऐसी परिस्थिति में युवा समाज के प्रति जिम्मेवार और संवेदनशील हों इसकी जिम्मेदारी हमारी है। प्रांत संगठन मंत्री ने गढ़वा के स्थानीय कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद देते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं की कठिन मेहनत के कारण ही प्रांत का इतना बड़ा अभ्यास वर्ग सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।

अभ्यास वर्ग में मौके पर अखिल भारतीय जनजातीय कार्य सह प्रमुख प्रमोद रावत, प्रांत प्रमुख डॉ पंकज कुमार, प्रांत कोषाध्यक्ष डॉ दीप नारायण, प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद एक्का, डॉ सुमनलता, प्रदेश मंत्री सोमनाथ भगत, प्रदेश सह मंत्री, निशांत चतुर्वेदी, सौरभ झा, प्रांत जनजातीय कार्य प्रमुख मनोज सोरेन, राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य विशाल सिंह, विभाग संगठन मंत्री बबन बैठा, प्रताप सिंह, हिमांशु दुबे, रत्नेश त्यागी, उपेन्द्र भरत, विश्वविद्यालय संयोजक मंजूल शुक्ला, शुभम तिवारी, पंकज, शशांक कुमार, प्रिंस यादव, अंकित कुमार, किरण कुमारी, सरोजा कुमारी, पूजा कुमारी, विकास कुमार, श्रेया कुमारी, जूही कुमारी, अंतिमा कुमारी, ममता कुमारी, अखिल कुमार, हरिओम तिवारी, राहुल कुमार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लक्ष्मी चंद्रवंशी मेडिकल कालेज को तीसरी बार मिली सौ सीटों की स्वीकृति

इंडियन मेडिकल कमीशन ने दी मान्यता

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। इंडियन मेडिकल कमीशन ने पलामू जिला के विश्रामपुर में अवस्थित लक्ष्मी चंद्रवंशी मेडिकल कालेज के लिए सौ सीटों की स्वीकृति पुनः तीसरी बार प्रदान की है। इसके साथ ही वर्तमान सत्र में मेडिकल की पढ़ाई के लिए 100 विद्यार्थी कालेज में नामांकन ले सकेंगे तथा एमबीबीएस की पढ़ाई कर सकेंगे। उक्त जानकारी मेडिकल कालेज के निदेशक डा. ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने गढ़वा स्थित अपने आवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि लक्ष्मी चंद्रवंशी मेडिकल कालेज में तीसरे बैच के नामांकन के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके लिए वह इंडियन मेडिकल कमीशन एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आभारी हैं। इनके सहयोग से ही पिछड़े क्षेत्र के बच्चे मेडिकल की पढ़ाई कर पा रहे हैं। पीएम मोदी के कारण ही आज विभिन्न क्षेत्रों में मेडिकल कालेज संभव हो सका है। अन्यथा पूरे राज्य में गिने चुने मेडिकल कालेज थे। हमें इस बात का गर्व है कि गढ़वा व पलामू के छात्र-छात्राओं के लिए पहला निजी मेडिकल कालेज मिला है। उन्होंने कहा कि मेधावी छात्र-छात्राएं अपने-अपने क्षेत्र में मेडिकल की पढ़ाई कर पा रहे हैं। इन्हें पढ़ाई के लिए इधर उधर भटकना नहीं पड़ रहा है। जो छात्र -छात्राएं मेडिकल के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं उनके लिए कालेज का दरवाजा खुला है। नीट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद वह यहां नामांकन ले सकते हैं तथा चिकित्सक बनकर देश की सेवा कर सकते हैं।

बीटीएम ने पीएम किसान के लाभुकों को जल्द ई-केवाइसी करवाने का दिया निर्देश

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय के सभागार में कृषि पशुपालन व सहकारिता विभाग के आदेश पर किसान मित्रों की एक बैठक सोमवार को संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता बीटीएम रंजित कुमार सिंह ने की। बैठक में प्रखंड के सभी किसान मित्रों को बीटीएम रंजित कुमार सिंह ने पीएम किसान के लाभुकों को ई-केवाईसी करवाने का निर्देश दिए। बीटीएम ने बताया कि ई-केवाईसी, लैंड सीडिग तथा किसानों के बैंक खाते आधार से लिंक नहीं होने के कारण केंद्र से पैसा नहीं आ रहा है। प्रखंड के सभी किसानों की सूची किसान मित्रों को दे दी गई है। प्रखण्ड में वैसे किसान जिनका पीएम किसान सम्मान निधि का पैसा बंद हो गया है, वो सभी किसान प्रज्ञा केंद्र में जाकर अपना ई-केवाईसी चार दिनों के अंदर करवा लें ताकि पीएम किसान की राशि लाभुकों के खाते में आ सके। मौके पर किसान मित्र नीरज कुमार द्विवेदी, संजय चौबे, विकास कुमार सिंह, जय मंगल कुमार, संदीप कुमार ठाकुर, राकेश कुमार, अनुज कुमार सिंह, रविकांत तिवारी, मनोज कुमार, भोला मेहता आदि उपस्थित थे।

अलखनाथ पांडेय के बड़े पुत्र अभिजीत परिणय सूत्र में बंधे

कई राजनीतिक दलों के लोग शादी समारोह में शामिल हुए, वर-वधु को दिया आशीष

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा के जाने-माने शिक्षाविद, आरके ग्रुप आफ स्कूल्स के निदेशक सह भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अलखनाथ पांडेय एवं गढ़वा नगर परिषद की उपाध्यक्ष मीरा पांडेय के प्रथम पुत्र अभिजीत पांडेय 11 जून को परिणय सूत्र में बंध गए। भाजपा नेता अलखनाथ पांडेय के पुत्र अभिजीत का विवाह पलामू के पूर्वडीहा गांव निवासी वीरेंद्र दुबे की सुपुत्री खुशबू दुबे के साथ संपन्न हुआ। अभिजीत पांडेय गिरिडीह जिला में ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट प्रथम के पद पर आसीन हैं। उनकी पत्नी खुशबू दुबे भोपाल से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर चुकी हैं। इस शादी समारोह के हजारों लोग साक्षी बने।

शादी समारोह में पलामू सांसद विष्णु दयाल राम, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र राय, राज्य के प्रशिक्षण प्रमुख मनोज सिंह, भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष किसलय तिवारी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता सह गढ़वा जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष नितेश सिंह, भाजपा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी, कई कांग्रेसी नेता के अलावा कई राजनीतिक दल के लोगों के अतिरिक्त पत्रकार विनोद पाठक, ओमप्रकाश पाठक, विजय प्रताप देव, आनंद सिन्हा, समाजसेवी नंद कुमार गुप्ता, ध्रुव केसरी, रेडक्रॉस सोसाइटी के पदाधिकारी विनोद कमलापुरी, मनोज केसरी, दीपक तिवारी, अजयकांत पाठक, प्रिंस सोनी, गढ़वा जिला पब्लिक स्कूल एसोसियेशन के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों के अतिरिक्त कई समाजसेवी संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्य इस शादी समारोह के साक्षी बने एवं वर-वधु को आशीर्वाद दिया।

भाजपा मंडल इकाई ने मृतक बच्चों के परिजनों को खाद्य सामग्री सौंपी

आजाद सिपाही संवाददाता

श्री बंशीधर नगर । भाजपा मंडल इकाई ने जंगीपुर गांव के डैम में डूबने से मृतक बच्चों के परिजनों से मुलाकात करते हुए सांत्वना दी। इस दौरान सदस्यों ने विधायक भानु प्रताप शाही के निर्देश पर शोक संतप्त परिजनों को खाद्य सामग्री प्रदान किया। तीन दिन पूर्व बभनीखांड़ डैम में डूबने से गांव के तीन बच्चों की दर्दनाक मौत हो गयी थी।

भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष कुमार कनिष्क ने बताया कि मृतकों के परिजनों के घर जाकर खाद्य सामग्री उपलब्ध करायी गयी है। साथ ही अन्य हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया। कुमार कनिष्क ने कहा कि पूरा भाजपा परिवार शोक संतप्त परिजनों के साथ खड़ा है। विधायक भानु प्रताप शाही ने डीसी से बात कर परिजनों को मदद करने की बात कही है। उन्होंने बताया कि राशन के रूप में चावल, आलू, प्याज, नमक, तेल सहित अन्य सामग्री परिजनों को दी गयी है। इस मौके पर अनुमंडल विधायक प्रतिनिधि ओमप्रकाश गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि अशोक सेठ, प्रभारी महामंत्री जितेंद्र विद्यार्थी, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि जुगेश उरांव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.com

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल सं.- 02 गढ़वा

ई–निविदा सूचना सं0– RDD/SD/GARHWA/06/2023-24

CORRIGENDUM (शुद्धि पत्र)

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस प्रमण्डल द्वारा आमंत्रित ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0– RDD/SD/GARHWA/06/2023-24, PR 299546 Rural Development (23-24).D द्वारा प्रकाशित निविदा में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने का स्थान 1. जिला नियंत्रण कक्ष, गढ़वा, 2. जिला नियंत्रण कक्ष, पलामू एवं 3. e-procurement cell मुख्य अभियंता कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रक्षेत्र, एफ.एफ.पी. भवन, राँची निर्धारित है परंतु टंककीय भुलवश 3. e-procurement cell मुख्य अभियंता कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रक्षेत्र, एफ.एफ.पी. भवन, राँची छुट गया है, का आंशिक संशोधन करते हुए पूर्व NIT के निविदा आमंत्रित की जाती है, शेष कंडिकाएँ यथावत् बनी रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष
प्रमण्डल सं.–02, गढ़वा

PR 299809 Rural Development (23-24)_D

कार्यालयः–जिला स्वास्थ्य समिति, लातेहार।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन समिति, झारखण्ड के अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति लातेहार अधीन संविदा/अनुबंध आधारित विभिन्न पदों पर चयन/नियुक्ति हेतु प्रकाशित विज्ञापन संख्या **01/2023(DHS)** के परीक्षाफल के प्रकाशन से

संबंधित सूचना।

विदित हो कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन समिति, झारखण्ड के अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति लातेहार अधीन विभिन्न संविदा/अनुबंध आधारित (बैकलॉग) पदों पर चयन/नियुक्ति हेतु विज्ञापन संख्या **01/2023(DHS)** प्रकाशित की गई थी। उक्त विज्ञापन के निमित चयन/नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करनें हेतु जिला चयन समिति (स्वास्थ्य विभाग) लातेहार के द्वारा पारित निर्णयों के आलोक में निर्धारित प्रक्रिया के उपरांत तैयार की गई मेधा सूची के मेधाक्रमानुसार लातेहार जिला के लिए परिचारित आरक्षण रोस्टर अनुसार अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। उपरोक्त विज्ञापन से संबद्ध चयनित अभ्यर्थियों का पदवार सूची लातेहार जिले के अधिकृत वेबसाईट **latehar.nic.in** पर अपलोड/प्रदर्शित की जा रही है।

चयनित अभ्यर्थियों को उनका चयन/नियुक्ति पत्र उनके पत्राचार के पते पर निर्गत की जा रही है। चयनित अभ्यर्थी दिनांक–11.06.2023 से जिला स्वास्थ्य समिति के कार्यालय लातेहार में उपस्थित होकर भी नियुक्ति पत्र प्राप्त कर सकते हैं एवं अपनें सभी मूल शैक्षणिक/तकनीकी प्रमाण पत्रों के साथ नियुक्ति पत्र में वर्णित शर्तों के अधीन योगदान करना सुनिश्चित करेंगें।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी
लातेहार।

ज्ञापांक –519/दिनांक–10.06.2023

PR 299772 Health Med Edu and Family Welfare(23-24)D

बैठक : पतंजलि योग समिति की बैठक में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी पर चर्चा

16 जून से पांच दिवसीय पूर्वाभ्यास योग शिविर का होगा आयोजन

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल के तहत सामान्य योगाभ्यास कराया जाएगा : बलराम शर्मा

आजद सिपाही संवाददाता

मेराल। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी को लेकर पतंजलि योग समिति मेराल की एक बैठक सोमवार को समिति के प्रखंड कार्यालय में हुई। जिसमें 21 जून को होने वाले 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में अधिक से अधिक लोगों को शामिल करने तथा इसके पूर्व पांच दिवसीय योग शिविर लगाकर प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास करने पर चर्चा हुई।

प्रखंड प्रभारी बलराम शर्मा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल के तहत सामान्य योगाभ्यास कराया जाएगा जिसमें ग्रीवा चालन, स्कंध संचालन, कटी संचालन, ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्ध चक्रासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रासन, उष्ट्रासन, शशकासन, उत्तान मंडूकासन, वक्रासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतुबंध आसन, उत्तानपादासन, अर्ध हलासन, पवनमुक्तासन एवं शवासन को सम्मिलित किया गया है। इसके अलावा प्राणायाम में कपालभाति, अनुलोम विलोम, भस्त्रिका, तितली प्राणायाम तथा भ्रामरी उदगीत का अभ्यास कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 21 जून को पतंजलि के योग शिक्षकों द्वारा प्रखंड मुख्यालय के साथ-साथ प्रखंड के सभी हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर तथा अन्य पंचायत में भी योगाभ्यास कराया जाएगा। इससे पूर्व प्रखंड मुख्यालय के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रांगण में 16 जून से प्रातः 5:00 बजे से पांच दिवसीय योग शिविर का आयोजन योग शिक्षक छोटन कुमार के नेतृत्व में किया जाएगा। जिसमें पतंजलि योग समिति के सदस्यों के साथ-साथ योग प्राणायाम में रुचि लेने वाले लोगों तथा छात्र-छात्राओं से योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आग्रह किया गया है। बैठक में योग क्षिक्षक रविंद्र प्रसाद गुप्ता, छोटन कुमार, सुषमा कुशवाहा, विजेश्वर प्रजापति, सांसद प्रतिनिधि रूपू महतो, एसडी एके-डमी संजय प्रसाद, भारत भूषण तिवारी बबलू चंद्रवंशी इत्यादि शामिल थे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Road Construction Department, Road Division, Daltonganj.

e-Procurement Notice
e-Tender Ref No- 1/ RCD/Daltonganj/2023-24/ 561 Dated:- 09.06.2023

1.	Name of Work	Widening & Strengthening/Reconstruction of Japla–Navinagar (MDR 127) Bihar Border Road (Total Length- 14.895 K.m) for the year 2022-23.
2.	Estimated Cost	Rs. 47,84,58,981.31 (Rupees Forty Seven Crore Eighty Four Lacs Fifty Eight Thousand Nine Hundred Eighty One and Thirty One Paise) Only.
3.	Bid Security (Amount)	Rs. 47,84,600.00 (Rupees Forty Seven Lac Eighty Four Thousand Six Hundred) Only.
4.	Time of Completion	18 Months
5.	Date of Publication of Tender on Website	22.06.2023, 10:30 AM
6.	Last Date/Time of Online Bid Submission	13.07.2023, 12:00 Noon
7.	Date and Time of Bid opening	17.07.2023, 12:30 PM
8.	Pre Bid Meeting Date & Time	28.06.2023, 15:00 PM
9.	Bid (Tender Fee & EMD) Submission Address	Office of the Chairman , e -Procurement Cell, Room No. 330A, 3rd floor, Road Construction Department, Jharkhand Mantralaya , Dhurwa , Ranchi.
10.	Name & address of officer Inviting tender	Executive Engineer, R.C.D., Road Division, Daltonganj-6562–225019
11.	E-mail Id	eercdmedini-jhr@nic.in
12.	Helpline number of eProcurement cell	0651-2401010

Note : Estimated amount may vary.
For further details can be seen on website http://jharkhandtenders. gov.in

Executive Engineer
Road Construction Department, Road Division, Daltonganj.

PR.NO.299720 Road(23-24):D

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। जिला नियोजन कार्यालय लोहरदगा में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया गया। इस मेले में नियोक्ता कंपनियों; परम स्किल्ल्स, होंडा, हिंडालको, कल्याण गुरूकुल द्वारा कुल 163 छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया गया है और 43 छात्रों को जॉब ऑफर लेटर भी दिया गया। मेला का उद्घाटन अनुमंडल पदाधिकारी लोहरदगा अरविंद कुमार लाल द्वारा किया गया। उन्होंने इस अप्रेंटिस मेला का भरपूर लाभ उठाने की अपील की और कहा कि विभाग द्वारा यह सराहनीय प्रयास है। कार्यक्रम में जिला नियोजन पदाधिकारी अश्विनी कुमार सिंह, प्रवीर कुमार और केंद्रीय समन्वयक अवनीश विद्यार्थी उपस्थित थे।

डीसी के निर्देश पर ईंट भट्ठा का निरीक्षण

लोहरदगा(आजाद सिपाही)। उपायुक्त, लोहरदगा के निर्देश पर श्रम विभाग की ओर से ग्राम स्वराज संस्थान (एनजीओ) लोहरदगा के सहयोग से जिला के चिन्हित स्थानों में शिकायत के आधार पर गठित विशेष धावा दल के द्वारा लोहरदगा जिले के किस्को प्रखंड के छेछरा नावाडीह, दुलरू, शाहेदा आदि स्थानों में गढ़वाल निर्माण ईट भट्ठा में बाल श्रमिकों के रेस्क्यू हेतु निरीक्षण किया गया और सत्यापन में एक भी बाल मजदूर प्राप्त नहीं हुए। आज 12 जून जहां पूरा विश्व अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के रूप में मना रहा है लोहरदगा जिले में भी बाल श्रमिकों के रोकथाम हेतु अभियान चलाया गया। उपरोक्त अभियान में कार्यपालक दंडाधिकारी पवन कुमार, श्रम अधीक्षक दिनेश भगत, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार, बाल कल्याण समिति की सदस्य मनोरमा मिंज टीम मेंबर के अलावे बनारसी प्रसाद पुलिस निरीक्षक, किस्को थाना प्रभारी पॉलकार्प टोप्पो और पुलिस बल सम्मिलित रहे।

रविदास विकास मंच के जिला अध्यक्ष चुन्नी राम का आकस्मिक निधन

लोहरदगा(आजाद सिपाही)। रविदास विकास मंच के जिला अध्यक्ष चुन्नी राम का आकस्मिक निधन सोमवार अपराह्न 5:00 बजे उनके आवास ओपा में हो गया। लगभग 80 वर्षीय मृदुभाषी चुन्नी राम प्रधानाध्यापक के पद से सेवानिवृत्त होने के पश्चात अपना संपूर्ण जीवन समाज के नाम कर दिये। इनके निधन पर समाज शोक संवेदना प्रकट करती है। ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि इनके परिवार वालों को सहनशक्ति प्रदान करे एवं श्रीचरणों में स्थान दे। शोक संवेदना प्रकट करने वालों में कार्यकारी अध्यक्ष रामचरण राम, सचिव बुधन राम, अरुण, रमेश, रघुवीर, लखन लक्ष्मण राम इत्यादि शामिल थे।

फाउंडेशन ट्रस्ट ने सभी पंचायत प्रभारियों के साथ की बैठक

लातेहार (आजाद सिपाही)। महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही सामाजिक संस्था सुकन्या सामाजिक जन सहयोग फाउंडेशन ट्रस्ट सोमवार को बालूमाथ प्रखण्ड पंचायत भवन मे सभी पंचायत प्रभारियो के बीच बैठक किया गया। सभी पंचायत प्रभारी ने अपने पंचायत मे बेहतर ढंग से काम कैसे होगा। इसके उपर सुझाव दिया गया। जिला प्रभारी राजु सिंह ने बताया कि ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य गरीब और असहाय लोगो का मदद करना, साथ ही बेटी बचाओ बेटी पढाओ ये अभीयान पुरे लातेहार जिला मे चलायी जा रही है। उन्होंने बताया कि आज के समय में जन्म प्रमाणपत्र बनवाने में बहुत सारी परेशानी होती है। लेकिन ट्रस्ट उसे 10-15 दिन के अदर ग्रामीणो को घर बैठे मात्र 300 में पहुंचा रही है। आगे बताया की संस्था महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए संस्था की ओर से मोमबत्ती, अगरवत्ती, सिलाई, कढ़ाई, ब्यूटीशियन, मशरूम, पापड़, आदि प्रशिक्षण दिलाया जाता है। मौके पर पंचायत प्रभारी कौशल्या देवी, सीमा देवी, रिता देवी, प्रखंड प्रभारी सरस्वती देवी सहित सभी प्रभारी मौजूद थे।

जनसंपर्क विभाग ने चलाया जन जागरूकता अभियान

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। जिला जनसम्पर्क कार्यालय, लोहरदगा के सूचीबद्ध कलदलों की ओर से कुडू प्रखंड के विभिन्न गांवों में जनजागरूकता और सरकार के लोककल्याणकारी योजनाओं की जानकारी स्थानीय और हिंदी भाषा में नुक्कड़-नाटक/गीत-संगीत के माध्यम से दी गयी। इन कार्यक्रमों में राज्य सरकार के लोक कल्याणकारी योजनाओं यथा सर्वजन पेंशन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, फूलो-झानो आशीर्वाद अभियान, श्रमाधान योजना की जानकारी दी गई। साथ ही, लोगों को लू से बचाव, वज्रपात से बचाव, सर्पदंश से बचाव, हाथा से बचाव के तरीकों को बताया गया।

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफएलएन) विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बच्चे समय से आधारभूत साक्षरता और संख्यायुक्त का ज्ञान प्राप्त करेंगे : डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान (एफएलएन) विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सदर प्रखंड स्थित नया नगर भवन, लोहरदगा में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण और शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मौके पर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि बुनियादी शिक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यह बहुत ही अच्छी पहल है। बच्चों को बहुत आसान तरीकों से शिक्षा दी जायेगी जो बहुत ही अच्छी बात है। इस कार्यशाला में भाग लेने वाले शिक्षकों को इसमें बताये जाने वाले तरीकों को अच्छी तरह सीखना चाहिए ताकि काम आसान हो सके। इसके माध्यम से अब बच्चे समय से आधारभूत साक्षरता और संख्यायुक्त का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। ज्ञात हो कि भारत की अध्यक्षता में पुणे में आयोजित होनेवाले जी-20 की बैठक में एफएलएन को इस बार थीम के रूप में चयनित किया गया है। उपायुक्त महोदय द्वारा वर्ग 1 से 3 तक के नये निपुण भारत के तहत एफ एल एन द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उसकी उपयोगिता और सार्थकता की भी जानकारी सभी शिक्षकों को बुनियादी स्तर पर दिए जाने का सुझाव दिया गया। कार्यक्रम में अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी अम्बुजया पांडेय, प्रमुख; पेशरार, कूडु, राज्य से एफ एल एन प्रतिनिधि सीमा, विश्वदीपक झा, एसीपी श्याम कुमार चौधरी, एफएलएन केआरपी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर, सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, सभी बीआरपी, सीआरपी, जिले के सभी प्रखंड के सभी विद्यालयों (1-8) के शिक्षक, पिरामल फाउंडेशन, सिनी टाटा ट्रस्ट आदि के प्रतिनिधि और प्रतिभागी उपस्थित थे।

डीईओ ने एफ०एल०एन० और निपुण भारत मिशन की जानकारी दी

कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी दास सुनंदा चंद्रमौलेश्वर द्वारा एफ०एल०एन० और निपुण भारत मिशन की जानकारी देते हुए विषय प्रवेश कराते हुए सभी शिक्षकों की महती भूमिका और उनके विद्यालय स्तर पर उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला गया। सभी शिक्षकों को निपुण भारत मिशन के तहत वर्ग 1 से 3 के छात्रों को 2026-27 तक उनके बुनियादी शिक्षा और उनमें संख्यात्मक ज्ञान (एफ एल एन) लक्ष्य की प्राप्ति की भी जानकारी दी गयी। साथ ही उक्त कार्यक्रम में आप सभी शिक्षकों/प्रखंड और संकुल स्तर के कर्मियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका निर्धारित की गयी है।

कैरो क्षेत्र के लोगों को नहीं मिल रहा पीने का साफ पानी

बीडीओ ने कहा, यथाशीघ्र पेयजल उपलब्ध कराया जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

कैरो/लोहरदगा। जिले के कैरो प्रखंड क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों में 14 वें वित्त आयोग की राशि से निर्मित सोलर जलमीनार इन दिनों खराब पड़ी हुई है। खराब जलमीनार लोगों के लिए सफेद हाथी साबित हो रही है। प्रखंड के नरौली पंचायत में लगी जलमीनार बीते कई माह से खराब है। नगजुआ बाजार टाँड़ के समीप लगी जलमीनार खराब पड़ी हुई हैं। इसे लेकर स्थानीय ग्रामीण सुल्तान अंसारी हफीजुल अंसारी लक्ष्मी सिंह देवत साहू समीम अंसारी समेत कई लोगों ने बताया कि पेयजल की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने 14वें वित्त आयोग की राशि से गत वर्ष ही वेंडर के माध्यम से जलमीनार लगवाई गयी थी। पंचायत के पूर्व मुखिया पिंकी उरांव ने तब जलमीनार बनने से लोगों को जल संकट से मुक्ति का भरोसा दिया था, लेकिन बीते एक वर्ष से जलमीनार खराब पड़ी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि नगजुआ चौक पर सप्ताहिक बाजार भी लगता है पीने की पानी का एकमात्र साधन उक्त सोलर जलमीनार ही है। इसके खराब हो जाने से स्थानीय दुकानदारों के साथ-साथ रेलवे स्टेशन आने-जाने वाले यात्रियों को भी पीने की पानी के लिये इधर-उधर भटकना पड़ता है। जबकि उक्त जलमीनार से करीब 10 दुकानदार के अलावा 20 घर भी लाभान्वित हैं, अलग-अलग में रहने वाले दर्जनों घरों के लोग पानी ले जाते थे लेकिन जल मीनार खराब होने से लोगों को भारी फजीहत हो रही है। अनियमितता का आलम यह है कि ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान मुखिया अरविंद उंराव और पंचायत सचिव से कई बार इसकी शिकायत की गयी है लेकिन मुखिया इसपर कोई सूद लेने का प्रयास नही किया है।

इधर प्रखंड के अन्य गांवों में बनी जलमीनारों की स्थिति और भी बदतर हाल में है। आलम यही रहा तो लोगों को मुंह धोना चुनौती बन जायेगा। मामले को ले बीडीओ पवन कुमार ने कहा कि जनता की सहूलियत हेतु यथाशीघ्र पेयजल संकट से निजात दिलाने का कार्य किया जा रहा है, जल्द ही क्षेत्र के लोगों को पीने की पानी की उपलब्धता करा दिया जायेगा।

ऊर्जा जागरूकता रथ को डीसी ने हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

लोहरदगा(आजाद सिपाही)। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण के द्वारा उर्जा विभाग, लोहरदगा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में समाहरणालय परिसर से उर्जा रथ को सभी प्रखंडों में जागरूकता के लिए रवाना किया गया। राज्य सरकार के वन टाईम सेटलमेंट योजना के अंतर्गत उर्जा रथ द्वारा सभी प्रखण्डों में 30 जून 2023 तक लोगों को जागरूक किया जायेगा। इसके योजना के तहत वैसे उपभोक्ता जिनके पास 5 केवी से कम लोड का घरेलू या कृषि कनेक्शन है और बिजली बिल का लंबा बकाया है वैसे उपभोक्ताओं का बकाया बिजली बिल में दिनांक 31/12/2022 तक लगनेवाला ब्याज माफ हो जायेगा। वैसे उपभोक्ता विद्युत प्रमण्डल, लोहरदगा के कार्यालय में 10 बजे पूर्वाहन से 3 बजे अपराह्न तक के बीच संपर्क कर अपने बकाये बिजली बिल का भुगतान कर सकते हैं। विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता दीपक खलखो ने बताया कि यह सरकार की महत्वपूर्ण कल्याणकारी ओटीएस स्कीम है।

मनरेगा योजना समेत विकास कार्य को लेकर बीडीओ ने की आपात बैठक

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री की होने वाली जिलावार समीक्षा बैठक को लेकर सोमवार की देर शाम प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय ने प्रखंड कार्यालय में आपात बैठक प्रखंड में संचालित मनरेगा योजना और अन्य विकास कार्य योजनाओं को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारी और कर्मियों के साथ की। बैठक के दौरान प्रखंड में निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों के जल्द से जल्द पूरा कराने के साथ-साथ प्रखंड क्षेत्र में चिन्हित खेल मैदान पूरा कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में प्रखंड मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी मनीष शर्मा कनीय अभियंता संजय कुमार ऑपरेटर रविकांत रवि रोजगार सेवक बद्री प्रसाद सतनारायण रजक सुमन कुमारी आलम विजय कुमार पप्पू समेत काफी संख्या में प्रखंड के कर्मी मौजूद थे ।

फूड सेमिनार का आयोजन किया गया

लोहरदगा(आजाद सिपाही)। शहर के वीर शिवाजी चौक स्थित होटल सिटी एवेन्यू में फूड फोर्टीफिक्केशन कम सेमिनार का आयोजन किया गया। यह सेमिनार स्टेट लीड राइस फोर्टीफिक्केशन पथ अभिषेक कुमार और राजा कुमार खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी लोरहदगा के द्वारा किया गया। जिसमें जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी भण्डरा, कैरो, किस्को, पेशरार, सभी जन वितरण प्रणाली के विक्रेतागण, आलोक कुमार, अन्नामृत फॉउडेन्सन के मैनेजर और उनके सहकर्मी लोगों को फूड फोर्टीफिक्केशन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी। बताया गया कि फूड फोर्टिफिक्केशन चावल, दूध, नमक, आटा आदि खाद्य पदार्थों में लौह, आयोडिन, जिंक, विटामिन ए और डी जैसे प्रमुख खनिज पदार्थ और विटामिन जोड़ने अथवा वृद्धि करने की प्रक्रिया है जिससे कि इन खाद्यों के पोषण स्तर में वृद्धि हो। कोपेनहेगन सहमति का आकलन है कि फूड फोर्टिफिक्केशन पर यदि 1 रुपया खर्च किया जाता है तो यह अर्थव्यवस्था में 9 रुपये का लाभ पहुँचाता है। और फोर्टिफिक्केशन के पश्चात खाद्य पदार्थों की कीमतों में केवल 1-2% की ही वृद्धि होती है।

सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना कैंप आयोजित

सेन्हा-लोहरदगा(आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय में सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का कैंप आयोजित कर आवेदन प्रपत्र लिया गया। उसी निमित सेन्हा और पेशरार प्रखंड के लिये सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का कैंप आयोजित कर 133 बालिकाओं से आवेदन प्राप्त किया गया। साथ ही जानकारी देते हुए पर्यवेक्षिका परमुनी देवी ने बताया कि सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत 8 वीं से 9 वीं कक्षा की छात्राओं को 2500, 10 वीं से 12 वीं कक्षा में पढ़ने वाली को 5000 और 18 से 19 वर्ष की छात्राओं को 25000 हजार सरकार की ओर से छात्रओं को पढ़ाई व विकास के लिये सहयोग दिया जा रहा है। सेन्हा प्रखंड के सभी 11 पंचायत और पेशरार प्रखंड के दो पंचायत तुईमु और हेसाग से विभिन्न सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाली 3000 छत्राओ से आवेदन लेना है। मौके पर पर्यवेक्षिका परमुनी देवी, अंजनी बेक के अलावे आंगनबाड़ी सेविका और सैकड़ो छात्रायें उपस्थित थी।

शोषण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

भंडरा/लोहरदगा(आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय स्थित सभा भवन में लोहरदगा ग्राम स्वराज्य संस्थान और कैलाश सत्यार्थी के संयुक्त प्रयास से संचालित न्याय तक पहुंच परियोजना के तहत प्रखंड विकास पदाधिकारी रंजीत कुमार सिन्हा की अगुवाई में बाल विवाह , बालश्रम, बाल व्यापार और यौन शोषण के विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया। जिसकी शुरूआत करते हुए बीडीओ रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि किसी भी तरह से बच्चों को होने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी मिलने पर भारत सरकार द्वारा संचालित चाइल्डलाइन की टोल फ्री नम्बर 1098 पर इसकी सूचना दे। अयोजित कार्यशाला में मुख्य रूप से सीडीपीओ, एलईओ, मुखिया, सेविका सहित प्रखंड कर्मी उपस्थित थे।

एम एस महाबोधि इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया का शुभारंभ

लातेहार (आजाद सिपाही)। जिला मुख्यालय के पानी टंकी आईडीबीआई बैंक के समीप एमएस महाबोधी इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया का सुभारंभ किया गया। जिसका उद्घाटन पूर्व जिप सदस्य महेश सिंह, नगर पंचायत उपाध्यक्ष नवीन कुमार सिन्हा के द्वारा फीता काटकर किया गया। वही संचालक कौशल्या कुमारी ने बताया कि कंप्यूटर बेसिक सर्टिफिकेट कोर्स, डाटा एंट्री वर्क सर्टिफिकेट कोर्स, डीटीपी वर्क सर्टिफिकेट कोर्स समेत विभिन्न प्रकार के कई कोर्स कराए जा रहे हैं। मौके पर जेई अंकित कुमार, शमशाद आलम राजदेव मेहता रविंद्र कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

23 साल में भी स्थायी पड़ाव नहीं मिला झारखंड की स्थानीय-नियोजन नीति को

प्रमोद सिंह

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड एक बार फिर नियोजन नीति के सवाल पर सुगबुगा रहा है। झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन की ओर से आहूत दो दिनों के बंद को हालांकि अपेक्षित सफलता नहीं मिली, लेकिन छात्रों ने अपने प्रचार माध्यम के जरिये अपनी बातों को लोगों तक पहुंचा दिया। 60-40 नाय चलतो, अब लोगों की जुबान पर आ गया है। बात-बात में युवा इस नारे का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन छात्रों का कहना है कि झारखंड बने 23 साल होने को आये, लेकिन आज तक इस राज्य की अपनी स्थानीय और नियोजन नीति नहीं बन पायी। गद्दी पर जो भी बैठा, उसने अपने हिसाब से इसे परिभाषित करने का प्रयास किया। छात्रों का कहना है कि राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने भी शुरू में स्थानीय नीति की घोषणा की, नियोजन नीति बनायी, लेकिन आधू-अधूरे मन से उनकी यह घोषणा धरी की धरी रह गयी। हाइकोर्ट ने उनके फैसले को रद्द कर दिया। दरअसल, उनके समय में भी स्थानीय और नियोजन नीति को लेकर सम्यक विचार नहीं किया गया और संविधान के अनुरूप निर्णय नहीं लिये गये। संविधान कहता है कि अगर किसी समाज को आरक्षण की विशेष जरूरत है, तो उसका तार्किक और कानून सम्मत पक्ष सामने आना चाहिए। नीति-सिद्धांत के तहत घोषणा होनी चाहिए। उसके लिए जो जरूरी है, उसका पालन करना चाहिए। आयोग बना कर पक्ष को रेखांकित किया जाना चाहिए। यानी विशेष आरक्षण के लिए कुछ मानक तय हैं, उसका पालन करने से ही उसका लाभ लोगों को मिल सकता है। सिर्फ अध्यादेश लाने और घोषणा कर देने मात्र से वह कानून सम्मत नहीं हो जाता। बाबूलाल मरांडी के बाद राज्य में आयी अर्जुन मुंडा की सरकार ने अपने कार्यकाल में इसे नहीं छेड़ा। वह पूर्व के नियमों पर ही चलते रहे। दूसरे कार्यकाल में लगभग डेढ़ साल पहले अर्जुन मुंडा की कैबिनेट में शामिल हेमंत सोरेन ने उनसे स्थानीय और नियोजन नीति के सवाल पर ही अपनी राह जुदा कर ली। कांग्रेस के समर्थन से उन्होंने अपनी सरकार बनायी। उस छोटे से कार्यकाल में स्थानीय और नियोजन नीति पर कोई स्पष्ट निर्णय नहीं बन पाया।

2014 में जब रघुवर दास के नेतृत्व में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार आयी, तो दो साल तक उस सरकार ने भी इस मुद्दे को हाथ नहीं लगाया। कार्यकाल के तीसरे वर्ष में रघुवर दास सरकार ने अपने हिसाब से स्थानीयता परिभाषित की। उसने नियम बनाया कि जो व्यक्ति 1985 या उससे पहले से झारखंड में बस गया है, वह स्थानीय माना जायेगा। उसके हिसाब से उन्होंने नियोजन नीति भी बनायी और उस नियम के तहत नियुक्तियां भी हुईं। लेकिन रघुवर दास की स्थानीय नीति की यह परिभाषा शुरू से ही झामुमो और उसके नेतृत्वकर्ता हेमंत सोरेन को पसंद नहीं थी और उन्होंने अगले चुनाव में 1932 के खतियान को लेकर आंदोलन का बिगूल फूंक दिया। झारखंड की पहचान 1932 का खतियान नारा इतना लोकप्रिय हो गया कि यह हर आदिवासी-मूलवासी की जुबान पर आ गया। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में यह जन-जन के हृदय में समा गया। इसका परिणाम रहा कि 2019 के चुनाव में झामुमो और कांग्रेस गंठबंधन ने भाजपा को धूल चटा दी और राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली।

हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनते ही आदिवासियों-मूलवासियों के अंदर की आकांक्षाएं हिलोरें मारने लगीं। झामुमो और कांग्रेस के नेता-विधायक और मंत्री बार-बार 1932 खतियान की बात करने लगे। उन्हें इसके लिए जनसमर्थन भी मिलना शुरू हो गया। सत्ता पक्ष के विधायक सरकार से यह मांग करने लगे कि 1932 खतियान के आधार पर यहां स्थानीय और नियोजन नीति बनायी जाये। इस मांग के अनुरूप हेमंत सोरेन सरकार ने रघुवर दास के समय बनायी गयी स्थानीय नीति को रद्द कर दिया। लिहाजा उसके आधार पर नियोजन नीति भी रद्द हो गयी। इसे विधानसभा से पारित भी करा लिया गया। चूंकि यह झारखंड के जन-जन की मांग है, यही कारण है कि भाजपा भी विधानसभा में इसका विरोध नहीं कर पायी। उसने भी समर्थन कर दिया। उसके बाद नयी नीति के तहत यहां एक बार फिर नियुक्ति नियमावली बनी और उसके आधार पर झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने नियुक्तियों के लिए विज्ञापन निकाला और नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो गयी। कुछ नियुक्तियां हुईं भी, लेकिन इसी बीच कुछ लोगों ने इस नियोजन नीति के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटा दिया। अदालत ने उस नियोजन नीति को गैर संवैधानिक करार दिया और एक बार फिर नियुक्ति पर रोक लग गयी। अदालत के आदेश के आलोक में हेमंत सोरेन ने पुरानी नियोजन नीति के आधार पर एक बार फिर जरूरी पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की। जैसे ही इसके लिए विज्ञापन निकला, एक बार फिर झारखंड के छात्रों ने इसके खिलाफ आंदोलन का बिगूल फूंक दिया। वे सड़कों पर उतर गये। उनका तर्क है कि 60-40 की नीति से एक बार फिर झारखंड में बाहरियों का प्रवेश हो जायेगा। झारखंडियों के हक पर सेंधमारी हो जायेगी। इसमें कोई दो राय नहीं कि हेमंत सरकार भी ऐसा नहीं चाहती है, लेकिन कानून के आगे वह विवश है और विवशता में उसने पुरानी नियोजन नीति के आधार पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की है, जिसका छात्र विरोध कर रहे हैं।

यह दूसरा अवसर है, जब आदिवासी-मूलवासी छात्र संगठन नियोजन नीति के विरोध में सड़कों पर उतरे हैं। इसमें राहत की बात यह है कि छात्रों ने तोड़फोड़ नहीं मचायी, वे हिंसक नहीं हुए, उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से अपना आंदोलन चलाया है और लोगों को समझाने का प्रयास किया है। हालांकि उन्हें आंदोलन में अपेक्षित सफलता नहीं मिल पायी है, लेकिन वे अपनी बात लोगों तक पहुंचाने में कामयाब हुए हैं। यहां तक कि उनकी मांगों का समर्थन सत्ता और विपक्ष के विधायकों ने भी किया है। जाहिर है, हेमंत सरकार भी दिल से यही चाहती है कि 1932 खतियान के आधार पर स्थानीय और नियोजन नीति को कानून का दर्जा मिले। उसने विधानसभा से इसे पारित कर राज्यपाल के माध्यम से केंद्र तक अपनी बात पहुंचाने की कोशिश की। हालांकि राज्यपाल ने इसे पुनर्विचार के लिए वापस कर दिया है। उन्होंने कहा है कि इसे कानून सम्मत बनाया जाये, संविधान के अनुरूप बनाया जाये। फिलहाल उस नीति पर अभी धुंध का साया है, लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि झारखंड को यहां के स्थानीय लोगों, मूलवासियों और आदिवासियों के हक को ध्यान में रख कर स्थानीय और नियोजन नीति पर तो मुहर लगनी ही चाहिए। केंद्र भी इस पर विचार करे। अगर भाजपा यह प्रचारित करती है कि झारखंड का गठन उसने किया, तो उसका फर्ज भी है कि जिनके लिए झारखंड का गठन हुआ, जिन कठिनाइयों को दूर करने के लिए इसका गठन हुआ, उसके अनुरूप तो स्थानीय और नियोजन नीति बननी ही चाहिए। अगर उसके लिए कुछ पेंचिदगियां सामने आ रही हैं, तो उन्हें राज्य और केंद्र सरकार को दूर करना चाहिए, तभी झारखंड गठन का मकसद हासिल होगा। यहां के लोगों को अधिकार मिलेगा।

फायरिंग व हत्या की नियत से घर में घुसे पांच उग्रवादियों को 10-10 साल की सजा

पांचों आरोपियों पर 50-50 हजार रुपए का लगाया गया जुर्माना

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला थाना क्षेत्र के वृंदा नायकटोली निवासी विनिता उरांव के परिजनों की हत्या करने के प्रयास करने वाले पांच उग्रवादियों को एडीजे चार अंजनी अनुज की अदालत में 10-10 साल की सजा सुनायी गयी है। आरोपी रामनारायण गोप, राम किशुन गोप, रमेश गोप, सोमनाथ गोप व परमेश्वर गोप को धारा 307/149 के तहत 10-10 साल की सजा व 50-50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना की राशि नहीं देने पर एक-एक साल अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ सकती है। घटना पांच मई 2020 की है। जिसके अगले दिन विनिता ने गुमला थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। दर्ज प्राथमिकी में कहा है कि उस समय विनिता उरांव अपने बच्चों के साथ खाना खाकर घर में सोने की तैयारी कर रही थी। उसी रात्रि 8:30 बजे कुछ व्यक्ति उसके घर के पास आकर दरवाजे में लात मारे और गाली गलौज करते हुए कहने लगे कि दरवाजा खोलो आज तुमलोगों को खत्म कर देंगे। जिसके बाद विनिता ने उसकी आवाज की पहचान अपने गांव के बगल में रहने वाले बसंत गोप के रूप में किया। जिसके बाद वह अपने बच्चों की जान बचाने की सोचकर डर कर लाइट बंद करके हाथ में कुल्हाड़ी पकड़ कर घर के मुख्य दरवाजे के किनारे छुप गयी। फिर वे लोग फिर दरवाजा में जोर जोर से लात मारने लगे और दरवाजा में फारिंग करने लगे। फायरिंग बंद होने के बाद बसंत गोप ने कहा कि परमेश्वर तुम दरवाजा को तोड़ दो। जिसके बाद दरवाजा टूटते ही एक ने जान से मारने की नियत से घर में अंदर में फायरिंग की। जैसे ही एक व्यक्ति ने घर में प्रवेश किया वैसे ही विनिता ने अपने परिवार की जान बचाने की नियत से उस पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। जिसके बाद वह व्यक्ति पीठ के बल गिर गया। जिसे उसके साथी अपने कंधा में लाद कर ले गये। जिसके अगले दिन उग्रवादी बसंत गोप का शव वृंदा जंगल से मिला था।

फायरिंग और लेवी मांगने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को पकड़ कर भेजा जेल

चंदन पर गुमला व सिसई थाना में 11 मामले दर्ज हैं जबकि जुलियन पर गुमला थाना में सात केस दर्ज हैं : एसडीपीओ

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। लेवी वसूलने के लिए दहशत फैलाने के मकसद से फायरिंग करने वाले पेशेवर अपराधी जुलियन मिंज उर्फ जूली व चंदन वर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से देसी कट्टा, जिंदा गोली और मोबाईल फोन बरामद किया गया है। बताया जा रहा है कि खड़ियापाड़ा इलाके के किसी मिंज परिवार से इन लोगों ने 50 हजार रुपए की लेवी की मांग की थी। हालांकि पीड़ित परिवार द्वारा इसकी कोई लिखित शिकायत नहीं की गई है। लेकिन वसूली के दौरान दहशत फैलाने के लिए उस इलाके में अपराधियों ने फायरिंग की थी। तभी पुलिस को गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस उक्त स्थल पर पहुंची और दोनों को गिरफ्तार किया गया। सोमवार को मीडिया के समक्ष पेश कर दोनों को जेल भेज दिया गया है। अपराधियों में चंदन वर्मा वर्ष 2005 में घटित चर्चित दोहरे हत्याकांड का आरोपी है। इस घटना में आरोपी ने जमीन विवाद के कारण अपने दादा-दादी की हत्या कर दी थी। जिसमें न्यायालय द्वारा आरोपी को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा मुकर्रर की गई है। फिलहाल वह बेल में बाहर था और आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से जुटा हुआ था।

प्रेस वार्ता में एसडीपीओ मनीषचंद्र लाल, थाना प्रभारी मनोज कुमार, पुअनि दिलीप टुडू, सुदामा राम, सअनि बबलू बेसरा थे।

एसडीपीओ मनीषचंद्र लाल व थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि रविवार की रात्रि 8:30 बजे के करीब गुप्त सूचना मिली कि खड़ियापाड़ा पुल के पास कुछ लड़के बैठे हुए हैं तथा उनलोगों के पास हथियार है। वे किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना को संज्ञान में लेते हुए एसपी के निर्देश पर छापामारी टीम का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान जुलियन मिंज व चंदन वर्मा पुलिस को देख भागने लगे। जिसे खदेड़ कर पकड़ा गया। तलाशी के क्रम में जुलियन के पास से देसी कट्टा, जिसके चैंबर में एक खोखा व पाकेट से 315 बोर की गोली तथा चंदन के पास से दो जिंदा गोली व एक खोखा बरामद किया गया। हथियार व गोली के संबंध में कागजात प्रस्तुत नहीं करने पर दोनों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपना जुर्म स्वीकार किया और पुलिस को कई अहम जानकारी दी है। जिसपर अनुसंधान किया जा रहा है।

जुलियन व चंदन दोनों शहर के सिसई रोड के निवासी हैं। चंदन पर गुमला व सिसई थाना में 11 मामले दर्ज हैं, जो हत्या, रंगदारी, लूट, आर्म्स एक्ट आदि से जुड़े हैं। जबकि जुलियन पर गुमला थाना में सात केस अंकित हैं। ये मामले भी रंगदारी, लूट, आर्म्स एक्ट से संबंधी है। पुलिस के अनुसार दोनों की गिरफ्तारी बड़ी सफलता है। चुंकि दोनों पेशेवर क्रिमिनल है और इनके खुलेआम घुमने से आपराधिक वारदात की आशंका बनी रहती।

महत्वपूर्ण न्यूज

कांग्रेस नेता भानु प्रताप बड़ाईक ने मृतकों के परिजनों से मिल कर दी खाद्य सामग्री

बसिया (आजाद सिपाही)। प्रदेश चेयमैन सह सिसई विधान सभा युवा नेता भानु प्रताप बड़ाईक ने बसिया प्रखंड के सरूडा कोढ़ाटोली गांव में बीते दिन अपनी पत्नी और पुत्र को टांगी से मार कर हत्या कर दी थी और खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उनके परिवार में उनकी दो बेटी रेनुका मिंज उम्र 14 वर्ष और उर्सला मिंज उम्र 10 वर्ष दोनों बच्चे अनाथ हो गए। शोकाकुल परिवार और उन दोनों बच्चों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की तथा उसी गांव के सिलबानुस तिग्गा की पत्नी मलेरिया के कारण उनका देहान्त हो गया था उनके पीछे दो वर्ष की दूधमुही बच्ची तथा बड़ी बेटी उम्र 7 वर्ष को पीछे छोड़ गई। पिता सिलबानुस तिग्गा ने भानु प्रताप बड़ाईक को बताया कि दूधमुही बच्ची को गरीबी के कारण भरण पोषण करने में दिक्कत आ रही है। उन्होंने दोनों परिवारों को उनके घर जाकर 25-25 किलोग्राम चावल और अन्य खाद्य सामग्री दी। साथ ही ग्रामीणों से गांव के विभिन्न समस्याओं से अवगत हुए। भानु प्रताप बड़ाईक से ग्रामीणों ने कहा एक महीने से ट्रांसफार्मर खराब होने से बिजली नहीं है और इस गांव में एक भी चापाकल नहीं है। जिसके कारण पीने के पानी की समस्या है। इन विभिन्न समस्यायों से अवगत होकर भानु प्रताप बड़ाईक ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि इन समस्यायों को जल्द से जल्द निदान किया जायेगा। साथ ही सिडिबिरा गांव के राहुल साहू जिनका देहान्त जम्मू कश्मीर में जीप के खाई में गिरने के कारण हो गया था उनके शोकाकुल परिवार से मुलाकात की एवं शोक संवेदना व्यक्त की और यथासंभव मदद करने आश्वासन दिया। मौके पर कांग्रेस जिला युवा उपाध्यक्ष अरविन्द साहू, युवा कांग्रेस के मानिस साहू, जोसेफ सुरीन, अजय कुमार साहू सहित कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिसई लैम्पस में 50 प्रतिशत छूट के साथ धान बीज की बिक्री की हुई शुरुआत

सिसई (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित सिसई लैम्पस में सोमवार को धान बीज बिक्री की शुरुआत की गई। बिक्री केन्द्र का शुभारंभ सांसद प्रतिनिधि निरंजन सिंह, बीडीओ सुनीला खलखो व सीओ अरुणिमा एक्का ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान बीडीओ ने कहा कि प्रखंड क्षेत्र के सिसई लैम्पस में पंजीकृत किसानों के लिए उन्नत किस्म हाईब्रिड (डीआर आरएच-2) धान बीज किसानों को 50 प्रतिशत छूट के साथ 101 रुपए 50 पैसे प्रति केजी की किफायती दर पर उपलब्ध है। खेती के लिए प्रति एक-ड़ 8 केजी धान बीज की आवश्यकता होती है। पंजीकृत किसान आवश्यकता अनुसार लैम्पस से धान बीज की खरीदारी कर सकते हैं। वहीं सचिव बंधन महली ने बताया कि वर्तमान में सिसई लैम्पस में कुल 15 क्विंटल धान बीज बिक्री हेतू उपलब्ध है। जिन किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है वो आकर धान बीज खरीद सकते हैं। वहीं वैसे किसान जो रजिस्ट्रेशन कराना चाहते हैं वे अपना आधार कार्ड, मोबाईल नम्बर के साथ ऑनलाईन आवेदन कर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इस मौके पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी अजय कुमार साहू, बीटीएम सुनील कुमार, एटीएम आकाश राज, नजरुल अंसारी, भाग्य लक्ष्मी, मुकेश महतो, लैम्पस अध्यक्ष महादेव उरांव, सचिव बंधन महली, कृषि मित्र रणविजय सिंह, कृषक मनोज सिंह कई किसान मौजूद थे।

विरोध दर्ज कराने का बदलें तरीका, आमजनों की परेशानी का रखें ख्याल : रमेश चीनी

गुमला (आजाद सिपाही)। इन दिनों विभिन्न संगठनों द्वारा अपनी मांगों को लेकर लगातार बंद बुलाई जा रही है। इस बंदी से आमजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर चैंबर के पूर्व अध्यक्ष रमेश कुमार चीनी ने कहा कि कोई भी संगठन या व्यक्ति अपनी मांगों को लेकर विरोध करने के लिए स्वतंत्र है। किंतु उन्हें यह ध्यान रखना चाहिए कि उनके कारण आम जनमानस को कठिनाई न हो। अभी लगातार हो रही बंदी से शादी विवाह में ज्यादा बाधा उत्पन्न हो रही है। जिनके घरों में शादी है। उनकी तैयारियां प्रभावित हो रही हैं, तो कोई अतिथि शादी-विवाह वाले घर में नहीं पहुंच पा रहे हैं। कोई बंदी के डर से जरूरी काम या मेडिकल कार्यों से नहीं जा पा रहा है। ऐसे में सभी के हित का ख्याल रख विरोध का तरीका बदलना चाहिए।

पुलिस ने शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने के मामले में युवक को गिरफ्तार कर भेजा जेल

सिसई (आजाद सिपाही)। सिसई पुलिस ने शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया। इस बावत जानकारी देते हुए थाना प्रभारी आदित्य कुमार चौधरी ने बताया कि बीते शुक्रवार को थाना क्षेत्र के कोडेदाग गांव निवासी स्वाति कुमारी ने उड़ीसा के सुंदरगढ़ जिला के रायबांगा थाना के जामबहाल गांव निवासी अभिषेक कुमार सिंह के विरुद्ध शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने और बाद में शादी से मुकरने और किसी अन्य लड़की से शादी करने की तैयारी करने का आरोप लगाकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। केस दर्ज कर कार्रवाई करते हुए आरोपी अभिषेक कुमार सिंह को उसके घर से गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया गया है।

मुखिया का जाली हस्ताक्षर व मोहर का प्रयोग कर रहे हैं भू-माफिया, मुखिया संघ ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला में भू-माफिया सक्रिय हैं। उनकी हरकत जब सामने आने लगी तब मुखिया के होश उड़ गए। गुमला प्रखंड के मुखिया संघ की बैठक पुगू पंचायत सचिवालय में हुई। जिसमें भू-माफियाओं द्वारा जाली हस्ताक्षर कर जमीन खरीद-बिक्री का मामला छाया रहा। अरमई पंचायत के मुखिया का भू-माफियाओं द्वारा जाली हस्ताक्षर मामले में गुमला थाना में प्राथमिकी भी हुई थी। इसके बाद भी शायद इस तरह की और घटना सामने आयी है। यही कारण है कि मुखिया संघ की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लेने के बाद उपायुक्त के नाम ज्ञापन सौंपा है। जिसमें भूमि खरीद-बिक्री मामले में जाली मोहर और जाली हस्ताक्षर के सत्यापन के लिए कर्मचारी रिपोर्ट से पहले मुखिया को दिखाने, स्थल जांच में भी मुखिया को शामिल करने, पंचायत स्तर पर एक समन्वयक बनाए जाने, बैक एवं हल्का कर्मचारी के साथ साप्ताहिक बैठक सुनिश्चित करने तथा त्रुटिपूर्ण जमीन का पंचायत स्तर पर कैंप लगाकर सुधार करने की मांग की है। इसके अलावे प्रखंड कार्यालय में मुखिया की बैठने की व्यवस्था दी जाए। धूप और वर्षा के मौसम में भी मुखिया को पेड़ की छांव व शेड आदि में अपना कार्यों का निपटारा करना पड़ता है। सभी तरह के विकास योजनाओं का क्रियान्वयन मुखिया एवं ग्राम सभा के माध्यम से किए जाने आदि की मांग की है। उपायुक्त को ज्ञापन सौंपने वालों में गौरी किंडो, सत्यवती देवी, नरेश उरांव साहित काफी संख्या में मुखिया शामिल थे।

डायन बिसाही के शक में वृद्ध दंपती की हत्या के 11 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

गुमला (आजाद सिपाही)। डायन बिसाही के शक में अरको महुआटोली पुसो के वृद्ध दंपत्ती विगनी देवी व सहदेव उरांव की हत्या के 11 आरोपियों को एडीजे वन दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत में आजीवन कारावास की सजा सुनायी गयी। इस मामले में अरको महुआटोली पुसो निवासी फुलचंद उरांव, बुद्धेश्वर उरांव, महेश उरांव, सुरेश उरांव, सुखराम उरांव, सुमित उरांव, परमेश्वर उरांव, फूलमनी देवी, सीता देवी, रामचंद्र महतो, लाला उरांव को धारा 302/34 में आजीवन कारावास की सजा व 25-25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना की राशि नहीं देने पर एक साल अतिरिक्त सजा भुगतना पड़ सकती है। इस संबंध में अरको महुआ टोली निवासी ने बालेश्वर उरांव ने अपने वृद्ध माता पिता की हत्या के आरोप में कुल सात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी थी। जिसके बाद अनुसंधान के क्रम में अन्य चार लोगों के नाम सामने आये। घटना 31 अगस्त 2018 की है। उस दिन आरोपियों ने दोनों वृद्ध दंपत्ती विगनी देवी व सहदेव उरांव पर डायन बिसाही का आरोप लगा कर पत्थर से कूच कर हत्या कर दी। वहीं सहदेव उरांव की हत्या के उपरांत स्कूल से कुछ दूर पर एक पेड़ से रस्सी के सहारे उसका शव लटका दिया था।

बाइक व ऑटो की टक्कर में बाइक सवार घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला लोहरदगा रोड स्थित बैंक ऑफ इंडिया टोटो के समीप बाइक व ऑटो की सीधी भिड़ंत में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना रविवार की शाम 6:30 बजे की है। घायल व्यक्ति के भाई ने बताया मेरा भाई लोंगा बिशनपुर निवासी 40 वर्षीय अंघनू उरांव पिता स्वर्गीय बलराम उरांव जो चाईबासा में सिपाही पद पर कार्यरत है। छुट्टी में घर आया था। जिसके बाद रविवार को टोटो के समीप लोरो मुझसे मिलने आया था। मिलकर वह नौडीहा चौक घाघरा जा रहा था, तभी बैंक ऑफ इंडिया टोटो के समीप एक अज्ञात ऑटो से टक्कर हो गई। वही बताया कि मेरा भाई नौडीहा चौक घाघरा में घर बना कर रहता है। वहीं घायल को तत्काल सदर अस्पताल गुमला लाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। वही उसे सीने में गंभीर चोट लगी है। मौके से ऑटो चालक फरार हो गया।

दो चचेरे भाई ने युवक को मारपीट कर किया घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के अरमई गांव में मनीष मिर्धा व उसके चचेरा भाई दोनों ने मिलकर अरमई निवासी 45 वर्षीय सुनील साहू उर्फ गंदूर पिता स्व. मोतीलाल साहू को मारपीट कर घायल कर दिया। जिसके बाद घायल युवक मामले को लेकर गुमला थाना पहुंचा। जहां प्राथमिकी दर्ज की गई। वहीं युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। थाना को दिए गए आवेदन में युवक ने बताया रविवार की रात 9:30 बजे मैं डूमरडीह शादी समारोह में जाने के लिए तैयार हो रहा था, तभी दोनों चचेरे भाई आये और लाठी-डंडों से मेरे ऊपर हमला कर दिया। घटना में मेरा नाक फट गया और सिर में गंभीर चोट लगी। वहीं युवक ने बताया मैं अरमई में भाड़े के मकान में रहता हूं और ऑटो चलाता हूं। युवक मारपीट के कारणों को नहीं बता पाया। पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

ठप पड़ी जलापूर्ति योजना का प्रखंड कांग्रेस ने किया निरीक्षण

सिसई-करकरी जलापूर्ति ठप होने से क्षेत्र में पेयजल के लिए हाहाकार मचा है : बैबुल अंसारी

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। प्रखंड के सिसई, लकेया, भदौली व कुदरा क्षेत्र में होने वाली पानी सप्लाई पिछले एक सप्ताह से बंद होने से भीषण गर्मी में पानी की किल्लत से लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसे लेकर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष बैबुल अंसारी की अगुवाई में कांग्रेसियों ने पानी टंकी व नदी जलापूर्ति स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान बैबुल अंसारी ने कहा कि प्रखंड के करकरी कंस नदी स्थित जलापूर्ति ठप हो जाने से प्रचंड गर्मी के बीच आसमान से बरस रही आग से सिसई वासियों को पेयजल के लिए भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लोग आरओ वाटर व बोतल बंद पानी के भरोसे है। जो गरीब व्यक्ति है जिन्हें पानी की किल्लत है वह ईश्वर भरोसे इधर उधर से पानी लाकर अपनी दिनचर्या की पूर्ति कर रहे हैं। विभागीय लापरवाही के कारण पानी की किल्लत जनता भोग रही है। इसका परिणाम है कि भीषण गर्मी में सिसई वासियों को एक-एक बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन व संबंधित विभाग से सप्लाई नहीं होने पर पानी टैंकर के माध्यम से क्षेत्र की जनता को पेयजल आपूर्ति कराने की अपील की। वहीं निरीक्षण के दौरान देखने को मिला की जगह-जगह पंप सेट लगाकर मछली पकड़ा जा रहा है। जलापूर्ति घर के समीप से बालू के अवैध उठाव से नदी का जल स्तर सुखने के कागार पर है। पीएचईडी विभाग द्वारा सही से निगरानी व मिट्टी बांध बनाकर पानी स्टोरेज कर पानी की सप्लाई सुचारू रूप से की जा सकती है। विभाग द्वारा इस पर जल्द एक्शन नहीं लिया गया तो कांग्रेस पार्टी जनता के साथ सड़क पर उतरने को मजबूर होगी। मौके पर जिला सेवा दल अध्यक्ष सद्दाम हुसैन अंसारी, मीडिया प्रभारी इमरोज अंसारी,सिसई दक्षिणी मंडल अध्यक्ष बिहारी भगत, उपाध्यक्ष विशेश्वर मुंडा, करमसाय जी, मुकेश मुंडा, बबलु अंसारी आदि मौजूद थे।

स्पोर्ट्स अकादमी के समर कैंप का हुआ समापन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। स्पोर्ट्स एकेडमी द्वारा आयोजित 15 दिवसीय समर समर कैंप का समापन हो गया। एकेडमी के निदेशक सह झारखंड हैंडबॉल फेडरेशन के सह सचिव सैयद जुन्नू रैन ने कहा स्पोर्ट्स अकादमी बीते कई वर्षो से समर कैंप प्रतियोगीता का निशुल्क आयोजन करती आ रही है। इस प्रशिक्षण शिविर में काफी खिलाड़ियों ने भाग लिया। बताया कि समर कैंप को लेकर बच्चे में इतनी उत्सुकता थी कि गर्मी छुट्टी मनाने दूर दूर से नानी घर दादी घर पर आए हुए बच्चों ने समर कैंप में भाग लिया। कैंप की 28 मई को शुरुवात की गई थी और इसका समापन सुचारू रूप से हैंडबॉल मैच करा कर 11 जून को खत्म कराया गया। हैंडबॉल मैच स्पोर्ट्स अकादमी और गुमला हैंडबॉल के बीच हुआ जिसमें गुमला हैंडबॉल के बालकों ने बाजी मारी। तत्पश्चात समापन के तौर पर सभी अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में ई.एच. खान उपस्थित थे। वहीं सीनियर खिलाड़ी में दीपक कुमार, विक्रम राज, विकास साहू, रवि, अनीश, नीरज, प्रवीण, विजय उपस्थित थे।

दुकानदार ने मैकेनिक के साथ की मारपीट

गुमला (आजाद सिपाही)। सिसई रोड स्थित झारखंड मोटर्स के ऑनर मोहम्मद लालो और मोहम्मद सोनू ने सामान खरीदने के बाद वापसी करने गए मैकेनिक के साथ मारपीट की। घायल युवक पालकोट रोड स्थित पुल के समीप एक दुकान में मैकेनिक का काम करता है। जिसके बाद मामले को लेकर मैकेनिक ने गुमला थाना में दोनों भाइयों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। दर्ज प्राथमिकी में कहा रविवार को दिन के 1.30 बजे झारखंड मोटर्स दुकान में एक समान खरीदने गया। सामान मशीन में फिट नहीं होने कारण एक घंटे बाद उसे वापसी कराने गया था। लेकिन समान को उन लोगों ने वापस नहीं किया और दोनों भाइयों ने मारपीट की। घायल युवक अल्ताफ अली पिता कुर्बान अली गौस नगर निवासी है। वही मामले को लेकर पुलिस जांच में जुटी है।

दो बाइकों की टक्कर में एक युवक घायल

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के कोको टोली के समीप सोमवार को दो बाइकों की टक्कर में 34 वर्षीय कृष्णा कांत मिश्रा नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में ग्रामीणों द्वारा 108 एंबुलेंस की मदद से घायल कृष्णा कांत मिश्रा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिशनपुर लाया गया। जहां उपचार उपरांत बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गुमला रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार पशु चिकित्सक कृष्णा कांत मिश्रा अपनी बाईक से बिशनपुर की तरफ आ रहे थे वहीं महुआडांड़ से रांची के लिए बाइक से प्रीतम बड़ाईक जा रहे थे, कोको टोली के समीप टक्कर से दोनों गिर गए, जिससे कृष्णा कांत मिश्रा का एक हाथ टूट गया।

स्क्रूटनी : अंजुमन इस्लामिया के पदाधिकारियों के चुनाव में सभी नौ प्रत्याशी लड़ेंगे चुनाव

चुनाव कमेटी ने सूझबूझ ने मुस्लिम समुदाय को बंटने से बचा लिया

सभी आवेदकों को नामांकन पर्चे में जुर्माने के साथ दिया सुधार का अवसर

सुधाकर कुमार

प्रत्याशियों को दिया गया भूल सुधार का अवसर : इरफान

स्क्रूटनी के दौरान जब नामांकन पर्चों का अवलोकन किया गया तो पाया गया कि लगभग सात पर्चों में छोटी-मोटी त्रुटियां मौजूद हैं जबकि दो पर्चों में बड़ी त्रुटि पाई गई। लेकिन त्रुटि त्रुटि होती है जब सभी प्रत्याशियों ने पर्चे भरने में कुछ ना कुछ त्रुटि की थी तो कमेटी ने निर्णय लिया कि जुर्माने के साथ सभी प्रत्याशियों को भूल सुधार का मौका मिलना चाहिए। चुनाव कमेटी में सभी प्रत्याशियों पर 500 रु. का आर्थिक जुर्माना लगाते हुए नामांकन पर्चे में सुधार का अवसर प्रतायाशियों को दिया गया। भूल सुधार के बाद सभी प्रत्याशियों को चुनाव लड़ने की स्वीकृति मेरे द्वारा दी गई। चुनावी प्रक्रियाएं अधिसूचना के अनुसार चल रही हैं।

गुमला। अंजुमन इस्लामिया के पदाधिकारियों के चुनाव में सभी नौ प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे। स्क्रूटनी के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि नाम वापसी से पहले तक नाजिम ए आला के 4 उम्मीदवार मो. खलील अशरफी, हुसैन खान, सैयद सैफुल्लाह और अब्दुल जब्बार रिजवी मैदान में हैं। वहीं सदर पद के तीन उम्मीदवार इरशाद खान बबलू, मिन्हाज खान और अधिवक्ता मुशाहिद आजमी हैं। सचिव पद के लिए अधिवक्ता मो. खुर्शीद आलम और अधिवक्ता मकसूद आलम चुनावी मैदान में डटे हुए हैं। स्क्रूटनी के बाद इन सभी उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने की स्वीकृति दी गई है। रविवार की देर संध्या जैसे ही स्क्रूटनी का दौर शुरू हुआ मुस्लिम समुदाय के बीच काफी गहमागहमी देखी गई। नामांकन पर्चा की स्क्रूटनी के दौरान सभी प्रत्याशियों के आवेदन या हलफनामे में कुछ ना कुछ छोटी-बड़ी त्रुटियां देखी गईं। कुछ लोग यह अंदाजा लगा रहे थे कि कुछ आवेदकों का नाम स्क्रूटनी के दौरान बाहर कर दिया जाएगा। जब चुनाव पर्यवेक्षक आफताब अंजुम ने दो तीन आवेदनों को विचाराधीन श्रेणी में रखा उस समय माहौल काफी गर्म हो गया। विचाराधीन रखे गए आवेदकों के समर्थक अंजुमन चुनाव कार्यालय के बाहर तरह तरह की बातें करते देखे गए। लेकिन चुनाव कमेटी की सूझबूझ से लिए गए फैसले ने जहां कई मायूस चेहरों की मुस्कान लौटा दी वहीं पूरे मुस्लिम समुदाय को कई भागों में विभक्त होने से बचा लिया। चुनाव कमेटी द्वारा लिए गए फैसले से मुस्लिम समुदाय में फिलहाल हर्ष का माहौल देखने को मिल रहा है। चुनाव कमेटी ने सभी प्रत्याशियों के नामांकन पर्चों को बारीकी से जांच की तो पाया गया कि लगभग सभी नामांकन पर्चों में छोटी बड़ी कुछ न कुछ त्रुटि जरूर है। इन त्रुटियों को देखने के बाद अंजुमन चुनाव कमेटी ने लगभग 20 मिनट तक सभी सदस्यों के साथ मंथन किया और निष्कर्ष के रूप में 500 रु. के आर्थिक दंड के बाद सभी प्रत्याशियों को त्रुटि सुधार का मौका देते हुए सभी प्रत्याशियों को चुनाव लड़ने के लिए स्वीकृति प्रदान की। जैसे ही इस बात की स्क्रूटनी सभा में घोषणा की गई पूरा सदन तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सभी प्रत्याशियों सहित वहां मौजूद लोगों ने चुनाव कमेटी के इस निर्णय का स्वागत किया और कहा कि चुनाव कमेटी निष्पक्ष तरीके से अपना काम कर रही है।

चुनाव कमेटी के पदाधिकारियों ने अपनी सूझबूझ से काम लेते हुए समुदाय को कई भागों में विभक्त होने से बचा लिया है।

ढकचा में गैस सिलेंडर लीक होने से घर में लगी आग, लाखों की क्षति

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। हरिहरगंज थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती ग्राम पंचायत ढकचा में रविवार की देर शाम सुनेश्वर यादव के घर में आग लग गई। जिससे खप्परैल का घर और बरामदा जल गया। साथ ही घर ढलाई के लिए घर में रखा 60 हजार रुपये नगद, जेवरात, कपड़ा, अनाज, बर्तन सहित कथित रूप से करीब दो लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। बताया जा रहा कि खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर लीक होने के कारण घटना घटी है। आग की लपक देख आसपास के लोगों ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया। भुक्तभोगी ने सरकार से मुआवजे की अपील की है।

अपराधियों को चिह्नित कर अविलंब गिरफ्तार करे पुलिस : वीरेंद्र वर्मा

लेस्लीगंज में अपराधियों ने की युवक की गोली मार कर हत्या

दुकान के पीछे बने कमरे में सो रहा था, तभी सीने में मारी गयी गोली, जांच में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। लेस्लीगंज के संजय राम चंद्रवंशी के 22 वर्षीय पुत्र की अपराधियों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। मृतक की पहचान छोटू कुमार उर्फ नन्हकू के रूप में हुई है। घटना रविवार की रात करीब 12 बजे की बतायी जा रही है। जानकारी के मुताबिक अपराधियों द्वारा गोली मारे जाने के बाद घायल छोटू को इलाज के लिए मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के क्रम में सोमवार अहले सुबह उसही मौत हो गई। छोटू लेस्लीगंज के काली मंदिर के पास फास्ट फूड की दुकान चलाता था। रविवार को अपने दुकान के पीछे बने सेड में सो रहा था। तभी अपराधियों ने उसके सीने में गोली मार दी और फरार हो गए।

पुलिस से मिलकर हत्यारों की गिरफ्तार कर कठोर सजा देने की मांग करते पांकी विधायक के मीडिया प्रभारी वीरेंद्र वर्मा व अन्य।

दूसरी ओर घटना की सूचना पाकर पांकी विधायक के मीडिया प्रभारी वीरेंद्र वर्मा लेस्लीगंज गोपालगंज घाट पहुंचे और श्रद्धांजली अर्पित करने के साथ ही मांग की कि अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उन्हें फांसी की सजा दी जाए। साथ ही चेतावनी दी कि पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने में ढिलाई बरती तो बाध्य होकर आंदोलन किया जायेगा। दूसरी ओर हत्याकांड के बाद प्रतिवाद में पूरा लेस्लीगंज स्वतः बंद रहा। बिधायक मिडिया प्रभारी वीरेंद्र कुमार वर्मा ने प्रशासन से मांग किया है कि पूरे लेस्लीगंज में सीसीटीवी कैमरा लगाए जाय एवं सुरक्षा का पूरा इंतजाम प्रशासन करे, जिससे व्यवसायी भय मुक्त वातावरण में व्यापार कर सकें।

महत्वपूर्ण न्यूज

जपला आरपीएफ ने जब्त किया 240 बोतल देशी शराब

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। जपला आरपीएफ ने गुप्त सूचना के आधार पर ट्रेन नंबर 13349 सिंगरौली-पटना एक्सप्रेस के जपला प्लेटफार्म संख्या तीन पर आने के बाद रविवार की देर रात 12.40 बजे रेक के पीछे जनरल बोगी की जांच की, तो लावारिस हालत में सीट के नीचे रखे पांच बोरी देशी शराब यात्रियों के सहयोग से जब्त किया गया। प्रभारी निरीक्षक राकेश रंजन के निर्देशन में इस छापामारी में शामिल रात्रि ड्यूटी में तैनात सहायक अवर निरीक्षक अजय कुमार शाहनी, हेड कांस्टेबल अजय कु चौधरी आरक्षी व विजय सिंह ने कागजी कार्रवाई करने के बाद बोरी में बंद कुल 240 बोतल टनाका देशी शराब की जब्ती सूची बनायी। शराब की बोतलों पर अंकित मार्क सेल इन झारखंड अंकित पाया गया है। जिसे शराब माफिया कालाबाजारी के लिये बिहार ले जाने की फिराक में थे। उन्होंने बताया कि जब्त शराब की निर्धारित राशि 9600 रुपया आंकी गयी है। इस संबध में आरपीएफ ने अग्रेत्तर कार्रवाई के लिये पलामू उत्पाद विभाग को सूचना दे दी है।

हुसैनाबाद कन्या मिडिल स्कूल से चार रसोई गैस सिलेंडर की चोरी, मामला दर्ज

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। शहर के राजकीय कन्या मध्य विद्यालय के रसोई घर का ताला तोड़कर चोरों ने मध्याह्न भोजन बनाने के लिए रखे गए चार रसोई गैस सिलेंडर चोरी कर ली। प्रधानाध्यापक सुरेंद्र सिंह ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई हैं। उन्होंने बताया कि 19 मई से 11 जून तक विद्यालय बंद था। सोमवार को जब बच्चों को सूचना देने के लिए विद्यालय खोला गया तो देखा कि रसोई घर का ताला टूटा हुआ है। इसके बाद थाने को जानकारी दी गयी। रसोई गैस सिलेंडर चोरी होने से बच्चों को एमडीएम पर भी आफत आ गई हैं।

ग्रीष्मावकाश 14 जून तक करने का निर्णय स्वागतयोग्य : अजाप्टा

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। शिक्षा विभाग की ओर से भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मावकाश 14 जून तक किये जाने पर अजाप्टा जिला अध्यक्ष सुधीर कुमार दूबे, महासचिव अमरेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव विनय कुमार मांझी, हुसैनाबाद प्रखंड अध्यक्ष जुबैर अंसारी व सचिव निर्मल कुमार ने शिक्षा सचिव के कुमार रवि के प्रति आभार व्यक्त किया है। कहा है कि शिक्षा विभाग का यह कदम स्वागत योग्य है। हुसैनाबाद प्रखंड अध्यक्ष जुबैर अंसारी व सचिव निर्मल कुमार ने कहा कि सरकारी स्कूलों में गरीब गुरबों के बच्चे पढ़ते हैं जिनके तन पर ढंग के पोशाक, सिर ढकने के लिए गमछा व पैरों में जूते नहीं होते हैं। स्कूलों में पोषक क्षेत्रों के अलावे 4-5 किमी दूर के बच्चे आतें हैं। ऐसी स्थिति में पैदल स्कूल आना जानलेवा साबित हो सकता है। कहा कि अजाप्टा एक स्वर में मांग करती है कि शिक्षा शिक्षक हित में वांछित कदम उठायी जाए, ताकि राज्य के बहुसंख्यक निर्धन बच्चों को लाभ मिले।

72 दिनों में 1682 बिजली उपभोक्ताओं को मिला लाभ, 1.33 करोड़ हुए माफ, विभाग को मिले 2.69 करोड़

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। सरकार की ओर से चलाई जा रही बिजली बिल माफी योजना 2023 योजना से उपभोक्ताओं को फायदा ही फायदा मिल रहा है। बिजली वितरण निगम लिमिटेड की ओर से एक अप्रैल से 30 जून तक बिजली बिल ब्याज माफी योजना के तहत एकमुश्त समाधान योजना 2023 संचालित की जा रही है। योजना के शुरूआत से 72 दिनों में 1682 बिजली उपभोक्ताओं को लाभ मिल चुका है। उपभोक्ताओं का बिजली बिल 4 करोड 13 लाख था, जिसमें एक करोड़ 33 लाख रुपये माफ कर दिये गये। जबकि विभाग को इन उपभोक्ताओं से बिजली बिल के रूप में 2 करोड़ 69 लाख प्राप्त हुआ। डालनगंज के विद्युत आपूर्ति प्रमंडल विद्युत कार्यपालक अभियंता शंभुनाथ चौधरी ने बताया कि बिजली बिल ब्याज माफी योजना 30 जून 2023 तक चलेगी। इसके तहत बिजली उपभोक्ताओं को लाभ देने के लिए पलामू जिले के विभिन्न स्थानों पर प्रतिदिन कैंप लगाया जा रहा है, जिसमें पहुंच कर प्रतिदिन बिजली उपभोक्ता बिजली बिल ब्याज माफी योजना का लाभ ले रहे हैं। जिले में अब तक 1682 उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ मिल चुका है। बिजली उपभोक्ता जो बिजली का उपभोग कर रहे हैं और जाने-अनजाने या आर्थिक कमजोरी के कारण बिल जमा नहीं कर सके हैं, वैसे उपभोक्ताओं के लिए यह सुनहरा अवसर है। उपभोक्ता अपने बिजली बिल के ब्याज माफी करवाकर फायदा ले सकते हैं। इसके लिए स्थान चिन्हित कर कैंप का भी आयोजन हो रहा है। गौरतलब है कि इस योजना के तहत 31 दिसंबर 2022 तक के बकाये बिजली बिल का एकमुश्त भुगतान करने पर ब्याज माफ, बिजली बिल ब्याज माफी का भुगतान 5 आसान किश्तों में करने की सुविधा दी जा रही हैं। घरेलू (शहरी एवं ग्रामीण) श्रेणी एवं कृषि व सिंचाई, निजी श्रेणी के उपभोक्ताओं को भी योजना से आच्छादित किया जाएगा।

विश्रामपुर नप के सहायक नगर आयुक्त की कार ने सफाई कर्मचारी को मारी टक्कर, हालत नाजुक

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर-रेहला मुख्य पथ पर गोदारमा गांव के पास सड़क हादसे में विश्रामपुर नगर परिषद का सफाईकर्मी नीरज डोम गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना सोमवार की शाम चार बजे की बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार नप का सफाईकर्मी नीरज बाइक से विश्रामपुर की ओर जा रहा था। तभी एक तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। सूत्रों की मानें तो जिस कार ने उसे टक्कर मारी थी वह विश्रामपुर नगर परिषद के सहायक नगर आयुक्त मो प्रवेज की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार में मो प्रवेज खुद बैठे भी थे। घटना के बाद वे और उनका चालक गाड़ी छोड़कर वहां से भाग गए। इससे सफाईकर्मियों सहित स्थानीय लोगों में आक्रोश भी व्याप्त हैं।

हॉस्पिटल के बाहर खड़े घायल युवक के परिजन।

बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो होगा उग्र आंदोलन : राजीव रंजन

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में भीषण गर्मी पड़ते ही बिजली की घोर संकट उत्पन्न हो गयी है। बिजली समस्या में सुधार नहीं हुआ तो क्षेत्र की जनता उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी। युक्त बातें भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष राजीव रंजन ने कही। वे कार्यकर्ताओ के साथ बैठक के बाद सोमवार को पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। कहा कि भीषण गर्मी में भी लगातार बिजली कटौती की जा रही है। बिजली कटौती से क्षेत्र में हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है। आरोप लगाया कि हरिहरगंज के लिए जो बिजली आपूर्ति की जा रही है, उसे विभागीय अधिकारियों द्वारा कटौती करते हुए क्रेशर प्लांटो में सप्लाई की जा रही है।

सैकत ने बेस्ट एक्टर व मुनमुन ने जीता बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू निवासी झारखंड के मशहूर अभिनेता सैकत चटर्जी को शिमला में ऑल इंडिया आर्टिस्ट एसोसिएशन की ओर से आयोजित अखिल भारतीय नाट्य प्रतियोगिता में बेस्ट एक्टर का प्रथम पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार उन्हें मासूम आर्ट ग्रुप की ओर से प्रस्तुत नाटक राधा की नौटंकी में राधाकृष्ण तिवारी की भूमिका में बेहतरीन अभिनय के लिए दिया गया। इसी नाटक में रुक्मिणी की भूमिका में अभिनय के लिए मुनमुन चक्रवर्ती को बेस्ट एक्ट्रेस का द्वितीय पुरस्कार दिया गया। साथ ही मासूम ने इस प्रतियोगिता में पांच पुरस्कार जीत कर झारखंड का नाम रोशन किया। मासूम ने आईआ द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सैकत चटर्जी लिखित व निर्देशित नाटक राधा की नौटंकी प्रस्तुत किया जिसे द्वितीय सर्वश्रेष्ठ नाटक का पुरस्कार मिला। संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर मुंबई व इंदौर की

टीम रही। मासूम के अध्यक्ष विनोद पांडेय ने बताया कि यह प्रतियोगिता शिमला के प्रसिद्ध गेटी थियेटर हॉल में किया गया था जिसमे 25 राज्यों की नाट्य संस्थाएं भाग ली थी। आइआ के अध्यक्ष भाभी जी घर पर है सीरियल के तिवारी जी की भूमिका निभाने वाले प्रसिद्ध अभिनेता रोहिताश्व गौड़ व मुख्य आयोजक डॉ रेखा गौड़ है। पोस्टर केटेगरी में मासूम ने बेस्ट पोस्टर का प्रथम पुरस्कार हासिल किया।

मासूम ने पूरे प्रतियोगिता के दौरान सारे मानकों पर खड़े उतरते हुए बेस्ट ओवरऑल ट्रॉफी भी अपने नाम किया। इस तरह मासूम ने देश के इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में कुल पांच पुरस्कार जीता। इसके अलावा मासूम के सैकत चटर्जी, कामरूप सिन्हा, अमर कुमार भांजा व कमलकांत कुमार को उनके योगदान के लिए आईआ द्वारा अलग से सम्मानित किया गया। कलाकारों को रोहिताश्व गौड़ व रेखा गौड़ ने सम्मानित किया। पुरस्कार विजेता नाटक दल में सैकत चटर्जी, मुनमुन चक्रवर्ती, कामरूप सिन्हा,अमर कुमार भांजा, कमलकांत कुमार,राज प्रतीक पाल,गिरिंद्र यादव, आसिफ खान मौजूद थे। म्यूजिक अरेंजर राजा सिन्हा थे।

योग के क्षेत्र में युवा बनायें कैरियर : कृष्णा बैठा

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। शहर के जपला धरहरा मोड़ स्थित सुंदर नगर में सोमवार को जनकल्याण समिति ट्रस्ट की ओर से संचालित व भारत सरकार से मान्यता प्राप्त संत गाडगे योगा इंस्टीट्यूट के कार्यालय का शुभारंभ हुआ। जिसका उद्घाटन सरकारी आइटीआई के फिटर इंस्ट्रक्टर सुनील कुमार रजक ने किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के मैनेजिंग डायरेक्टर कृष्णा बैठा, संत गाडगे योगा इंस्टीट्यूट के निदेशक बबन कुमार, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष श्रवण कुमार, दीपक मेहता, जनेश्वर बैठा, गुड्डू रजक आदि मौजूद थे। इंस्टीट्यूट के मैनेजिंग डायरेक्टर कृष्ण बैठा ने कहा कि योगा आज के परिवेश में भी सुविख्यात है। इसके माध्यम से अनेक असाध्य रोगों का निवारण किया जा रहा है। योगा केंद्र खुलने से हुसैनाबाद के युवाओं को योगा शिक्षक बनने के लिए किसी बड़े शहर में जाने की जरूरत नहीं है। अब अपने शहर में ही योगा के माध्यम से युवा अपना कैरियर का चयन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य है कि कम खर्च में क्षेत्र के लोगों को बेहतर योगा का शिक्षा उपलब्ध हो। वहीं, इंस्टीट्यूट के निदेशक बबन कुमार ने कहा कि योगा के क्षेत्र में बेहतर भविष्य के लिए योगा इंस्टीटूयूट में नामांकन करा सकते हैं।

दंडाधिकारी विक्रम आनंद ने दिया विश्रामपुर सीओ के पद पर योगदान

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। मेदिनीनगर सदर के दंडाधिकारी विक्रम आनंद ने सोमवार को विश्रामपुर अंचल में सीओ के पद पर अपना योगदान दिया। उन्हें निवर्तमान प्रभारी सीओ सह बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम ने पदभार ग्रहण कराया। योगदान के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अंचल कार्यालय के कार्यो का पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन करूंगा। मौके पर कई अंचल सह प्रखंडकर्मी मौजूद थे।

भाजपा नगर मंडल ने अभियान चला कर केंद्र की मोदी सरकार की उपलब्धियां बतायीं

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। भाजपा के विश्रामपुर मंडल की ओर से सोमवार को नगर परिषद के वार्ड 12 में महाजनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान भाजपा नेताओं-कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाई। बतातें चलें कि मोदी सरकार के नौ साल पूरा होने पर भाजपा महाजनसंपर्क अभियान चला रही है। नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार का सभी योजना गरीबों के कल्याण के लिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी का नौ वर्ष का कार्यकाल सेवा, सुशासन, विश्वाश और विकास के नाम समर्पित रहा। इस मौके पर भाजपा नेता शिवबंश मिश्रा, मनीष कुमार, संतोष राम, संजय ठाकुर, रामप्रवेश मौर्या, किरण शर्मा, रानी देवी, रजनीश चंद्रवंशी, सुरेंद्र भारती, विश्वनाथ विश्वकर्मा, कृष्ण गुप्ता, विकाश चंद्रवंशी, राजीव कुमार, सुरेश चंद्रवंशी, उपेंद्र राम, तजमुदीन अंसारी, मैनुदिन अंसारी आदि मौजूद थे।

सलैया में मुखिया ने करायी 12 चापाकलों की मरम्मत, ग्रामीणों ने जताया आभार

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के सलैया पंचायत की मुखिया कमला देवी ग्रामीणों को पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए खराब चापाकलों की मरम्मती का कार्य लगातार करा रही है। इस दौरान पंचायत के 12 चापाकलों की मरम्मती हो चुकी है। मुखिया प्रतिनिधि सह समाजसेवी सनोज गुप्ता ने बताया कि सोमवार को मझिगांवा में महेश राम, गिरजा यादव, ललेश यादव, सलैया में मुनारिक यादव, बेलतर रामस्वरूप यादव के घर के पास खराब पड़े चापाकल की मरम्मती करायी गयी, जबकि रविवार को रब्दी गांव में सरयु यादव, घुरा यादव और प्रवेश भुइंया के घर के पास के खराब चापाकल की मरम्मती करायी गयी थी। इस तरह पंचायत में अब तक 12 चापाकलों की मरम्मती पूर्ण हो चुकी है। सनोज गुप्ता ने कहा कि सलैया पंचायत के हर गांव के ग्रामीणों को पेयजल की संकट के अलावे संभावित समस्याओं को निदान करने के लिए भरपूर प्रयास करेंगे। वहीं फिलहाल पेयजल की संकट टलते ही ग्रामीणों के चेहरे पर थोड़ी मुस्कान आयी है। इस कार्य के लिए संतोष ठाकुर, वीरेंद्र यादव, महेश राम, संदीप राम, सतेन्द्र राम, नंदन कुमार, रंजय साव,राजेन्द्र विश्वकर्मा, राहुल साव, अमरेश यादव, कमलेश यादव, विनय प्रसाद, अमित यादव, मिथलेश शर्मा आदि मौजूद थे।

स्पोर्ट्स

वन डे वर्ल्डकप

क्रिकेट का वनडे वर्ल्ड कप अक्टूबर से नवंबर के बीच भारत में खेला जाएगा। बीसीसीआइ ने मैचों का शेड्यूल ड्राफ्ट तैयार कर आइसीसी को भेज दिया है। मैच का शुभारंभ पांच अक्टूबर को अहमदाबाद में होगा।

ओपनिंग मुकाबला इंग्लैंड-न्यूजीलैंड के बीच, बीसीसीआइ ने आइसीसी को भेजा शेड्यूल ड्राफ्ट

अहमदाबाद में 15 अक्टूबर को होगा भारत-पाकिस्तान वर्ल्ड कप मैच

एजेंसी

मुंबई। क्रिकेट का वन डे वर्ल्ड कप अक्टूबर से नवंबर के बीच भारत में खेला जाएगा। बीसीसीआइ ने मैचों का शेड्यूल ड्राफ्ट तैयार कर आइसीसी को भेज दिया है। ड्राफ्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट की शुरूआत पांच अक्टूबर को अहमदाबाद से होगी। ओपनिंग मैच इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। भारत का पहला मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मैच यानी भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 15 अक्टूबर को खेला जाएगा। ये मैच अहमदाबाद में एक लाख दर्शक क्षमता वाले नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। वर्ल्ड कप फाइनल 19 नवंबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा। पाकिस्तान के मैच अहमदाबाद के अलावा हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता में होंगे। क्रिकेट वेबसाइट के मुताबिक, यह शेड्यूल ड्राफ्ट आइसीसी ने वर्ल्ड कप खेलने वाली सभी टीमों को भेज दिया है। उनका फीड बैक लेने के बाद अगले हफ्ते फाइनल शेड्यूल जारी किया जाएगा।

वर्ल्ड कप में इंडिया का संभावित शेड्यूल

दिनांक	मैच	शहर
8 अक्टूबर	भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया	चेन्नई
11 अक्टूबर	भारत बनान अफगानिस्तान	दिल्ली
15 अक्टूबर	भारत बनाम पाकिस्तान	अहमदाबाद
19 अक्टूबर	भारत बनाम बांग्लादेश	पुणे
22 अक्टूबर	भारत बनाम न्यूजीलैंड	धर्मशाला
29 अक्टूबर	भारत बनाम इंग्लैंड	लखनऊ
2 नवंबर	भारत बनाम क्लालीफायर	मुंबई
5 नवंबर	भारत बनाम द अफ्रीका	कोलकाता
11 नवंबर	भारत बनाम क्लालीफायर	बेंगलुरू

शेड्यूल में बीसीसीआइ लेट, टिकटों की जानकारी भी नहीं आयी सामने

2015 और 2019 में हुए वन डे वर्ल्ड कप का शेड्यूल एक साल पहले जारी कर दिया गया था। 2023 वर्ल्ड कप का शेड्यूल अभी तक फाइनल नहीं हुआ है। टूर्नामेंट शुरू होने में 4 महीने से कम का वक्त बचा है। 27 मई को बीसीसीआइ के सचिव जय शाह ने कहा था कि वर्ल्ड कप का शेड्यूल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के दौरान जारी कर दिया जाएगा। शेड्यूल में देरी के चलते ही आइसीसी वर्ल्ड कप मुकाबलों के लिए टिकटों की डिटेल भी नहीं कर पाया है जारी

एशिया कप में पाकिस्तान के प्रपोजल को मंजूरी संभव, फिर टीम वर्ल्ड कप खेलने में शर्तें नहीं रखेगी

एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) एशिया कप के लिए पाकिस्तान के क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का प्रस्ताव मंजूर कर सकती है। न्यूज एजेंसी पीटीआइ के मुताबिक, पीसीबी ने प्रपोजल दिया है कि भारत के सभी मैच श्रीलंका में कराए जाएं और बाकी मुकाबले पाकिस्तान में हों। एसीसी एशिया कप को लेकर आधिकारिक ऐलान मंगलवार यानी 13 जून को कर सकती है। इसके बाद पाकिस्तान के भारत में वर्ल्ड कप खेलने का रास्ता भी साफ हो जाएगा। एसीसी के एक मेंबर ने बताया कि सीइओ जिऑफ एलार्डिस और चेयरमैन ग्रेग बार्कले ने कराची में पीसीबी के चेयरमैन नजम सेठी से मुलाकात की थी। इस मीटिंग में ही यह स्पष्ट कर दिया गया था कि पाकिस्तान वर्ल्ड कप में खेलने के लिए कोई शर्त नहीं रखेगा, क्योंकि एशिया कप के 4 मैच उसके देश में ही कराए जाएंगे।

मकान के बरामदे से खून बहता देख भयभीत लोगों ने पुलिस को दी सूचना, जांच शुरू

बाबुडीह में युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, बंद घर से मिला अर्द्धनग्न शव

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। सदर थाना अंतर्गत बाबुडीह में सोमवार अहले सुबह एक घर की बालकनी से खून रिसता देख आसपास के लोगों में दहशत फैल गयी। पड़ोसियों और स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। खबर पाते ही पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गयी। लोगों की मौजूदगी में घर का दरवाजा खोला तो वहां अर्द्धनग्न अवस्था में एक व्यक्ति का शव जमीन पर पड़ा मिला। यह खबर जैसे ही मुहल्ले के लोगों को मिली तो घर के सामने भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। उधर, पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान 30 वर्षीय राजेश कुमार स्वर्णकार के रूप में हुई है। वह झरिया के कोयरीबांध का रहने वाला है। यहां बाबुडीह में रेलवे में कार्यरत रमेश पांडेय के मकान में किराए पर रह रहा था। पता चला है कि दो दिन पहले ही अपनी पत्नी को उसके मायके छोड़ कर आया था। जिसके बाद मकान मालिक से इसकी बातचीत हुई थी। उसके बाद से राजेश को किसी ने नहीं देखा। संभवतः इन्हीं दो दिनों में उसके साथ घटना घटित हुई होगी। सोमवार की सुबह बालकनी से खून गिरते देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया में मामला हत्या का प्रतीत होता है। पुलिस ने उक्त घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को भी दे दी। इसके बाद शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम में भेज दिया। साथ ही संदिग्ध मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक की संदिग्ध मौत की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस जांच करती हुई। मृतक की फाइल फोटो

बीसीसीएल वर्कशॉप पहुंचे चोरों को पुलिस ने खदेड़ा

गैस कटर सहित लोहा काटने के कई औजार जब्त, मामला दर्ज कर पुलिस ने शुरू की जांच

धनसार (आजाद सिपाही)। बीसीसीएल के बस्ताकोला अंतर्गत राजापुर परियोजना वर्कशॉप गोदाम में रविवार की देर रात झरिया पुलिस ने छापामारी कर लोहा चोरों के मंसूबे पर पानी फेर दिया। चोरों का दल अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। चोरों का दल गैस सिलेंडर से लोहा व कीमती पार्ट्स काटने वर्कशॉप पहुंचा था। चोरों ने जैसे ही लोहा काटना शुरू ही किया था की इसकी सूचना किसी ने गुप्त तरीके से पुलिस को दे दी। इसके बाद पुलिस गस्ती दल ने तत्परता दिखाते हुए लोहा चोरों की घेराबंदी शुरू कर दी। सभी चोर खुद को घिरता देख अंधेरे का फायदा उठा कर भाग गए। पुलिस ने मौके से दो गैस सिलेंडर, कटर, पाइप सहित लोहा काटने के कई औजार बरामद किया है। कई बीसीसीएल कर्मियों का कहना था कि आए दिन लोहा चोरों का परियोजना पहुंच लोहा व कीमती पार्ट्स की चोरी कर आराम से चले जाते है। विरोध करने पर कर्मियों की पिटाई कर देते है। पुलिस की करवाई से चोरों का मनोबल गिरेगा। वर्कशॉप में सीआइएसएफ जवानों की तैनाती की जाये।

14 जून को भाजपा के संयुक्त मोर्चा सम्मेलन की तैयारी को लेकर बैठक

झरिया (आजाद सिपाही)। भाजपा के महा जनसंपर्क अभियान के तहत 14 जून को झरिया विधानसभा क्षेत्र में आयोजित होनेवाले संयुक्त मोर्चा सामेलन की तैयारियों को लेकर लेकर झरिया-कतरास मोड़ स्थित भाजपा कार्यालय में भाजयुमो जिलाध्यक्ष सह कार्यक्रम के संयोजक अमलेश सिंह की अध्यक्षता में मंडल अध्यक्षों एवं मोर्चा के पदाधिकारियों की बैठक हुई। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह भी शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि झरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सभी मंडलों के सातों मोर्चा के कार्यकर्ताओं को एक साथ लाना एक सराहनीय पहल है। इस सम्मेलन में सभी वर्गो के लोग उपस्थित रहेंगे।

परियोजना वर्कशॉप में पीओ ने युवक को पकड़ कर जेल भिजवाया, असंगठित मजदूरों में बढ़ा आक्रोश

धनसार (आजाद सिपाही)। बीसीसीएल के धनसार स्थित विश्वकर्मा प्रोजेक्ट के वर्कशॉप में रविवार की देर शाम पीओ जीके मेहता ने राहुल निषाद नामक युवक को संदिग्ध परिस्थिति में घूमता देख पकड़ लिया। उन्होंने पकड़े गए युवक को लोहा चोरी करने का आरोप लगाते हुए धनसार पुलिस को सौंप दिया। पीओ के अनुसार वर्कशॉप में चार युवक लोहा चोरी करने की नीयत से घूसे थे। उन पर नजर पड़ते ही सभी भाग गए। जबकि भागने के क्रम में राहुल पकड़ा गया। इसके बाद राहुल को धनसार थाना को सौंप दिया। पीओ के बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज कर सोमवार को राहुल को जेल भेज दिया। इधर, राहुल के जेल भेजे जाने के बाद विश्वकर्मा लोडिंग में काम कर रहे असंगठित मजदूरों में आक्रोश है। मासस नेता धरम बाउरी का कहना है कि राहुल विश्वकर्मा लोडिंग प्वाइंट में ट्रक लोडिंग का काम करता है। वह रविवार को पानी पीने वर्क शोप के पास गया था। जहां पीओ ने उसे पकड़कर लोहा चोरी का आरोप लगाते हुए धनसार पुलिस को सौंप दिया। इसका जोरदार विरोध किया जाएगा। साथ ही प्रबंधन से यहां काम करने वाले असंगठित मजदूरों का परिचय पत्र बनवाने की मांग की गई, ताकि कोई बेगुनाह जेल न जा सके। बता दे कि चार दिन पूर्व ही विश्वकर्मा परियोजना वर्कशॉप मे अपराधियों ने लाखों के लौह सामग्री लूट ली थी।

दो माह के बकाया वेतन की मांग को लेकर मजदूरों ने की बेनीडीह रेलवे साइडिंग की ट्रांसपोर्टिंग ठप

कतरास (आजाद सिपाही)। बीसीसीएल ब्लॉक दू क्षेत्र अंतर्गत संचालित बेनीडीह रेलवे साइडिंग में कार्यरत सेल पीकर केजुवल मजदूरों ने दो माह (अप्रैल-मई) का बकाया वेतन भुगतान की मांग को लेकर सोमवार को काम ठप कर दिया। सेल पीकर मजदूरों की चक्का जाम आंदोलन में मजदूरों का मनोबढ़ बढ़ाने के लिए पहुंचे जदयू के प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीपनारायण सिंह ने कहा कि हमलोग गांधी जी को मानने वाले लोग है। शांतिपूर्ण ढंग से मजदूरों का बकाया भुगतान की मांग को लेकर एक दिवसीय चक्का जाम किया है। मजदूरों की स्थिति को देखते हुए उनका बकाया भुगतान किया जाय अन्यथा अनिश्चितकालीन ट्रांसपोर्टिंग का काम ठप कर दिया जाएगा। इस मौके पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष गोपाल चंद्र गोप, जिला सचिव इंदल सिंह, बालमुकुंद सिंह, अगनु कुम्हार, अर्जुन कुम्हार, राजू रवानी, मुकेश सोनार, प्रदीप रवानी, किसना रवानी, सुरुंद्र विश्वकर्मा, चंदन गुप्ता, नकुलवा देवी, भोला सिंह, उर्मिला कुमारी, युमना प्रसाद, पिंटू भुइया, शिवनारायण कुम्हार, अरुण कुम्हार, अशोक दास, मिना देवी, सुजाता सिंह, व्रती देवी, भारती देवी और फूलमती देवी आदि उपस्थित थे।

एएसआइ पर हमले का आरोपी गया जेल

कतरास (आजाद सिपाही)। बरोरा थाना के एएसआई सच्चिदानंद पर हुए जानलेवा हमला के मामले में पुलिस ने नामजद आरोपी कुंदन रवानी को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया। वह रवानी बरोरा चेकपोस्ट का रहने वाला है। एएसआई पर हुए जानलेवा हमला की घटना एक दिन पहले यानी रविवार की सुबह 10 बजे घटित हुई थी। हमले में एएसआई के सिर में चोट आई है। घाटल एएसआई की लिखित शिकायत पर बरोरा थाने में आरोपी के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने एवं ड्यूटी के दौरान जान से मारने की नीयत से हमला करने का आरोप लगाते हुए एफआइआर दर्ज की गयी है। घायल एएसआई सच्चिदानंद ने अपने शिकायत में कहा है कि वो रविवार को सशस्त्र बल के साथ क्षेत्र में नोटिस तामिला कराने जा रहा था। तभी मुराईडीह कॉलोनी ट्रैकर स्टैंड (सामुदायिक भवन) के समीप रोड के बीचोंबीच एक सफेद रंग की बाइक खड़ी थी। उन्होंने अपने जवानों को रोड पर खड़ी बाइक को हटाने का निर्देश दिया। जवान बाइक हटा ही रहे थे कि तभी सामने के होटल से आरोपी युवक निकला और गाली-गलौज करते हुए मुझे जोर से धक्का दिया। मैं संभल पाता की इससे पूर्व उसने ईंट उठाकर सिर पर मार दिया और मौके से अपनी बाइक ले कर भाग गया। ईंट मारने की वजह से सिर फट गया, जिसके बाद जवानों ने मेरा सीएचसी बाघमारा ले जाकर इलाज कराया।

केंद्र की मोदी सरकार ने सभी वर्गों के विकास का रखा ख्याल : राज सिन्हा

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। बेकारबांध स्थित एक होटल में सोमवार की भाजपा के महाजनसपर्क अभियान को लेकर पार्टी की संयुक्त मोर्चा की महानगर कमेटी कार्यसमिति की बैठक हुई। जिसमें पार्टी के सभी मोर्चा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर लोगों को केंद्र की मोदी सरकार के 9 वर्ष की उपलब्धियों को बताने को कहा गया। बैठक में सांसद पशुपतिनाथ सिंह, धनबाद विधायक राज सिन्हा, निवर्तमान मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल, महाजनसपर्क अभियान के जिला प्रभारी सह उपाध्यक्ष मानस प्रसून, भाजयुमो जिलाध्यक्ष अमलेश सिंह, रूपेश सिन्हा आदि मौजूद थे। विधायक राज सिन्हा ने बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए किए गए कार्यों की चर्चा हुई। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए कई कार्य किए गए हैं। जिन्हें कार्यकर्ता जनता के बीच घर-घर जाकर बतायेंगें।

रात के अंधेरे में दूसरों के घरों में चलाते थे पत्थर, ग्रामीणों ने रंगेहाथ पकड़कर पांच लोगों को पुलिस के हवाले किया

पकड़े गए सभी आरोपित एक ही परिवार के सदस्य, जांच शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

माहौल बिगाड़ने का आरोप

चिरकुंडा। कुमारधुबी ओपी अंतर्गत बागानधौड़ा में रविवार की रात पत्थरबाजी करते एक ही परिवार के पांच सदस्यों को ग्रामीणों ने रंगे हाथ पकड़ कर कुमारधुबी पुलिस के हवाले किया। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि आए दिन ये लोग पत्थरबाजी कर क्षेत्र का माहौल बिगड़ने की कोशिस कर रहे थे। ग्रामियों की मानें तो कई वर्षों से आए दिन छत से दूसरे घर में पत्थर फेंका करते थे, ताकि क्षेत्र का माहौल खराब हो सके। रविवार की रात को भी करीब 9 बजे रिंकू पांडे अपने बेटों के साथ छत से पत्थर फेंक रहा था। इसी दौरान वहां ग्रामीणों ने उसे ऐसा करते देख लिया और रंगे हाथ पकड़ लिया। इसकी सूचना पुलिस को दी। उधर, ग्रामीणों से खबर मिलते ही कुमारधुबी पुलिस मौके पर पहुंची और एक ही परिवार के समीर महादेवन पांडे, रिंकू पांडे, इसान पांडे, बड़का बाबू पांडे और नानू पांडे को पकड़ कर थाने ले गयी। स्थानीय ग्रामीणों ने यह भी कहा कि बीते कई माह पहले इन लोगों की ओर से पत्थर मारे जाने के कारण 9 साल की बच्ची सहित 9 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसकी शिकायत धनबाद एसएसपी से भी की गई थी, लेकिन तब उन लोगों के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं होने कारण मनोबल बढ़ा हुआ था। आए दिन यह लोग छत पर चढ़ कर पत्थरबाजी किया करते थे। वहीं कुमारधुबी पुलिस का कहना है कि माहौल बिगाड़ने के कारण 5 लोगों को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

डीएवी छह में मनाया गया विश्व बाल श्रम निषेध दिवस

बाल श्रम एक गंभीर समस्या, जिसके समाधान के लिए समाज को जागरूक होना होगा: प्राचार्य नगेंद्र

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-6 में सोमवार को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विचार पेश किए और बाल मजदूरी को समाज के लिए एक जटिल समस्या बताया। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य नगेंद्र प्रसाद ने कहा कि बाल श्रम को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्रसंघ की ओर से प्रत्येक वर्ष 12 जून को 'बाल श्रम निषेध दिवस' मनाया जाता है। बाल श्रम एक गंभीर समस्या है। जिसके समाधान के लिए समाज को जागरूक होना होगा। भारत सरकार बच्चों के शिक्षा के लिए कई कार्यक्रम चला रही है। इसके लिए सरकार और समाज को मिलकर देश में बाल मजदूरी को बंद करवाना होगा, तभी सही मायने में हमारा देश एक समृद्ध राष्ट्र बन जायेगा। भारत जैसे देश में बाल मजदूरी का मुख्य कारण गरीबी और लाचारी है। जिस कारण बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते है और मजदूरी करने को मजबूर होते हैं। सभी के लिए सामाजिक न्याय एवं बाल श्रम को समाप्त करना विश्व बाल श्रम निषेध दिवस का इस वर्ष का थीम है । बाल मजदूरी से मुक्त होने के लिए हमें समग्र विकास शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसरों की गारंटी करनी चाहिए। बाल श्रम एक व्यापक समस्या बनी हुई है, जिससे दुनिया भर में लाखों बच्चे प्रभावित हैं।

मजदूरी के लिए बच्चे बड़े-बड़े कारखानों, फैक्ट्रियों में काम करने को मजबूर है। यह उन्हें उनके शिक्षा के अधिकार से वंचित करता है। हमें मजदूरी प्रथा को बंद करवाना होगा, तभी बच्चों के बचपन को शोषण से मुक्त बना सकते हैं। इस अवसर पर सुनीता कुमारी, एचडी झा, अजय कुमार, नीलम झा, श्याम भूषण श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गढ़वा
सहिजना मोड़, गढ़वा (झारखण्ड) पिन नं० 822114
Email :- eedwsd.garhwa1@gmail.com

ई० प्रोक्योरमेन्ट अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना (3rd Call)

Short E-Tender Notice Reference No.- DWSD/SVS/CLUSTER/GAR-20/2022-23 Dated – 09/06/2023

1	Name of the Department	Drinking Water and Sanitation Department, Jharkhand, Ranchi
2	Date & time of Publication of Tender on Website	12/06/2023 12:30 P.M.
3	Date & time of Pre-bid Meeting	13/06/2023 12:30 P.M.
4	Last date/Time for receipt of Bid	19/06/2023 05:00 P.M.
5	Last date/Time for receipt of EMD Cost & BOQ Cost (in Hard copy)	21/06/2023 10:30 AM to 05:00 P.M. (i) Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Garhwa. (ii) Office of the Superintending Engineer, Drinking Water & Sanitation, Circle, Medininagar (iii) Regional Chief Engineer Drinking Water & Sanitation Dept. Ranchi Zone, Ranchi.
6	Date & time of Opening Tender	22/06/2023 05:00 P.M.
7	Name & Address of Office inviting tender	Executive Engineer, DW&S Division, Garhwa.
8	Name & Address of Tender Opening officer	Executive Engineer, DW&S Division, Garhwa.
9	Contact No. Of Procurement officer	9973003856
10	Help No. Of e-Procurement Cell	0651-2490920

Detailed Survey, designing and drawing, Construction of 2193 Nos FHTC in different block of Garhwa District comprising of suitable R.C.C./Frame Structure ESR, Distribution Line, Source (as required) & 5 years Operation and Maintenance all complete job "On Turnkey basis" under D.W.&S.Division, Garhwa.

Sl. No.	Group No.	No. of Panchayat	No. of Village	No. of Scheme	No. of FHTC	Estimated cost (in Rs)	Earnest Money (in Rs.)	Cost of BOQ (in Rs.)	Time of Completion
3	SVS/CLUSTER-24	3	4	82	2193	7,85,88,000.00	7,86,000.00	10,000.00	09 Months

- **Estimated Cost & EMD Cost may vary.**
- **Further details can be seen on website-http://jharkhandternders.gov.in**

Executive Engineer
D.W.&S.Division, Garhwa

PR 299775 Drinking Water and Sanitation (23-24)_D

Office of the Executive Engineer

Drinking Water & Sanitation Division, CHATRA

VERY SHORT TENDER e-Procurement Notice

Tender Reference No. DWSD/RELO/DT/CTR/07/2023-24 (1st Call) DT : 12.06.2023

Sl. No.	Particular	Details				
1	Name of Work	Relocation of defunct 125/115 mm dia 60.00 Mtrs Deep Drilled Tube Well with Installation of I.M-II (IS:15500 Part-2/2004) Hand Pump 930/90) with 32 mm dia Medium Class G.I Riser Pipe by DTH Rig Machine with 125 mm dia Blue UPVC Casing Pipe on "TurnKey Basis" Under D.W.&S. Division, Chatra for the Year 2023-24				
	Group No.	Qty.	Estimate Cost	Earnest Money	Cost of BOQ(Rs.)	Time of Completion
	RELO/DT/CTR-01 (Chatra Sub-Division)	35 Nos.	29,36,087/-	59,000/-	5,000/-	02 Months
	RELO/DT/CTR-02 (Simariya Sub-Division)	35 Nos.	29,36,087/-	59,000/-	5,000/-	02 Months
	RELO/DT/CTR-03 (Hunterganj Sub-Division)	35 Nos.	29,36,087/-	59,000/-	5,000/-	02 Months
2	Date of Tender Uploading in Website	17.06.2023 at 5:00 PM				
3	Last Date / Time for Submission of Tender Documents	23.06.2023 upto 5:00 PM				
4	Last Date & Time of Receiving EMD/Cost of BOQ (Hard Copy)	24.06.2023 upto 3:00 PM In the Office of - Executive Engineer, D.W.&S. Division, Chatra and Superintending Engineer, D.W&S. Circle, Hazaribagh.				
5	Date of Opening Tender	24.06.2023 at 5:00 PM				
6	Name & Address of Opening Officer	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, CHATRA (Jharkhand)				
7	Name & Address of Tender Inviting Authority	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, CHATRA (Jharkhand)				
8	Contact No. of Procurement Office	+91-7544099310, +91-9931972161 or 06541-253273				
9	Helpline No. of e-Procurement Cell	0651-2480345				

- Further details can be seen on & official website http://jharkhandtenders.gov.in.
- Estimated cost may increase or decrease.
- Undersign reserves the right to amend or withdraw any of the terms & conditions contained in the tender document or to accept or reject any or all the tenders without assigning any notice or reason thereof. The decision of the undersigned in this regard shall be final & binding on all.

Executive Engineer
D.W.&S. Division, CHATRA

PR 299841 Drinking Water and Sanitation (23-24)_D

झारखण्ड सरकार कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची।
अति अल्पकालिन निविदा सूचना –06/2023–24

1) विभाग का नाम : पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, राँची ।
2) विज्ञापन दाता का नाम : कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व राँची ।
3) परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय : 19.06.2023 अपराह्न 5 बजे तक।
4) निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 21.06.2023 अपराहन 3:30 बजे तक।
5) निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 21.06.2023 अपराह्न 4 बजे।
6) परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : 1) कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता, राँची अंचल, राँची।
7) निविदा प्राप्ति का स्थान : 1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची।
8) कार्य विवरणी :

क्र0	कार्य का नाम	प्रा० राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु० में)	परिमाण वि० का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	Seepage repair and renovation of toilet cum Bath room, improvement of W/S, S/I & sewerage work at Guest House Room No. 1,2,3,4,17&76 Ground Floor and others H.E.C. campus under Jharkhand Vidhan Sabha, Dhurwa, Ranchi.	15.78121	31600.00	5000.00	30 Days
2.	Seepage repair and renovation of toilet cum Bath room, improvement of W/S, S/I & sewerage work at Guest House Room No. 18,31,32,33&34 First Floor and others H.E.C. campus under Jharkhand Vidhan Sabha, Dhurwa, Ranchi.	13.54786	27100.00	2500.00	30 Days
3.	Seepage repair and renovation of toilet cum Bath room, improvement of W/S, S/I & sewerage work at Guest House Room No. 14,15,16 Ground Floor &19,20,21 First Floor and others H.E.C. campus under Jharkhand Vidhan Sabha, Dhurwa, Ranchi.	15.91370	31900.00	5000.00	30 Days
4.	Seepage repair and renovation of toilet cum Bath room, improvement of W/S, S/I & sewerage work at Guest House Room No. 35,36,37,38,39,&40 First Floor and others H.E.C. campus under Jharkhand Vidhan Sabha, Dhurwa, Ranchi.	16.25451	32600.00	5000.00	30 Days
5.	Seepage repair and renovation of toilet cum Bath room, improvement of W/S, S/I & sewerage work at Guest House Room No. 11,12,13 Ground Floor &22,23,24 First Floor and others H.E.C. campus under Jharkhand Vidhan Sabha, Dhurwa, Ranchi.	15.91370	31900.00	5000.00	30 Days
6.	Seepage repair and renovation of toilet cum Bath room, improvement of W/S, S/I & sewerage work at Guest House Room No. 5,6,7 Ground Floor &28,29,30 First Floor and others H.E.C. campus under Jharkhand Vidhan Sabha, Dhurwa, Ranchi.	15.91370	31900.00	5000.00	30 Days
7.	Provision of water supply by construction of 1No. HYDT with Installation of 2.00 H. P. Submersible Pump Motor & Its allied works at Staff Quarter no-7/19 North Office Para A.G.More Doranda, Ranchi Under D. W. & S. Division,Ranchi East Ranchi	6.92258	13900.00	1250.00	15Days
8.	Repairing and rewinding and replacement of 5H.P, 1.5H.P, 1H.P submersible motor 1 H.P water pressure motor and other allied electric work at Hon'ble minister's Bungalow, M.L.A Bungalow and other govt. pool quarter under D. W. & S. Div., Ranchi East, Ranchi.	5.90620.00	11900.00	1250.00	15 Days
9.	Seepage repair and renovation of toilet cum Bath room, improvement of W/S, S/I & sewerage work at Guest House Room No. 73,74,75 Ground Floor &78,79,80 First Floor and others H.E.C. campus under Jharkhand Vidhan Sabha, Dhurwa, Ranchi.	15.91370	31900.00	5000.00	30 Days
10.	Seepage repair & Renovation of Toilet and bath room, Improvement of W/Sand sanitary fittings &Sewerage Work at Quarter No B-1360/II,B- 2167/II ,B-2471 Site V of sector II and others Jharkhand vidhan Sabha pool quarters HEC Campus , Dhurwa, Ranchi.	10.26770	20600.00	2500.00	30 Days
11.	Seepage repair and renovation of toilet cum Bath room, improvement of W/S, S/I & sewerage work at Guest House Room No. VIP,Staff Room,Canteen Ground Floor &01A,02A,03A First Floor and others H.E.C. campus under Jharkhand Vidhan Sabha, Dhurwa, Ranchi.	15.91370	31900.00	5000.00	30 Days

आवश्यक शर्तों के लिए देखें www.jharkhand.gov.in
Email ID- eedwsd.ranchieast@gmail.com
PR 299839 Drinking Water and Sanitation(23-24)D

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्व० प्र० राँची पूर्व राँची ।

मुक्ता योजना और नगरपालिका एनएसी के लिए 183.81 करोड़ मंजूर

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। मुक्ता योजना, 10 जिलों की नगर पालिका और एनएसी के लिए धनराशि मंजूर की गयी है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने मंजूरी भी दे दी है। 10 जिलों की 42 नगर पालिका और एनएसी के लिए 183 करोड़ और 81 लाख रुपये मंजूर किये गये हैं। द्वितीय चरण में वर्ष 2023-24 के लिए राशि मंजूरी की जा चुकी है। ये 10 जिले गंजाम, गजपति, कलाहांडी, नुआपड़ा, कोरापुट, रायगड़ा, नबरंगपुर, मलकानगिरी, कंधमाल और बौध हैं।

मुक्ता योजना में वार्डवारी 42 नगर पालिका एवं एनएसी के विकास के लिए वार्षिक कार्ययोजना तैयार की गयी है। सभी परियोजनाओं की जरूरी के अनुसार जो भी संभव होगा और पर्यावरण पर नजर रखी जायेगी। उन परियोजनाओं की योजना

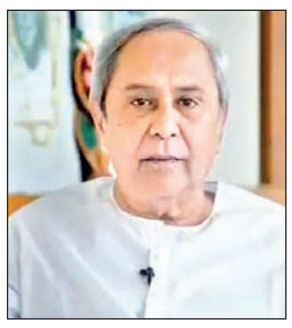

स्क्रीनिंग चल रही है। स्वीकृत परियोजना मिशन शक्ति द्वारा कार्यान्वित की जायेगी। प्रकल्प कार्यकारी को लेकर मुख्यमंत्री के निर्देश में 9 जून को जन प्रतिनिधि के साथ 5टी सचिव वीके पांडियन ने चर्चा की। इस परियोजना में मिनी पार्क, ओपन जिम, चाइल्ड प्ले स्टेशन, खेल का मैदान, वेंडिंग जोन है। इसमें एक बहुउद्देशीय सामुदायिक केंद्र, दीवार पेंटिंग, सौंदर्यीकरण और श्रमिक उन्मुखीकरण कार्यक्रम इस में शामिल हैं।

बता दें कि मुख्यमंत्री ने 18 अप्रैल 2020 को कर्म तत्पर योजना व मुक्ता का शुभारंभ किया था। इस योजना का उद्देश्य गरीबों और बेरोजगारों को जल्द काम देना था। इससे पहले मुख्यमंत्री ने प्रथम चरण में 37 नगर पालिका क्षेत्रों के लिए 423 करोड़ 87 लाख की मंजूर किये थे। नबीन पटनायक जल्द ही 10 जिलों के शेष 36 यूएलबी के लिए राशि स्वीकृत करेंगे।

उच्च शिक्षा विभाग में नये मंत्री और सचिव

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। उच्च शिक्षा विभाग में सोमवार को नये मंत्री और नये सचिव ने पदभार ग्रहण किये। वे नये मंत्री अतनु सब्यसाची नायक और उच्च शिक्षा सचिव अरविंद अग्रवाल हैं। अतनू को उच्च शिक्षा विभाग का अतिरिक्त दायित्व दिया गया है। वह वर्तमान में केंद्रीय खाद्य और आपूर्ति के साथ समाबाय मंत्री हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने अचानक मंत्री रोहित पुजारी को उच्च शिक्षा विभाग के पद से बर्खास्त किये थे। हालांकि इससे पहले इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी, लेकिन उन्होंने राज्यपाल को उन्हें निष्कासित करने के लिए पत्र लिखा था। बाद में उच्च शिक्षा विभाग के मुख्य प्रशासनिक सचिव बिष्णुपद सेठी का भी स्थानांतरण किया गया।

युक्त तीन आवेदन प्रक्रिया 19 जून से

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। युक्त तीन आवेदन प्रक्रिया 19 जून से शुरू होगी। इसके साथ सेल्फ फाइनेंसिंग कोर्स के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। छात्रों साम्स की वेबसाइट www.samsodisha.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन चार जुलाई तक किए जाएंगे। प्रथम चरण की मेरिट सूची 14 जुलाई को प्रकाशित की जाएगी। द्वितीय चरण की 27 जुलाई, तृतीय चरण की 3 अगस्त, चतुर्थ चरण की 21 अगस्त, पांचवें चरण की 1 सितंबर तथा छठे चरण की 13 सितंबर की मेरिट सूची अधिसूचना में प्रकाशित की जायेगी।

पूर्व मध्य रेल

निम्न कार्य हेतु शुद्धि पत्र 04

1. ई.निविदा सं. : पूमरे–मुप्रअ–नि–द–ईपीसी–01–23–24 दो पैकेट सिस्टम
1. कार्य का नाम : प्रधानखुंटा स्टेशन से सिंदरी ब्लॉक हट स्टेशन– 11.602 किमी {चैनेज–1.850 किमी से 13.452 किमी} के बीच प्रधानखूंटा स्टेशन, राखितपुर स्टेशन और सिंदरी ब्लॉक हट स्टेशन के इंटरलॉकिंग से संबंधित कार्यों को छोड़कर, बीजी रेलवे ट्रैक के दोहरीकरण चालू करने के लिए इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) के तहत कार्य जिसमें साइड ड्रेन, रिटेनिंग वॉल और सुरक्षा कार्य, माइनर ब्रिज, एलएचएस, लेवल क्रॉसिंग, पी–वे वर्क, इलेक्ट्रिकल टीआरडी (2x25KV) और सामान्य ओएचई (एचटी/एलटी) उल्लंघन सहित इलेक्ट्रिक सामान्य कार्य शामिल हैं।

प्रशासनिक कारणों से निम्नलिखित में संशोधन किया गया है। 1. प्री–बिड कॉन्फ्रेंस (तिथि 27.04.2023) के दौरान उठाए गए प्रश्नों के उत्तर 22.05.2023 के स्थान पर 07.06.2023 को अपलोड होगा। 2. निविदा बंद होने की परिवर्तित तिथि एवं समय 22.06.2023 को 12.00 बजे के जगह पर 30.06.2023 को 12.00 बजे होगा। 3. निविदा खोलने की परिवर्तित तिथि एवं समय 30.06.2023 को 12.00 बजे के जगह पर 07.07.2023 को 12.00 बजे होगा। 4. आरएफपी दस्तावेज और ईपीसी निविदा दस्तावेज को संशोधित किया गया है।

ऐसी ई–निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल निविदा अस्वीकार्य होगा तथा उसके बारे में बिना किसी विचार के तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई–निविदा दस्तावेज सहित की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http//www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। द्रष्टव्य : निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा। प्रत्याशित निविदादाताओं को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/दक्षिण
पूमरे/महेन्द्रूघाट, पटना
पीआर/00502/सीओएन/अभि./सी/23–24/56

फुटकर महंगाई दर 2 साल के सबसे निचले स्तर पर

मई में 4.25% पर पहुंची, खाने-पीने के सामान की कीमतें घटने का असर

आझाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। देश में फुटकर महंगाई दर मई में घटकर 4.25% पर आ गयी है। यह 25 महीनों में महंगाई का सबसे निचला स्तर है। अप्रैल 2021 में महंगाई 4.23% रही थी। खाने-पीने की चीजों के दाम में गिरावट के कारण महंगाई में यह कमी आयी है। इससे पहले अप्रैल 2023 में रिटेल महंगाई दर 4.70% रही थी।

ग्रामीण महंगाई दर 4.68% से घटकर 4.17% पर आ गयी है। शहरी महंगाई दर 4.85% से घटकर 4.27% पर आ गयी है।

कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआइ) के बास्केट में लगभग आधी हिस्सेदारी खाने-पीने की चीजों की होती है। मई में खाद्य महंगाई दर घटकर 2.91% पर आ गयी है। अप्रैल 2023 में यह 3.84% और मार्च में 4.79% रही थी।

महंगाई घटना इकोनॉमी के लिए अच्छा संकेत : महंगाई में आयी गिरावट को लेकर एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह इकोनॉमी के लिए अच्छा संकेत है। सप्लाई चेन में सुधार और कमोडिटी की कीमत में राहत का भी फायदा मिला है। हालांकि इस महीने हुई मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग की जानकारी देते हुए फ्क गवर्नर ने कहा था कि महंगाई को लेकर चिंता और अनिश्चितता अभी भी बरकरार है।

बिजली कटौती की समस्या तत्काल दूर करें : प्रदीप जेना

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। राजधानी भुवनेश्वर से लेकर सारे ओड़िशा में बिजली की समस्या है। ओड़िशा के राजधानी भुवनेश्वर के आसपास रोजाना 5 से 6 घंटे तक बिजली चली जाती है। इसी तरह प्रत्येक जिले में 8 से 10 घंटे तक बिजली गुल हो जाती है। बिजली की समस्या को लेकर स्थानीय विधायक से लेकर सांसद तक विद्युत विभाग से लेकर एनर्जी मंत्री तक शिकायत करने पर नतीजा शून्य है।

इस संबंध में एनर्जी मंत्री प्रताब देव से पूछे जाने पर उनका कहना है कि पवार कट नहीं हो रहा है, शट डायन और ओवर लीडिंग के कारण हो रहा है।

इस घटना को लेकर मुख्य सचिव प्रदीप जेना की अध्यक्षता

में राज्य में बिजली की समस्या को लेकर सोमवार को समीक्षा बैठक हुई। इसमें बिजली की समस्या को लेकर विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गयी। बताया गया है कि खासकर काल बैसाखी के बाद कैसे तेजी से पूर्णा रुधर का काम किया जा सकता है और जहां बिजली की समस्या है, उसे तत्काल दूर करने के लिए मुख्य प्रशासनिक सचिव ने आदेश दिया है। कंट्रोल रूम में आने वाली शिकायतों को प्राथमिकता देते हुए बिजली आपूर्ति करने के आदेश। मुख्य प्रशासनिक सचिव ने बिजली कटौती की समस्या को दूर करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आदेश दिया।

उन्होंने ऊर्जा विभाग और वितरण कंपनी को निर्देश दिया। बिजली आपूर्ति के लिए बिजली विभाग और वितरण कंपनी के बीच समन्वय स्थापित करने का आदेश दिया गया है। सब स्टेशन एवं स्टेशन के साथ संपर्क कर निर्बाध विद्युत उपलब्ध कराने के आदेश दिये। सोशल मीडिया पर आने वाली शिकायतों को गंभीरता से ले और जल्द से जल्द निराकरण करने के निर्देश दिया। लोगों की कॉल अटेंड करने का भी निर्देश दिया गया है।

पहला जनजातीय खेल महोत्सव संपन्न, किस के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

लड़कों और लड़कियों दोनों श्रेणियों में ओड़िशा चैंपियन

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। किट विश्वविद्यालय में 9 जून से 12 जून 4 दिनों तक चलने वाले पहले जनजातीय खेल महोत्सव सोमवार को संपन्न हुआ। आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ओड़िशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, राज्य के स्कूल और लोक शिक्षा मंत्री सुदाम मरांडी, अनुसूचित जाति और जनजाति कल्याण, अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग कल्याण और कानून मंत्री जगन्नाथ सरका, केंद्रीय संस्कृति विभाग की संयुक्त सचिव कनिता मुद्गल और रग्बी यूनियन इंडिया अध्यक्ष राहुल बोस शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री पटनायक ने ओवरऑल चैम्पियन ओडिशा के लड़के और लड़कियों की टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया और ओडिशा टीम को बधाई दी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर ओडिशा का नाम रोशन करने वाले ज्यादातर खिलाड़ी आदिवासी वर्ग से हैं। आदिवासी समुदाय के बच्चों में काफी प्रतिभा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान कर रही है।

ओड़िशा ने खेल उत्सव में

लड़के और लड़कियों दोनों वर्गों में ओवरऑल चैंपियन बन कर राज्य का नाम रोशन किया है। विशेष रूप से किस खिलाड़ियों की उनके उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए प्रशंसा की गयी है। इसी तरह, कर्नाटक की लड़के और लड़कियों की दोनों टीमें ओवरऑल फर्स्ट रनर-अप रहीं, जबकि झारखंड की लड़के और लड़कियों की दोनों टीमें सेकेंड रनर-अप रहीं। रग्बी बालक वर्ग में ओड़िशा ने पहला स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक जीता, जबकि झारखंड ने दूसरे स्थान पर रजत पदक और महाराष्ट्र ने तीसरे स्थान पर कांस्य पदक हासिल किया। इसी प्रकार रग्बी बालिका वर्ग में ओड़िशा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पश्चिम बंगाल व महाराष्ट्र ने क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरुष हॉकी वर्ग में ओड़िशा की टीम चैंपियन रही, जबकि झारखंड और मध्य प्रदेश क्रमशः उपविजेता और तीसरे स्थान पर रहे। इसी तरह बालिका हॉकी में ओड़िशा की टीम चैंपियन बनी, जबकि झारखंड उपविजेता और मध्य प्रदेश तीसरे स्थान पर रहा।

कबड्डी पुरुष वर्ग में, ओडिशा ने पहला स्थान हासिल किया है, जबकि तमिलनाडु और कर्नाटक क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। महिला वर्ग में कर्नाटक पहले स्थान पर है, जबकि ओड़िशा और छत्तीसगढ़ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं, जबकि ओड़िशा ने खो खो लड़कों की श्रेणी में पहला स्थान हासिल किया, कर्नाटक उपविजेता रहा और गुजरात और मध्य प्रदेश दोनों तीसरे स्थान पर रहे। लड़कियों के वर्ग में भी ओड़िशा ने पहला स्थान हासिल किया है, जबकि गुजरात उपविजेता और छत्तीसगढ़ और कर्नाटक तीसरे स्थान पर हैं। फुटबाल बालक वर्ग में ओड़िशा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बिहार एवं झारखंड उपविजेता एवं तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में छत्तीसगढ़ पहले, झारखंड उपविजेता और त्रिपुरा तीसरे स्थान पर है। वॉलीबॉल बालक वर्ग में कर्नाटक को पहला, उत्तराखंड को दूसरा और ओडिशा को तीसरा स्थान मिला है। लड़कियों की श्रेणी में, कर्नाटक ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि ओड़िशा और गुजरात क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

तेज बारिश और गर्मी के बावजूद 5000 खिलाड़ी, कोच और अधिकारी किट एरिया में रह कर प्रतियोगिता में खूबसूरती से हिस्सा ले पाये। आदिवासी खिलाडियों में उत्साह देखने को मिला।

इस मौके पर किट और किस के संस्थापक अच्युत सामंत ने कहा कि ओडिशा के लिए पहला जनजातीय खेल उत्सव इतनी सफलतापूर्वक आयोजित करना गर्व और सम्मान की बात है। इसके साथ ही श्री सामंत ने केंद्र सरकार, केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और ओडिशा सरकार को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इससे पहले किट ने खेलो इंडिया की पहली सफलता की मेजबानी भी की थी।

सट्टेबाजी वाले ऑनलाइन गेम्स भी बंद होंगे

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। गाजियाबाद में ऑनलाइन गेमिंग के जरिए धर्म परिवर्तन का मामला सामने आने के बाद केंद्र सरकार ने सभी गेमिंग ऐप का रिव्यू करने का फैसला लिया है। केंद्रीय क्ष राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा- भारत में तीन टाइप के गेम्स पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले ऐप भी बंद होंगे। इसके लिए नियमों का ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि गेम्स का क्लासिफिकेशन कैसे होगा।

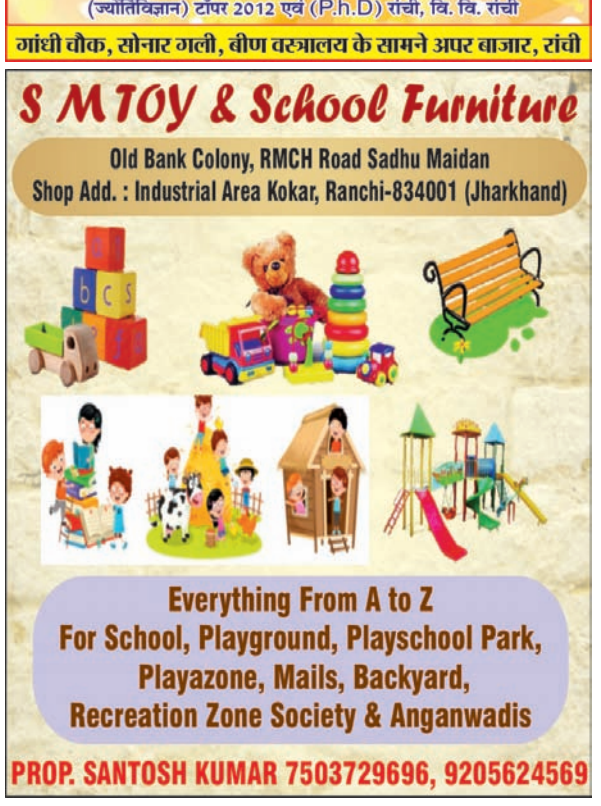

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**